@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 5 सितंम्बर 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 302 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दो घंटे की बारिश में डूबी दिल्ली

एजेंसी
नई दिल्ली। जन्माष्टमी पर दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। शुक्रवार दोपहर राजधानी में हुई भारी बारिश का असर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी पड़ा। खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर कम से कम नौ उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि 400 से अधिक उड़ानें देरी से संचालित हुईं। वहीं, एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के फोरकोर्ट में भारी जलभराव से यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जयपुर, लखनऊ और अहमदाबाद डायवर्ट की गई उड़ानें

एयरपोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम 3:30 बजे से 4:30 बजे के बीच खराब मौसम के चलते नौ उड़ानों को

दूसरे एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। इनमें चार उड़ानों को जयपुर और चार को लखनऊ भेजा गया, जबकि एक उड़ान को अहमदाबाद डायवर्ट किया गया।

भारी बारिश और खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradar24 के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को 400 से अधिक उड़ानें देरी से चलीं। बारिश के बाद दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के फोरकोर्ट में भी जलभराव हो गया। स्थिति यह रही कि यात्रियों को करीब आधे घंटे तक पानी कम होने का इंतजार करना पड़ा, ताकि वे आगमन द्वार की ओर आगे बढ़ सकें। जलभराव के कारण यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हुई और उन्हें पानी के बीच से होकर गुजरने में परेशानी हुई।

देशभर में अगले 5-7 दिन भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम क्षेत्र से लेकर दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्रों तक अगले 5-7 दिनों के दौरान कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा होने के आसार हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी अगले तीन दिनों के बीच हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य भागों और उससे सटे दक्षिणी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने 'वेल मार्क्ड लो-प्रेशर एरिया' (अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) के कारण पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 5 सितंबर को बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 6-7 दिनों तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधि कम रहने की संभावना है।

झारखंड में छात्रों पर एफआईआर के विरोध में भाजपा का बड़ा आंदोलन

● 8 से 11 सितंबर तक डीसी-एसपी कार्यालयों का घेराव

एजेंसी
रांची। छात्रों पर दर्ज एफआइआर को वापस करने समेत पिछले सात साल में सभी भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने व अन्य मांगों को लेकर राज्य सरकार को दिए गए अपने 48 घंटे के अल्टीमेटम पूरा होने के बाद भाजपा ने सभी जिलों में आंदोलन की घोषणा की है।

निर्धारित तिथि पर जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन के साथ एसपी और डीसी कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम तय किया गया है। शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पार्टी के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू ने इसकी घोषणा की। आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव के माध्यम से राज्य सरकार को ज्ञापन दिया था। इसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई अब भाजपा कार्यकर्ता लगातार चार दिनों तक सभी 24 जिलों में प्रदर्शन के साथ डीसी एवं एसपी कार्यालय का घेराव कर छात्रों की आवाज बुलंद करेंगे। प्रतिदिन 6 जिलों में घेराव कार्यक्रम किया जाएगा। भाजपा हर कदम पर छात्रों के इस न्याय की लड़ाई में मजबूती से खड़ी रहेगी। कार्यक्रम की शुरुआत 8 सितंबर से होगी। 8 को रांची, दुमका, हजारीबाग, गिरिडीह, जमशेदपुर और गढ़वा जिले में, 9 सितंबर कोडरमा, साहिबगंज, बोकारो, पलामू, सिमडेगा और चाईबासा जिले में, 10 सितंबर को सरायकेला, पाकुड़, धनबाद, गुमला, लातेहार और चतरा जिले में जबकि 11 सितंबर को रामगढ़, देवघर, लोहरदगा, खूंटी, गोड्डा और जामताड़ा जिले में यह कार्यक्रम तय किया गया है।

साहू ने कहा कि दिल्ली सहित अन्य प्रदेशों के छात्र आंदोलनों की तुलना में झारखंड के छात्रों ने मिसाल कायम किया है। वहीं दिल्ली के आंदोलन को पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे कांग्रेस के इशारे पर देश के प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत मां के लिए अपशब्द का इस्तेमाल किया गया। लेकिन झारखंड में किसी छात्र ने किसी को गाली नहीं दी। फिर भी यह 1000 छात्रों पर मुकदमा दर्ज किया गया।

सीजेपी कार्यकर्ता के पिता को पीटने वाला स्वतंत्र हिरासत मे

दिल्ली पुलिस ने बुलंदशहर से पकड़ा

दिल्ली में कॉकरोच पार्टी के धरने के बाद एक्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता नीशू आजाद के पिता के साथ मारपीट करने वाले स्वतंत्र भारद्वाज उत्तर प्रदेश के बुलंद शहर से पकड़े गए।

फिलहाल दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। पकड़े जाने से पहले स्वतंत्र ने हसनपुर में मीडिया से करीब 3 मिनट तक बात की और कहा- 'मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। चाहे पूरा विपक्ष एकजुट हो मेरा बाल बांका नहीं कर सकता।' स्वतंत्र की गिरफ्तारी की मांग को लेकर CJP ने शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग थाने में 3 घंटे प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिस के आश्वासन के बाद धरना खत्म हुआ। दरअसल नीशू का आरोप था कि 23 जून

को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनके पिता संजय के साथ मारपीट की गई। इस बीच स्वतंत्र का एक पॉडकास्ट वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह संजय पर हमला करने की बात कबूल करता नजर आया। हालांकि, उसने कहा कि उसने ऐसा सेल्फ डिफेंस में किया था। इस पर सौरव दास ने सवाल उठाया कि जब आरोपी खुद हमला करने की बात स्वीकार कर रहा है तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है।

बाढ़ की चपेट में शादीपुर गांव, पीड़ितों ने कहा- घरों में भरा पानी, खाने-पीने की भी व्यवस्था नहीं

एजेंसी
अरवल। बिहार के अरवल जिले में पुनपुन नदी का जलस्तर बढ़ने से तीन ब्लॉक के गावों में पानी घुस गया है। शादीपुर सहित कई गांव पानी तरह से डूब गए हैं, सड़कों पर पानी भरा है, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इतना ही नहीं, बंशी पुलिस स्टेशन के चारों तरफ पानी भरा हुआ है। शादीपुर गांव निवासी विष्णु यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'सड़क पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आने-जाने और खाने-पीने की कोई सुविधा नहीं है। घर में पानी भरने के कारण बाहर रहना पड़ रहा है। पानी भरने से कई लोगों के घर गिर गए हैं, लेकिन कोई संज्ञान लेने वाला नहीं है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं

कौमी पत्रिका
लखनऊ 4 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज अयोध्या व मथुरा-वृन्दावन सहित प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों का जिस प्रकार कायाकल्प हुआ है, वह भारत की सनातन आस्था और विकास के समन्वय का उदाहरण है। यह सब इसलिए सम्भव हुआ है क्योंकि यहां ऐसी सरकार है, जो जनता की भावनाओं को समझती है। प्रदेश सरकार श्रीकृष्ण कन्हैया, प्रभु श्रीराम, बाबा विश्वनाथ और मां विन्ध्यवासिनी में आस्था रखती है। मुख्यमंत्री जी आज जनपद मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मन्दिर में दर्शन-पूजन के उपरान्त मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने मन्दिर परिसर गौ-पूजन कर उन्हें लड्डू खिलाए तथा योग माया व श्री केशव देव मन्दिर में भी दर्शन-पूजन किये। कार्यक्रम के उपरान्त उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ब्रजभूमि के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए यहां के विकास को भव्य स्वरूप प्रदान करने का कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार जनता के साथ मिलकर उनकी भावनाओं के अनुरूप ब्रजभूमि को विकसित करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। ब्रजभूमि के विकास के सम्बन्ध में व्यापक चर्चा की गई है। श्रद्धालुओं की बढती संख्या को देखते हुए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की

दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि मथुरा-वृन्दावन में भी उसी प्रकार का भव्य परिसर तैयार हो, जैसा अयोध्या और काशी में हुआ है। इसका उद्देश्य यह है कि किसी श्रद्धालु को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, उसकी आस्था के साथ कोई संकट न आए और अपने आराध्य के दर्शन में उसे किसी चुनौती का सामना न करना पड़े। प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु ब्रजभूमि में आते हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के साथ-साथ वृन्दावन के श्री बांके बिहारी मन्दिर, बरसाना, नन्दगांव और गोवर्धन में भी श्रद्धालुओं की संख्या निरन्तर बढ रही है। श्रद्धालु सहज भाव से आए, अपने आराध्य के दर्शन करे और आशीर्वाद लेकर अपने घर वापस जाए। डबल इंजन सरकार इसी व्यापक आस्था को सुविधा प्रदान करने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है।

शेष पृष्ठ 3 पर

'थाने में खड़ी गाड़ियों को जर्जर होने से पहले मालिकों को सौंपे'

सुप्रीम कोर्ट का अहम आदेश

एजेंसी
तिरुवनंतपुरम । नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि पुलिस थानों में खड़े वाहनों को जर्जर होने से बचाने के लिए अदालतों से कहा है कि छोटी-बड़ी गाड़ियां समय [illegible] रहते उनके मालिकों को सौंप दी जाएं। यह वाहन थानों के बाहर जगह ही नहीं घेरते, बल्कि इनके कल-पुर्जे भी गायब हो जाते हैं। मालिक की ओर अंतरिम कस्टडी की अर्जी आते ही अदालतों को शर्तों के साथ तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्र और जस्टिस चंद्रशेखर की बेंच ने शराब के अवैध कारोबार में लिप्त ट्रक को अंतरिम कस्टडी में दिए जाने के आदेश में यह बात कही।

[illegible]

तमिलनाडु में बस और मोपेड की टक्कर

3 सगी बहनों समेत 4 छात्राओं की मौत

एजेंसी
चेन्नई। तमिलनाडु के नमक्कल जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हुआ। एक निजी कॉलेज की बस की टक्कर में मोपेड पर सवार तीन सगी बहनों और उनकी 11 वर्षीय चचेरी बहन की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, चारों छात्रा चारों लड़कियां मोपेड पर स्कूल से घर लौट रही थीं, तभी इलाचिपालयम के पास एक निजी कॉलेज की बस ने उनकी मोपेड को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं, आरोपी बस ड्राइवर ने थाने में सरेंडर कर दिया है।

सक्कारामपलयम की रहने वाली थी छात्राएं- चारों छात्राएं नमक्कल जिले के चारों सक्कारामपलयम की रहने वाली थी। मृतकों की पहचान सरकारी कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा एस कलाइचेलवी (19 वर्ष), उनकी बहनें निवेदा (15 वर्ष, कक्षा 11वीं) और धनुश्री (11 वर्ष, कक्षा 7वीं) और उनकी चचेरी बहन आर अबिनया (11

वर्ष, कक्षा 6वीं) के रूप में हुई है।

मोपेट से लेकर लौट रही थी घर

[illegible]।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई

● मुठभेड़ में एक आतंकी ढेर एके राइफल बरामद

एजेंसी
कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों को आतंकवाद विरोधी अभियान में बड़ी कामयाबी मिली। अशदर गली इलाके के घने जंगलों में सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान सुरक्षाबलों का सामना संदिग्ध आतंकियों से हो गया और दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, संयुक्त टीम इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के बाद सर्च ऑपरेशन चला रही थी। जंगल और आसपास के इलाके में

तलाशी के दौरान जवानों को कुछ संदिग्ध गतिविधियां नजर आईं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने सावधानी के साथ इलाके की घेराबंदी की और संदिग्धों को चुनौती दी। सुरक्षाबलों की मौजूदगी का पता चलने के बाद आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में सुरक्षा बलों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। कुछ समय तक दोनों तरफ से गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। इसके बाद इलाके में अतिरिक्त सतर्कता बढ़ा दी गई और आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया।

पंजाब सरकार का बड़ा एलान

प्रदेश के 85 हजार कर्मचारियों को दी बड़ी सौगात

डीए 42 से बढ़कर 60 फीसदी किया

एजेंसी
कश्मीर। पंजाब सरकार ने राज्य के कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) को लेकर एक अहम घोषणा की है। पंजाब सरकार के मंत्री अमन अरोड़ा द्वारा किए गए इस एलान से राज्य के हजारों कर्मचारियों के वेतन में सीधा इजाफा होगा।

17 जुलाई 2020 के बाद ड्यूटी जॉइन करने वाले सभी कर्मचारियों को अब 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) दिया जाएगा। वर्तमान में इन कर्मचारियों को केवल 42

प्रतिशत डीए मिल रहा था, जिसमें अब सीधे 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है।

85,000 कर्मचारियों को सीधा लाभ

सरकार के इस कदम से पंजाब के करीब 85,000 कर्मचारियों को फायदा होगा और उनके वेतन में अच्छी-खासी वृद्धि देखने को मिलेगी।

केंद्रीय कर्मियों के बराबर मिलेगा हक

मंत्री अमन अरोड़ा ने यह भी स्पष्ट किया है कि पंजाब सरकार अपने कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह कदम कर्मचारियों के लिए एक बड़ी सौगात माना जा रहा है, जिससे आगामी त्योहारों से पहले उन्हें बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

ऑपरेशन चक्र-वीआई: सीबीआई ने 20 राज्यों में 89 ठिकानों पर मारा छापा

डिजिटल अरेस्ट के 3 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि उसने 'ऑपरेशन चक्र-VI' के तहत डिजिटल अरेस्ट से जुड़े अपराधों में शामिल संगठित

गिरोहों के खिलाफ देशव्यापी कार्रवाई शुरू की है और 20 राज्यों में 89 जगहों पर एक साथ छापेमारी की है। सीबीआई ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान धोखाधड़ी से मिली रकम को लेने, उसे अलग-अलग खातों में घुमाने और आगे भेजने में भूमिका के लिए हरियाणा और कोलकाता में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने अलग-अलग राज्यों में दर्ज 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े कई मामलों की जांच अपने हाथ में ली है। ऐसे तीन मामलों में जांचकर्ताओं ने विस्तृत वित्तीय और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। जांच में बैंक खातों, ऑनलाइन अकाउंट एक्सेस डेटा और अन्य डिजिटल सबूतों की पड़ताल की गई ताकि धोखाधड़ी से मिली रकम के लेन-देन का पता लगाया जा सके और सिंडिकेट के संचालकों व लाभार्थियों की पहचान की जा सके।

पुणे में ध्वनि प्रदूषण के विरोध में सामाजिक कार्यकर्ता पर हमला

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में सामाजिक कार्यकर्ता विद्यानंद बापट पर गणेशोत्सव के दौरान ध्वनि प्रदूषण को लेकर अपनी बात रखते समय हमला हो गया। मीडिया से बातचीत के दौरान युवक ने उन्हें कथित तौर पर थप्पड़ जड़ दिया, जिसका वीडियो सामने आया है और घटना चर्चा का विषय बन गई है। बापट लंबे समय से त्यौहारों में तेज आवाज में बजने वाले डीजे और लाउडस्पीकर का विरोध करते हैं। उनका तर्क है कि अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण से बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होती हैं। इसी अभियान को लेकर गणेशोत्सव के दौरान उनके नजरिए पर कुछ लोगों द्वारा नाराजगी जाहिर थी। इसी बीच, अचानक एक युवक ने उन पर हमला किया। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मची, इसके बाद फौरान पुलिस ने हस्तक्षेप किया। पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता बापट को सुरक्षा देकर पुलिस वैन में वहां से निकाला, क्योंकि उन्हें मौके पर मौजूद लोगों की नाराजगी के बीच सुरक्षा का खतरा महसूस हो रहा था। इस मामले में हमला करने वाले आरोपी की पहचान संतोष चव्हाण के रूप में की गई है। घटना पर एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता रोहित पवार ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि विचारों से असहमति हो सकती है, लेकिन किसी भी व्यक्ति को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है और इसका जवाब तर्कों से देना चाहिए, न कि हिंसा या गुंडागर्दी करके देना चाहिए। एनसीपी शरद गुट के नेता पवार ने पुलिस प्रशासन से हमलावर के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और बापट को उचित सुरक्षा देने की मांग की।

शिमलाट्ठ चौपाल में भीषण हादसा, फॉर्च्यूनर खाई में गिरी, एक छात्रा की मौत, सात घायल

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के चौपाल में एक भीषण सड़क हादसे में 11 वर्षीय एक स्कूली छात्रा की मौत हुई, जबकि सात अन्य छात्र घायल हो गए। चौपाल तहसील के पास झड़ी गांव के पास दुर्घटना तब हुई जब एक फॉर्च्यूनर एसयूवी, जिसमें सरकारी स्कूल के आठ छात्र सवार थे, 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान शांथा गांव निवासी 11 वर्षीय साक्षी के रूप में हुई है। हादसा शाम करीब 5ः30 बजे हुआ, जब वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और गाड़ी फिसलकर गहरी खाई में समा गई। ये सभी बच्चे राजकीय स्कूल देवत में पढ़ते थे और स्कूल से अपने घर लौट रहे थे। घायलों में स्नेहा, अंकित, अंशुल, हेमंत, वंश, हार्दिक और रियांश शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश शांथा गांव के ही बताए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को खाई से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्रशासन की ओर से एसडीएम चौपाल हेमचंद वर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर मृत छात्रा के परिवार को 20 हजार रुपये और प्रत्येक घायल छात्र को 5 हजार रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। शिमला के एसपी गौरव सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हादसे के कारणों की गहन जांच जारी है।

जेएनटीयू हैदराबाद में छात्र गुटों की झड़प, कई घायल

हैदराबाद (एजेंसी)। जवाहरलाल नेहरू टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (जेएनटीयू) में देर रात दो छात्र गुटों के बीच हुई गंभीर झड़प में कई छात्र घायल हुए। यह विवाद कैंपस में चल रहे तीज उत्सव के दौरान एक छात्रा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद शुरू हुआ। मंजिरा और गौतमी हॉस्टल के छात्रों के बीच हुए संघर्ष में दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर लाठियां भी चलाईं। घायल छात्रों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है ताकि झड़प की असली वजह और इसमें शामिल लोगों की पहचान की जा सके। इस घटना के विरोध में कुछ छात्रों ने जेएनटीयू के मुख्य द्वार के सामने सड़क पर धरना भी दिया, इस पुलिस ने हस्तक्षेप कर शांत कराया।

राजस्थान पुलिस का मिशन दुबई सफल : जयपुर अपहरणकांड का मास्टरमाइंड पकड़ा

जयपुर(एजेंसी)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने अपनी लंबी भुजाओं का प्रदर्शन कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। आईपीएस दिनेश एमएन के नेतृत्व में चलाए गए मिशन दुबई के तहत, जयपुर के एक व्यापारी के अपहरण के मास्टरमाइंड करण आसवानी उर्फ कमल सिंधी को दुबई से गिरफ्तार कर जयपुर लाया गया है। इस कार्रवाई ने कानून के लंबे हाथों की कहावत को फिर सच साबित कर दिखाया है। यह मामला अगस्त 2023 का है, जब राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान इलाके से व्यापारी नरेंद्र नाथ दत्ता और उनके ड्राइवर योगेश का अपहरण किया गया था। बदमाशों ने व्यापारी के मोबाइल फोन से परिजनों से फिरौती की मांग की थी, जिसके बाद पुलिस तुरंत सक्रिय हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आगरा के पास से व्यापारी व चालक को सुरक्षित मुक्त कराया। इस दौरान हर्ष गौतम, कनक गांगुली और अजय बेनीवाल सहित तीन बदमाशों को मौके से गिरफ्तार किया था। एडीजी एमएन ने बताया कि वारदात के वक्त एक बदमाश ने खाकी वर्दी पहन रखी थी, जिससे पीड़ित को शुरुआती अहसास ही नहीं हुआ था कि उनका अपहरण हो रहा है।

केंद्र सरकार में शामिल हो सकते हैं फडणवीस, बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने दी प्रतिक्रिया

-कहा- देवेंद्र फडणवीस इस समय महाराष्ट्र में जहां हैं, वहीं उनकी जरूरत है

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस को लेकर पिछले कई दिनों से कयास लगाए जा रहे हैं कि वे अब केंद्र की राजनीति में आ सकते हैं। इसको लेकर ना तो फडणवीस और ना ही बीजेपी के शीर्ष लीडरशिप ने कोई आधिकारिक पुष्टि की है। इस बीच महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री और बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने सीएम देवेंद्र फडणवीस के केंद्र सरकार में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि फडणवीस इस समय महाराष्ट्र में जहां हैं, वहीं उनकी जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पंकजा मुंडे ने कहा कि ऐसा फैसला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या पीएम मोदी की मंजूरी के बिना नहीं हो सकता।

'फडणवीस प्रभावशाली और मजबूत नेता'
रिपोर्ट के मुताबिक पंकजा मुंडे ने फडणवीस की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक प्रभावशाली और अकादमिक रूप से मजबूत नेता हैं। उन्होंने कहा कि वह पिछले करीब ढाई दशक से फडणवीस के साथ काम कर रही हैं। मैं सिर्फ प्रार्थना कर सकती हूं कि वह वर्तमान पद से आगे बढ़ें। हालांकि, अभी उन्हें वहीं जरूरत है, जहां वह हैं। पंकजा का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के उस हालिया दावे के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी फडणवीस को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करना चाहते हैं।

संजय राउत ने दावा किया था कि आरएसएस देश की राजनीति में एक बड़े बदलाव का पुरजोर समर्थन कर रहा है, जिसके तहत देवेंद्र फडणवीस को दिल्ली बुलाकर उन्हें उप-प्रधानमंत्री का पद सौंपने की कोशिश की जा रही है। राउत ने दावा किया कि भगवा परिवार दिल्ली के बाहर के किसी प्रमुख नेता को पीएम मोदी के राजनीतिक उत्तराधिकारी के तौर पर स्थापित करने की तैयारी कर रहा है और इस अहम पद के लिए फडणवीस सबसे आगे चल रहे हैं।

संजय राउत के मुताबिक आरएसएस और पार्टी से जुड़ी अन्य अहम शख्सियतें फडणवीस को दिल्ली लाने की योजना बना रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर सीधा हमला करते हुए राउत ने दावा किया कि इतिहास गवाह है कि कोई भी पूर्व गृह मंत्री कभी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भले ही अमित शाह शीर्ष पद पाने की बड़ी महत्वाकांक्षा रखते हों, लेकिन उन्हें पार्टी के अंदर कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सत्ताधारी पार्टी के कई वरिष्ठ मंत्रियों ने कैबिनेट में संभावित फेरबदल को लेकर नेतृत्व को अल्टीमेटम दिया है।

पंकजा मुंडे ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के जारी अनशन पर कहा कि राज्य सरकार संवैधानिक दायरे में रहते हुए उनकी मांगों को पूरा करने के लिए कोशिश कर रही है। जरांगे की मांग है कि जिन मराठाओं के कुनबी रिकॉर्ड मिले हैं, उन्हें जाति प्रमाणपत्र जारी किए जाएं। इसके अलावा, वह कोल्हापुर, सतारा और मुंबई गजेटियर में मौजूद प्रावधानों को लागू कर मराठाओं को कुनबी के रूप में मान्यता देने की मांग कर रहे हैं। पंकजा ने कहा कि सरकार ने जरांगे से बातचीत के लिए राधाकृष्ण विखे पाटील की अध्यक्षता में मंत्रियों की एक समिति गठित की है। उन्होंने कहा कि सरकार संवैधानिक दायरे में रहते हुए उनकी मांगों के साथ न्याय सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है। बाद में पंकजा मुंडे ने अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इसमें पंचगंगा नदी में प्रदूषण से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

दक्षिण में कांग्रेस की रणनीतिः जगनमोहन रेड्डी की इंडिया में शामिल होने की अटकलें

-कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने वाईआरएस को सराहा

अमरावती(एजेंसी)। वाई एस जगन मोहन रेड्डी की इंडिया गठबंधन में संभावित एंट्री को लेकर राजनीतिक गलियारों में जोरदार चर्चाएं हैं। कांग्रेस, जो दक्षिण के पांच में से तीन राज्यों में अपने दम और तमिलनाडु में सीएम थलपति विजय के साथ सत्ता में साझेदार है, अब आंध्र प्रदेश पर अपनी पकड़ मजबूत करने को लेकर गंभीर दिख रही है। हाल ही में नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.वाई एस राजशेखर रेड्डी (जगन के पिता) को एक पक्का कांग्रेसी और गरीबों का मसीहा बताकर उनकी जमकर तारीफ की है। दिल्ली के मावलंकर हॉल में आयोजित एक डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी अवार्ड समारोह के दौरान कांग्रेस नेता खरगे ने वाईएसआर की राजनीतिक यात्रा, उनके सिद्धांतों और जन-कल्याणकारी नीतियों को याद किया। इस कार्यक्रम के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि खरगे ने जगन मोहन रेड्डी को इंडिया गठबंधन में लाने का रोडमैप तैयार किया है। कांग्रेस का डॉ. वाई एस राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला पर दांव पहले सफल साबित नहीं हुआ था। अब परिसीमन जैसे मुद्दों पर जगनमोहन के कांग्रेस की तरफ बढ़ने की चर्चा है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी का नाम तमिलनाडु के नए राज्यपाल के तौर पर देखा जा रहा है। किरण कुमार रेड्डी, जिन्हें कांग्रेस ने सीएम बनाया था, बाद में भाजपा में चले गए थे। वर्तमान में आंध्र में एन चंद्रबाबू नायडू और अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण की जोड़ी भाजपा के साथ मिलकर सत्ता में है।

चीन का लेन-देन वाला रवैया भारत और नेपाल के लिए खतरें की घंटी

-थरूर ने कहा,चीन वायुमंडलीय वॉर्मिंग के लिए जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस नेता शशि थरूर ने हाल ही में नेपाल में आई आपदा के संदर्भ में हिमालयी क्षेत्र की नाजुक पारिस्थितिकी पर गंभीर लेख लिखा है। उन्होंने चीन पर निशाना साधकर कहा है कि बीजिंग का भारत और नेपाल के साथ लेन-देन वाला रवैया क्षेत्र में बढ़ते जलवायु संकट को और गंभीर कर रहा है, जिसके लिए एक समर्पित त्रिपक्षीय तंत्र की जरुरत है। कांग्रेस नेता थरूर ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता रबी लामिछाने का हवाला दिया, जिन्होंने कहा था कि भारत, चीन और नेपाल एक ही एकीकृत पर्वत प्रणाली का हिस्सा हैं, और उनकी नियति आपस में जुड़ी हुई है।

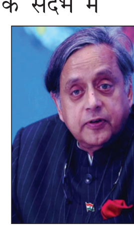

कांग्रेस सांसद थरूर ने लिखा कि यह एक कड़वी विडंबना है कि नेपाल, जिसका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन नगण्य है, उसी देश को ग्लोबल वॉर्मिंग के सबसे गंभीर और तत्काल परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। वहीं, उत्तर में उसके विशाल औद्योगिक पड़ोसी, विशेषकर चीन, हिमालय के ग्लेशियरों को पिघलाने वाली वायुमंडलीय वॉर्मिंग के बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि ग्लेशियर और उनसे जुड़ी आपदाएं अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानतीं। जब ग्लेशियर की झील फटती है या जमीन खिसकती है, तब उससे आने वाला सैलाब देशों की सीमाओं को पार करके नीचे की ओर बहता है।

सीजेपी में बगावत, 4 महीने में ही टूटा अभिजीत दीपके का दल

कॉकॉरच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' (सीजेपी-डी) के गठन का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजनीति से दूर रहने का दावा करने वाले अभिजीत दीपके की 'कॉकॉरच जनता पार्टी' (सीजेपी) में आंतरिक कलह सामने आ गई है, और यह दल अपनी स्थापना के मात्र चार महीने बाद ही बिखरता दिख रहा है। मई में बनी यह पार्टी सितंबर आते-आते टूट के कगार पर पहुंच गई है। पार्टी के एक प्रमुख सदस्य मनीष ब्रह्मभट्ट ने न केवल दीपके का साथ छोड़ दिया है, बल्कि एक नए गुट कॉकॉरच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' (सीजेपी-डी) के गठन की घोषणा भी की है। इस घटनाक्रम ने दीपके और उनके साथियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ब्रह्मभट्ट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खुद को सीजेपी से अलग करते हुए अभिजीत दीपके पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक आंदोलन की सफलता के बाद जमीनी कार्यकर्ताओं और छात्रों के हितों का सौदा कर दिया गया

और संगठन एक खास राजनीतिक दल के करीब चला गया है। ब्रह्मभट्ट के अनुसार, आंदोलन की सफलता के बाद गठित की गई 12 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम के चयन में किसी भी जमीनी कार्यकर्ता, छात्र या सोशल मीडिया वॉलंटियर से सलाह नहीं ली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नई टीम के 8 सदस्य एक अन्य राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जिससे यह धारणा बनी है कि पूरी टीम एक खास राजनीतिक विचारधारा के हितों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

ब्रह्मभट्ट ने यह भी कहा कि आंदोलन में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े युवाओं ने हिस्सा लिया था, लेकिन नई टीम में उन्हें जगह नहीं मिली, और महिला, सिख तथा मुस्लिम चेहरों को भी दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस आंदोलन की नींव मेरिट और पेपर लीक के खिलाफ पड़ी थी, उसी आंदोलन के नेतृत्व ने अब मेरिट को हाशिये पर रख दिया है। मनीष ब्रह्मभट्ट ने सीजेपी-डी को एक सच्चा लोकतांत्रिक और राष्ट्रव्यापी संगठन बनाने का वादा किया है, जिसमें हर राज्य के स्थानीय आंदोलनकारियों और वॉलंटियर्स में से पांच-पांच प्रतिनिधियों को चुना जाएगा, ताकि हर क्षेत्र की आवाज को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके। दूसरी ओर, अभिजीत दीपके ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है, खासकर किसी विशेष राजनीतिक दल से सांठगांठ के आरोपों को। उन्होंने एक बयान में कहा कि उनकी पार्टी केवल छात्रों की 'ए टीम' है और इसका किसी अन्य दल से कोई संबंध नहीं है। दीपके ने कहा, ÷कुछ लोग हमें एक विशेष दल की बी टीम बताते हैं, जबकि कुछ अन्य हमें किसी और दल की बी टीम कहते हैं। मुझे लगता है कि इन नेताओं को एक साथ बैठकर तय कर लेना चाहिए। हमारी तरफ से बात साफ है।

दिशा सालियान केस में सीबीआई की एंट्री, आदित्य ठाकरे पर बीजेपी का पलटवार

मुंबई, एजेंसी।
बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा दिशा सालियान मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में अचानक हलचल तेज हुई है। शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने इस पूरे मामले से अपना कोई संबंध होने से इंकार कर आरोप लगाया है कि भाजपा पिछले छह सालों से उन्हें निशाना बनाने और बदनाम करने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर, भाजपा ने तत्कालीन महाविका अघाड़ी की ठाकरे सरकार की मामले को रफा-दफा करने की कथित कोशिशों पर सवाल उठाकर पलटवार किया है। मुंबई पुलिस की रिपोर्ट के बाद अब हाईकोर्ट द्वारा मामला सीबीआई को सौंपने से महाराष्ट्र का राजनीतिक ड्रामा एक नए स्तर पर पहुंच गया है।

नासिक में मीडिया से बात कर आदित्य ठाकरे ने अपना पक्ष रखा और बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, इस मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है और मैंने इस बारे में सोचा भी नहीं है। मैं इस पर जवाब क्यों दूं? आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर हर किसी को बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, जैसा कि उन्होंने सालों तक राहुल गांधी को पप्पू बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बीते छह सालों से उन्हें बदनाम किया जा रहा है और उनका मानना है कि जब किसी बात से आपका कोई संबंध न हो, तब उस पर प्रतिक्रिया देना व्यर्थ है।

आदित्य के बयान पर भाजपा नेता राम कदम ने कड़ी आपत्ति जताकर पलटवार किया। बीजेपी नेता कदम ने सवाल उठाया कि अगर आदित्य का इस मामले से कोई संबंध नहीं है, तब उस समय की तत्कालीन ठाकरे सरकार पूरे केस को रफा-दफा करने के पीछे क्यों पड़ी थी? भाजपा नेता ने पूछा कि आखिर उद्धव ठाकरे सरकार किसे बचाने की कोशिश कर रही थी और निष्पक्ष जांच से क्यों बच रही थी?

वहीं, इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम और हाई कोर्ट के आदेश पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुंबई पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट पूरी करके अदालत में दाखिल कर दी थी, लेकिन अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी है। सीएम फडणवीस ने अदालत के इस फैसले पर इससे ज्यादा कुछ भी कहने से इंकार किया। सीबीआई जांच के आदेश के बाद से मामले को लेकर सूबे का राजनीतिक तापमान फिर गर्म हो गया है।

नकवी ने कांग्रेस और सीजेपी को 'काल्पनिक क्रांतिकारी' बनने का प्रतियोगी बताया

-निशु के पिता पर हमले को लेकर राहुल गांधी के बयान पर भाजपा नेता का पलटवार

-सीजेपी ने कहा- पुलिस ने आरोपी की 72 घंटे में गिरफ्तारी का दिलाया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी।
सीजेपी कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान हुए हमले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने इस मामले में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधते हुए कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पर 'काल्पनिक क्रांतिकारी' बनने की प्रतियोगिता में शामिल होने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता नकवी ने कहा, कि कांग्रेस और 'कॉकरोच पार्टी' के

बीच यह प्रतियोगिता चल रही है कि कौन सबसे बड़ा 'काल्पनिक क्रांतिकारी' बन सकता है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण काम कानून का है। नकवी ने तंज कसते हुए कहा कि यदि कोई रिपोर्ट लिखवाने आता है तो संबंधित लोगों को 'रिपोर्ट के मुंशी' बनकर किसी तरह का 'कमाल-धमाल' करने के बजाय कानून को अपना काम करने देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के बयानों से 'काल्पनिक कंफ्यूजन' पैदा करने की कोशिश की जा रही है।

राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना

इससे पहले राहुल गांधी ने निशु आजाद के पिता संजय कुमार पर कथित हमले को लेकर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने निशु को समर्थन देते हुए कहा कि उसे घबराने की जरूरत नहीं है और वह उसके साथ हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि निशु को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह अपने समुदाय और छात्रों के अधिकारों की आवाज उठाती हैं। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर छात्रों के साथ कथित अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि एक अपराधी को संरक्षण क्यों दिया जा रहा है।

मित्र, आप अकेले नहीं... देश की 10 फीसद आबादी का कट चुका नाम

-राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा का वोटर लिस्ट से नाम हटने पर चिदंबरम का तंज

-एसआईआर के तहत 20.66 लाख नाम हटाए गए

नई दिल्ली, एजेंसी।
चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम हटाए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। चड्ढा ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताते हुए पंजाब सरकार और प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। इस बीच पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर चड्ढा को इंगित करते हुए चुनाव आयोग की एनसीआर प्रक्रिया पर ही तंज कस दिया है।

चिदंबरम ने अपनी पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपने मित्र राघव चड्ढा को 'भारत का गैर-मतदान नागरिक' बनने पर बधाई दी है। उन्होंने आगे कहा कि चड्ढा अकेले नहीं हैं, बल्कि भारत की वयस्क आबादी के करीब 10 प्रतिशत लोगों को भी चुनाव आयोग ने गैर-मतदान नागरिक घोषित कर दिया है। चुनाव आयोग की 13 अगस्त 2026 को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राघव चड्ढा के नाम के सामने 'स्थायी रूप से स्थानांतरित' यानी 'पीएस' दर्ज किया गया है। उनका नाम पंजाब की एएसडीडी सूची में भी शामिल किया गया है। एएसडीडी में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट मतदाताओं को शामिल किया जाता है। पंजाब में एसआईआर प्रक्रिया के तहत अब तक 20.66 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए हैं। यह संख्या पुनरीक्षण से पहले राज्य के कुल मतदाताओं की करीब 9.7 प्रतिशत है।

चड्ढा ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

राघव चड्ढा ने मोहाली में दर्ज अपने वोटर आईडी का हवाला देते हुए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि उनके नाम को मतदाता सूची से हटाने की प्रक्रिया में राज्य के प्रशासनिक तंत्र और पुलिस का इस्तेमाल किया गया। चड्ढा ने सवाल उठाया कि उन्हें 'स्थानांतरित' के तौर पर किसने चिह्नित किया, इस श्रेणी का सत्यापन किसने किया और इसे आगे किस स्तर पर प्रोसेस किया गया।

उनके मुताबिक, इन सभी प्रक्रियाओं में पंजाब सरकार के अधिकारी शामिल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर से लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी स्तर तक चुनावी प्रक्रिया में राज्य सरकार के कर्मचारी और अधिकारी जुड़े रहते हैं। चड्ढा का आरोप है कि चुनावी ड्यूटी के बाद अधिकारियों की पोस्टिंग और तबादले समेत करियर से जुड़े फैसले राज्य सरकार के नियंत्रण में रहते हैं। इसी वजह से उन्होंने राजनीतिक दबाव और

बदले की कार्रवाई की आशंका जताई है।

इस मामले ने पंजाब में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। एक ओर जहां चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण को चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने की कवायद बताया जा रहा है, वहीं विपक्षी दल और कई नेता नाम हटाए जाने की प्रक्रिया और सत्यापन के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं। इसे लेकर एक बार फिर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार विपक्ष के निशाने पर है।

सदर बाजार में बड़ी धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है: परमजीत सिंह पम्मा

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। सदर बाजार के कुतुब रोड क्षेत्र में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सभी धर्मों एवं समुदायों के लोगों ने एकजुट होकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई। कार्यक्रम में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव, बारी मार्केट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वरिंदर आर्य, कुलदीप सिंह, उपाध्यक्ष सुनील पुरी, राजेश कुमार, संदीप खन्ना, महासचिव रमेश सचदेवा, दीपक निम्भल, सचिन गगन खन्ना, तरुण सोनी, अभय सभरवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन एवं धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का गुणगान किया। इस अवसर पर प्रसाद वितरण एवं भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों, स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जन्माष्टमी समारोह के दौरान

व्यापारियों को भगवान श्रीकृष्ण के नाम का पटका पहनाकर सम्मानित भी किया गया। पूरे कुतुब रोड क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भाईचारे का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म, कर्म और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, भाईचारे और आपसी एकता का संदेश देने वाला पावन अवसर है। सदर बाजार की यही खूबसूरती है कि यहां सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर हर पर्व को उत्साह और सम्मान के साथ मनाते हैं। पम्मा ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज को एकजुट करने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे और सभी ने भगवान श्रीकृष्ण से देश, समाज एवं व्यापारिक समुदाय की सुख-समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं

प्रथम पृष्ठ का शेष

श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं को और अधिक विकसित करने की तैयारियां की जा रही हैं। प्रदेश सरकार ने अधिकारियों से कहा है कि जितना सम्भव हो, उतना कार्य किया जाए। श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए और उनकी सुविधा में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। पर्व और त्योहार केवल हमारी आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि हमारी आर्थिकी के भी महत्वपूर्ण आधार हैं। समाज का प्रत्येक वर्ग किसी न किसी रूप में इस पूरी व्यवस्था से जु?कर भारत और विकसित भारत की परिकल्पना को आगे ब?ाने में अपना योगदान दे रहा है। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का मन्त्र दिया है। प्रभु श्रीकृष्ण से प्रेरणा प्राप्त करते हुए, हमें अपने कर्तव्य पथ पर पूरी मजबूती के साथ आगे ब?ते हुए राष्ट्र तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करना चाहिए। देश, समाज, सनातन तथा परिवार के प्रति हमारे जो दायित्व और कर्तव्य हैं, यदि हम उनका ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करेंगे तो भारत को विकसित भारत और उत्तर प्रदेश को विकसित उत्तर प्रदेश बनने में देर नहीं लगेगी। विकसित भारत के निर्माण के लिए आस्था व विरासत का सम्मान आवश्यक है। इसी भावना के साथ वह स्वयं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर ब्रजभूमि में आते हैं। अब ब्रजभूमि जन्मोत्सव, रंगोत्सव, ब्रज रज उत्सव और वैष्णव कुम्भ के साथ जु?ती है। ब्रजभूमि आज एक नए उत्साह, उमंग और विश्वास के साथ आगे ब? रही है। यह नया विश्वास हम सभी को निरन्तर आगे ब?ने के लिए प्रेरित कर रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के उपरान्त अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मन्दिर निर्माण के साथ वहां का व्यापक विकास हुआ है। दुनिया का विशालतम मन्दिर अयोध्या में बन रहा है। जिन लोगों को यह परिवर्तन अच्छा नहीं लगता, वह अयोध्या को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि करो?ों श्रद्धालुओं के लिए यह प्रसन्नता और आस्था का विषय है कि श्रीरामलला अयोध्या में फिर से विराजमान हो गए हैं। एक समय अयोध्या की स्थिति ऐसी थी जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वहां न अच्छी स?कें थीं और न ही बिजली और पानी की पर्याप्त व्यवस्था थी। गन्दगी का अंबार लगा रहता था। अयोध्या नगरी सिंगल रेलवे लाइन से जु?ी थी। जो श्रद्धालु वहां जाता था, वहां की अव्यवस्था और अराजकता को देखकर रोकर वापस आता था। आज अयोध्या का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। प्रतिदिन लगभग 01 लाख श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंच रहे हैं। रामनवमी, कार्तिक माह, सावन का झूला मेला, दीपोत्सव और दीपावली जैसे अवसरों पर यह संख्या ब?कर 05 लाख से लेकर 50 लाख तक पहुंच जाती है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है। प्रभु श्रीराम के नाम को दुनिया तक पहुंचाने वाले त्रिकालदर्शी ऋषि महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या में इण्टरनेशनल एयरपोर्ट बन चुका है। चारों ओर से फोरलेन स?कों के माध्यम से अयोध्या को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। रेलवे की डबल लाइन से अयोध्या जु? चुका है। आज अयोध्या में जहां भी जाएंगे, वहां फोरलेन स?क दिखाई देती है। भक्ति पथ, रामपथ और कहीं मन्दिर जाने के मार्ग के रूप में स?कें विकसित की गई हैं। यह अयोध्या धाम के भव्य स्वरूप को प्रदर्शित करता है। आज उन्होंने यहां योगमाया का दर्शन किया। इसी धरा धाम पर योगमाया ने अवतरित होकर कंस के अहंकार को चुनौती दी थी और यही योगमाया माँ विन्ध्यवासिनी धाम में भी प्रकट हुई थीं। उन्होंने कहा कि वह जब भी यहां आते थे, तत्काल माँ विन्ध्यवासिनी का धाम उनके स्मरण में आता था। योगमाया के प्रति हमारी आस्था ने माँ विन्ध्यवासिनी धाम को एक भव्य परिसर उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश के नागरिक शासन की सुविधाओं से जु? रहे हैं तथा विकास की नई-नई परियोजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। युवा अपने जीवन और भविष्य के प्रति आश्वस्त है। प्रत्येक बेटी और बहन को अपनी सुरक्षा के प्रति विश्वास है। प्रत्येक कारीगर और हस्तशिल्पी के मन में उद्यमी बनने का विश्वास उत्पन्न हुआ है। पर्व व त्योहार इसी विश्वास और सामाजिक जु?ाव को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समाज में विभाजन उत्पन्न करने का प्रयास इसलिए किया जाता है, ताकि समाज और राष्ट्र विरोधी तत्वों के हौसले ब? सकें। वह सुरक्षा में सेंध लगा सकें तथा युवाओं के भरोसे के साथ खिलवा? कर सकें। बहन-बेटियों की सुरक्षा को चुनौती दे सकें और अन्नदाता किसानों की खुशहाली पर डकैती डाल सकें। डबल इंजन सरकार ऐसे सभी मंसूबों पर पानी फेरेगी और उन्हें कभी पूरा नहीं होने देगी। इस अवसर पर गन्ना विकास मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी तथा बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) श्री संदीप सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ठेकेदार से हुआ प्यार तो 50 साल की महिला ने उठाया ऐसा कदम

शाहजहांपुर। प्रेम प्रसंग में पचास वर्षीय महिला अपने पति और बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई। परेशान परिजन 12 दिन तक उसे खोजते रहे, लेकिन उसका सुराग नहीं लगा। मंगलवार को पुलिस ने उसे तलाश कर लिया तो परिजन लेने के लिए थाने पहुंच गए, लेकिन महिला अपने घर जाने की बजाय प्रेमी के साथ ही रहने की जिद पर अड़ी रही। इससे उसके परिजन परेशान होकर घर चले गए। यह मामला शाहजहांपुर जिले का है, जहां एक ठेकेदार से प्रेम प्रसंग के चलते महिला ने यह कदम उठाया। महिला के पति ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मंगलवार को महिला को खोजकर थाने ले आई। सूचना मिलने पर महिला के पति, दो जवान बेटे, दो शादीशुदा बेटियां और उनके बच्चे थाने पहुंचे। परिजनों ने घंटों तक महिला को घर लौटने के लिए मनाने का प्रयास किया। थाने में इस दौरान काफी भावुक माहौल बना रहा। हालांकि, महिला ने परिवार के साथ जाने से साफ इन्कार कर दिया। उसने स्पष्ट कहा कि वह अपने प्रेमी के साथ ही रहेगी। महिला की जिद के आगे परिवार के सदस्य निराश होकर वापस चले गए। प्रभारी निरीक्षक प्रिंस शर्मा ने इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज होने के बाद महिला को तलाश किया। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद महिला की इच्छा और बयान दर्ज किए जाएंगे। महिला के बयान के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

होटल में छोड़कर भागा दोस्त तो युवती ने लगा लिया फंदा

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र स्थित होटल के कमरे में युवती ने अपने ही दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक युवती के साथ कमरे में एक गैर संप्रदाय का युवक भी था जो दो घंटे पहले ही होटल से घर चला गया था। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है। मेडिकल टीम की निगरानी में युवती के शव का पोस्टमार्टम किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने मोक्ष धाम में ही शव का दाह संस्कार कर दिया। एसीपी नगर कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात भूड़ भारत रेलवे रोड स्थित अंश होटल व गेस्ट हाऊस के कर्मचारी ने पुलिस को सूचना दी कि कमरे में एक 18 वर्षीय युवती ने आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी और फोरेंसिक टीम ने होटल के कमरे से साक्ष्य जुटाए और शव मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। एसीपी के मुताबिक बृहस्पतिवार की दोपहर 12 बजे युवती अकेले ही होटल में आती दिखाई पड़ी। जहां नदीम(19) कमरा बुक करके पहले से ही मौजूद था। शाम करीब आठ बजे नदीम बहाना बनाकर अपने घर चला गया। इसके बाद रात करीब 10 बजे युवती ने होटल के कमरे में अपने ही दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने होटल के कमरे से साक्ष्य जुटाए। एसीपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में आरोपी युवक एक बार होटल में आता और शाम को होटल से जाता दिखाई पड़ा है। जबकि युवक के जाने के बाद युवती दो बार होटल से बाहर आने और फिर कमरे में अकेले पहुंचने तक सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है। मां ने युवती को मार दिए थे थप्पड़ =एसीपी ने बताया कि युवती के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। युवती की मां ने बताया कि गैर संप्रदाय के युवक के साथ खुलेआम घूमने पर उन्होंने बेटी से पूछताछ की थी। युवती नहीं मानी तो दो थप्पड़ जड़ दिए थे। एसीपी का कहना है कि प्रथम दृष्टया मां की पिटाई और होटल में छोड़कर युवक के भाग जाने से आहत युवती ने आत्महत्या की है। मोबाइल में 17 कॉल 63 मैसेज =?पुलिस ने आरोपी का मोबाइल खंगाला तो उसमें बृहस्पतिवार को 17 कॉल और 63 मैसेज युवती ने नदीम को किए थे। दोनों के बीच कुछ ऐसी बात हुई कि युवक उसे होटल में छोड़कर भाग गया। इसके बाद युवती ने युवक को कॉल कर होटल में बुलाने का दबाव बनाया।

मुरसान के बड़ा बाजार चौराहे पर दुकानदार पर फायरिंग

हाथरस। मुरसान कस्बे के बड़ा बाजार चौराहे पर बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे एक दुकानदार पर फायरिंग की गई। घटना से बाजार के दुकानदारों में दहशत का माहौल है। मामले में पुलिस ने सात नामजद और चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पीड़ित दुकानदार रविंद्र सिंह के अनुसार बड़ा बाजार चौराहे पर उनकी दुकान है। बृहस्पतिवार की रात करीब नौ बजे करन, दीपक, राधेश्याम, जीतू, सुमित, अर्जुन, सूरज निवासी नगला उदय सिंह मुरसान और तीन-चार अन्य लोग बाइकों पर उनकी दुकान पर पहुंचे। रविंद्र के अनुसार आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और तमंचे लहराते हुए भाग निकले। इसके बाद उन्होंने अपने भाई पिंटू के साथ आरोपियों का पीछा किया। इगलास रोड पर आरोपियों ने उनके भाई पिंटू पर भी फायर किया, जिसमें वह बाल-बाल बच गया। बाद में अन्य दुकानदारों के साथ वह कोतवाली पहुंचे। मुरसान कोतवाली प्रभारी गिरीश चंद्र गौतम ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। गांव नगला उदय सिंह निवासी सूरज को तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है।

रोबोटिक सर्जरी से पैंक्रियाज की दुर्लभ बीमारी का सफल इलाज

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज स्थित एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने पैंक्रियाज (अग्न्याशय) की दुर्लभ और गंभीर बीमारी से जूझ रहे 51 वर्षीय मरीज का सफल रोबोटिक सर्जरी के जरिए उपचार किया है। मरीज वॉल्ड-ऑफ पैंक्रियाटिक नेक्रोसिस नामक जटिल बीमारी से पीड़ित था, जो एक्यूट पैंक्रियाटाइटिस की गंभीर अवस्था मानी जाती है। अस्पताल के अनुसार मरीज पिछले दो महीनों से लगातार बुखार, पेट दर्द, भोजन न पचने और तेजी से वजन घटने की समस्या से परेशान था। जांच में पैंक्रियाज के आसपास 6म6 सेंटीमीटर आकार का संक्रमित ऊतक और तरल पदार्थ का जमाव पाया गया। विशेषज्ञों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रोबोट-असिस्टेड पैंक्रियाटिक नेक्रोसेक्टोमी और ड्रेनेज सर्जरी करने का निर्णय लिया। करीब पांच घंटे चली इस जटिल प्रक्रिया में डॉक्टरों ने लगभग 450 मिलीलीटर संक्रमित तरल पदार्थ और मवाद को बाहर निकाला तथा क्षतिग्रस्त ऊतकों को हटाया। अस्पताल के जीआई सर्जरी, जीआई ऑन्कोलॉजी एवं रोबोटिक्स विभाग के वरिष्ठ निदेशक डॉ. नीरज चौधरी ने बताया कि यह बीमारी समय पर उपचार न मिलने पर जानलेवा साबित हो सकती है। सफल सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और उसे पांच दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

प्लास्टिक की फैक्टरी में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार दोपहर दो मंजिला प्लास्टिक फैक्टरी में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और अन्य मंजिलों में फैल गई। उस समय फैक्टरी में कई लोग मौजूद थे। आग लगते ही वहां अफरा-तफरी का माहौल हो गया। लेकिन समय रहते सभी लोग बाहर निकल गए। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। आग में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार, शनिवार दोपहर 12.20 बजे दमकल विभाग को नरेला औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक प्लास्टिक फैक्टरी में आग लगने की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने पाया कि आग फैक्टरी की छत पर लगी थी। जांच में पता चला कि फैक्टरी में प्लास्टिक का काम होता था और इसके कूड़ा को छत पर जमा किया गया था। जिसमें आग लगी थी। प्लास्टिक सामान होने की वजह से आग तेजी से फैल गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही फैक्टरी में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि समय रहते वह बाहर निकल गए। दमकल कर्मियों ने तुरंत राहत बचाव का काम शुरू किया और एक घंटे में आग पर काबू पा लिया।

श्रमिक आंदोलन को हिंसक बनाने की साजिश में डीयू का छात्र गिरफ्तार

नोएडा। अप्रैल में श्रमिक आंदोलन को हिंसक बनाने की साजिश में पुलिस ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के एलएलबी छात्र योगेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। मूलरूप से राजस्थान के रहने वाले योगेश के तार आरडब्ल्यूपीआई (रिवोल्यूशनरी वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया) और दिशा फाउंडेशन से भी जुड़े बताए जा रहे हैं। वह डीयू छात्रसंघ के अध्यक्ष पद का चुनाव भी लड़ चुका है। नोएडा सेंट्रल के एडीसीपी स्वतंत्र सिंह ने बताया कि जांच में पता चला है कि हिंसक आंदोलन के लिए रची गई साजिश में योगेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। पुलिस को ऐसे कई डिजिटल और तकनीकी साक्ष्य मिले हैं जिनमें श्रमिकों को उकसाने के सबूत हैं। योगेश सोशल मीडिया और विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप से जुड़ा था। उसने श्रमिकों के बीच भ्रम फैलाया। इससे श्रमिकों में आक्रोश उत्पन्न हुआ। उन्होंने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित किया था कि नोएडा पुलिस के एक अधिकारी का चालक श्रमिकों के संपर्क में है और वह आंदोलन से जुड़े लोगों को उकसा रहा है। पुलिस के अनुसार में योगेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। पुलिस को ऐसे कई डिजिटल और तकनीकी साक्ष्य मिले हैं जिनमें श्रमिकों को उकसाने के सबूत हैं। योगेश सोशल यह दावा पूरी तरह भ्रामक और साजिश का हिस्सा था। जांच के दौरान पुलिस ने कथित चालक अनिल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि अनिल का किसी पुलिस अधिकारी से संबंध नहीं है और न ही वह किसी अधिकारी का चालक है।

संदिग्ध हालात में डी फार्मा छात्र की मौत, पीएचसी में मिला शव, प्रेम प्रसंग के चलते हत्या का आरोप

फतेहगंज पूर्वी (बरेली)। बरेली के फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के गांव इटौरिया में शुक्रवार को संदिग्ध हालात में लालू नाम के डी फार्मा छात्र की मौत हो गई। उसका शव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) परिसर में मिला। मृतक के परिजनों ने प्रेम प्रसंग में हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। इधर, पोस्टमॉर्टम में हैंगिंग (लटकने) से मौत की पुष्टि हुई है। लालू तीन भाई-बहन में सबसे छोटा था। स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए लालू के पिता उमेश ने जमीन दान में दी थी। इस कारण लालू अक्सर स्वास्थ्य केंद्र में ही रुक जाता था। मृतक के चाचा मुकेश का कहना है उनके भतीजे को गांव के ही कुछ लोगों ने मारकर शव अस्पताल में फेंक दिया। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार रात 11 बजे तक लालू उनके साथ खेत पर फसल की रखवाली कर रहा था। उसके बाद वह लापता हो गया। उन्होंने समझा कि घर चला गया होगा। शुक्रवार सुबह जब लालू के ब? भाई वीरेंद्र का बेटा अस्पताल में गया तो वहां लालू का शव प?ा हुआ था। उसने घर आकर बताया तो परिजन अस्पताल से शव उठाकर लाए। लालू डी फार्मा द्वितीय वर्ष का छात्र था। मुकेश भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष हैं। सूचना मिलने पर एमएलसी महाराज सिंह ने भी गांव पहुंचकर मृतक के परिजनों से बात की। गांव में यह भी चर्चा है कि लालू का गांव की ही एक महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बृहस्पतिवार रात वह उसके घर गया था। वहां महिला के परिजनों ने लालू की पिटाई कर दी। सीओ फरीदपुर संदीप सिंह ने बताया कि मृतक के भाई वीरेंद्र ने आत्महत्या की सूचना पुलिस को दी थी। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही लग रहा है। जांच की जा रही है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट ने भी साक्ष्य जुटाए हैं।

NAME CHANGE
I, MOHAMMED ANIS S/O BABU BASHIR UDDIN R/O 2872 TO 2875 1ST FLR GALI SHANAR SITA RAM BAZAR DELHI-110006 have changed my name to MOHD ANIS for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Palak Sharma W/o Vinod Kumar Sharma R/o Flat No-105, Sector-8, Near Narmada Tower, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Sunita Sharma.

NAME CHANGE
I, KHUSI RAM S/o RAM VIR SINGH, R/o H No - 71, Block - F, Sector - 9 Vijay Nagar, Ghaziabad, PO - Vijay Nagar, DIST - GHAZIABAD, Uttar pradesh - 201009, have changed the name of my minor son BABY TWO, aged 8 years and he shall hereafter be known as MAYANK KUMAR.

NAME CHANGE
I, OM PRAKASH S/o MANGAT RAM R/o H NO-88/2, BABA KALE NUMBERDAAR MARKET, MEETHAPUR, DELHI-110044 have changed my name to OM PRAKASH AWANA for all future purposes.

NAME CHANGE
I TANYA D/O JITENDER KUMAR R/o H NO-1/777, G T ROAD, VILLAGE KHERA, SHAHDARA, DELHI 110095. have changed my name to TANYA BHARTI For all purposes.

NAME CHANGE
I, OWAIS AHMED S/o ATEEQ AHMAD R/O E-18, NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to MOHD OWAIS for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PRADEEP KUMAR S/O JAGDAMBA PRASAD R/o C-188-A, NEW USMANPUR, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as PRADEEP KUMAR TRIPATHI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, MUKESH KOHLI S/o KISHAN LAL R/o HOUSE NO-87/3, ZAMRUD PUR, GREATER KAILASH PART-1, DELHI-110048 have changed my name to MUKESH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ravinder Kumar S/O Balwan Singh 176/14 Meham Road Near Bajaj Agency Gohana, Sonipat Pin:131301 Haryana Delhi , Have Changed My Name To Ravinder For All The Future Purposes

NAME CHANGE
I, MOHAMMED ANIS S/O BABU BASHIR UDDIN R/O 2872 TO 2875 1ST FLR GALI SHANAR SITA RAM BAZAR DELHI-110006 have changed my name to MOHD ANIS for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Vandana, W/O Ajay Kumar, R/O B-93 A, Jawahar Park, Khanpur Road, Deoli, South Delhi- 110062 have changed my name to Vandana Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Palak Sharma W/o Vinod Kumar Sharma R/o Flat No-105, Sector-8, Near Narmada Tower, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Sunita Sharma.

NAME CHANGE
I, KHUSI RAM S/o RAM VIR SINGH, R/o H No - 71, Block - F, Sector - 9 Vijay Nagar, Ghaziabad, PO - Vijay Nagar, DIST - GHAZIABAD, Uttar pradesh - 201009, have changed the name of my minor son BABY TWO, aged 8 years and he shall hereafter be known as MAYANK KUMAR.

NAME CHANGE
I, MOHIT S/O PANKAJ ARORA R/O AB-55, 2ND FLOOR MAINWALI NAGAR JWALA PURI DELHI 110087, CHANGED MY NAME TO MOHIT ARORA.

NAME CHANGE
I, PANKAJ S/O HAR BHAGWAN R/O AB-55, 2ND FLOOR MAINWALI NAGAR JWALA PURI DELHI 110087, CHANGED MY NAME TO PANKAJ ARORA.

NAME CHANGE
I, REKHA W/O PANKAJ ARORA R/O AB-55, 2ND FLOOR MAINWALI NAGAR JWALA PURI DELHI 110087, CHANGED MY NAME TO REKHA ARORA.

NAME CHANGE
I, NISHANT S/O GANESH DUTT R/O 303-A POCKET J AND K MIG FLATS DILSHAD GARDEN EAST DELHI 110095, CHANGED MY NAME TO NISHANT DUTT.

NAME CHANGE
I, MOHD ALIM SIDDIQUI S/O MOHD ILTIJA R/O H.NO-65 GALI NO 3 PREM NAGAR 1 KHUBRAM PARK KIRARI SULEMAN NAGAR ROHINI DELHI 110086, CHANGED MY NAME TO MD ALIM SIDDIQUI.

NAME CHANGE
I, OM PRAKASH S/o MANGAT RAM R/o H NO-88/2, BABA KALE NUMBERDAAR MARKET, MEETHAPUR, DELHI-110044 have changed my name to OM PRAKASH AWANA for all future purposes.

NAME CHANGE
I TANYA D/O JITENDER KUMAR R/o H NO-1/777, G T ROAD, VILLAGE KHERA, SHAHDARA, DELHI 110095. have changed my name to TANYA BHARTI For all purposes.

NAME CHANGE
I, OWAIS AHMED S/o ATEEQ AHMAD R/O E-18, NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to MOHD OWAIS for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PRADEEP KUMAR S/O JAGDAMBA PRASAD R/o C-188-A, NEW USMANPUR, SEELAMPUR, DELHI-110053 have changed my name and shall hereafter be known as PRADEEP KUMAR TRIPATHI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, MUKESH KOHLI S/o KISHAN LAL R/o HOUSE NO-87/3, ZAMRUD PUR, GREATER KAILASH PART-1, DELHI-110048 have changed my name to MUKESH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ravinder Kumar S/O Balwan Singh 176/14 Meham Road Near Bajaj Agency Gohana, Sonipat Pin:131301 Haryana Delhi , Have Changed My Name To Ravinder For All The Future Purposes

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अदनान और श्रीमती बब्बो (पत्नी मोहम्मद शरीफ) ने शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक से संपत्ति के बदले ऋण (एलएपी) के लिए आवेदन किया है। उन्होंने सियाद संपत्ति, संपत्ति संख्या ए-166, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 503/36, गांव बाबरपुर, गली संख्या 4, कबीर नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110094 में गिरवी रखी है, जिसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं=

पूर्व दिशा= 15 फीट चौड़ी सड़क।

पश्चिम= दूसरों की संपत्ति।

उत्तर दिशा= दूसरों की संपत्ति।

दक्षिण= दूसरों की संपत्ति।

उक्त संपत्ति मूल रूप से श्रीमती बब्बो पत्नी मोहम्मद शरीफ के स्वामित्व में थी, जो एक उपहार विलेख (पत्नी से पति को) के माध्यम से थी, जो दिनांक 14.08.2026 को दस्तावेज़ संख्या 2026/23/I/6772 के रूप में पंजीकृत है, जिसे मोहम्मद शरीफ पुत्र श्री अब्दुल वाहिद द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, स्वामित्व, हित, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक या कोई अन्य आपत्ति रखने वाले व्यक्ति से अनुरोध है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित रूप में सहायक दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरी को या शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, नोएडा शाखा को सूचित करें। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि संपत्ति का स्वामित्व स्पष्ट और बिक्री योग्य है, और बैंक ऋण प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा।

संपर्क कर सकते हैं -
पीएसआर लॉ फर्म
कार्यालय-आरटीबी-162, रॉयल टॉवर, इंदिरापुरम, गाजियाबाद - 201014.
फ़ोन - 9871618022

PUBLIC NOTICE

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN / DECLARATIONI, Chaman Ara, wife of Hashim Ali, resident of E-670, Gali No. 1, Babarpur, Shahdara, Delhi - 110032, do hereby solemnly affirm and state as follows:That in January 2023, my husband (also known as Hashim Ali) secured a loan against my residential property. He subsequently misappropriated the entire loan amount by spending it on a woman named Mumtaz, with whom he entered into a live-in relationship. That upon my objection to his aforesaid actions, my husband launched a life-threatening assault against me on 05/10/2024. I narrowly escaped the said attack and survived. That following the incident, my husband pronounced Triple Talaq upon me and abandoned me to cohabit permanently with the aforementioned woman. That as of date, I have severed all ties and have absolutely no matrimonial, personal, or financial relationship with the said individual. That if the said individual commits any illegal act, misdeed, or causes any harm/wrongdoing in the future, he shall be solely and exclusively held liable and responsible for the consequences thereof. Neither I nor any member of my family (my sons and my daughters) shall bear any liability or connection to his actions. Deponent / Applicant :

(Chaman Ara)
Address: E-670, Gali No. 1, Babarpur, Shahdara, Delhi - 110032
Contact Number: +91-8377908237

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client 1. Mrs. Priyanka Sabharwal & 2. Mrs. Renu Aggarwal are the owner and in possession of a Freehold Residential Plot No. 08, area measuring 50 Sq. Yard., i.e., 41.8 Sq. Mtrs, out of Khasra No. 328, Situated at Baba Khand-I, at Village Vaidpura, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 27.04.2026 duly registered as Document No. 21288, in Book No. 1, Volume No. 34796, on pages 167-186, on 27.04.2026, with the Sub-Registrar Office of Dadri Gautam Budh Nagar., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 30.11.2017 executed by Mr. Subodh Kumar in favour of Mr. Laxman Sah Vide Doc No. 17467, Book No. 1, Vol No. 11149, Page No. 251-268, SR- Dadri, & Original Sale Deed dated 31.07.2020 executed by Mr. Laxman Sah in favour of Mr. Avinash Yadav Vide Doc No. 9333, Book No. 1, Vol No. 15129, Page No. 263-278, at SR- Dadri., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property is presently financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd.., Branch: Shahdara, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Smt. Vandana Wife of Sh. Santosh Kumar has agreed to create mortgage the described property in favour of My client AADHAR HOUSING FINANCE LIMITED, DELHI LAXMI NAGAR BRANCH, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely Sh. Ajay Kumar Jain Son of Sh. Nemchandra Jian have agreed to sell his property "Upper Ground Floor, Without Roof Rights, Area Measuring 50 Sq. Yds., Out of Khasra No. 443 Now Known as 849/443, Bearing Part of Property Bearing No. K-82/1, Situated at Village Ghonda Gujran Khadar in the Abadi of Gali No. 26, K-Block, Gangotri Vihar, West Ghonda, Illaqa Shahdara, Delhi" Hence any other co-sharer(s)/or any other legal heir(s) or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how /who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated: 05.09.2026 Advocate Ghanshyam Singh,
Place: Delhi Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती प्रिया कुमारी, प्लॉट संख्या 123/1, क्षेत्रफल 105 वर्ग गज अर्थात 87.79 वर्ग मीटर, जो खसरा संख्या 542 में से है, तथा आवासीय कॉलोनी आनंद इंडस्ट्रियल एस्टेट, हदबस्त ग्राम अर्थला, जनपद गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति श्री नवनीत सिंह द्वारा श्रीमती प्रिया कुमारी के पक्ष में निष्पादित दिनांक 25.08.2026 की पंजीकृत दान विलेख (Gift Deed) के माध्यम से प्राप्त हुई है। उक्त दान विलेख दस्तावेज संख्या 11872, बही संख्या I, जिल्द संख्या 24058, पृष्ठ संख्या 139 से 162 के रूप में उप-पंजीयक कार्यालय, गाजियाबाद-II में पंजीकृत है। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार, प्रारंभ में श्रीमती लीला खसरा संख्या 542 में स्थित संपूर्ण प्लॉट के भाग की स्वामिनी थीं, जिसका उल्लेख खतौनी फसली वर्ष 1423-1428 एवं 1429-1434 में है तत्पश्चात, श्रीमती लीला द्वारा दिनांक 05.06.2014 को श्री नवनीत सिंह के पक्ष में सामान्य मुख्तारनामा (General Power of Attorney) निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 32845, बही संख्या IV के रूप में पंजीकृत है। उक्त सामान्य मुख्तारनामे के साथ विक्रय अनुबंध (Agreement to Sell/ATS) एवं वसीयतनामा (Will) भी निष्पादित किए गए थे। इसके पश्चात, दिनांक 25.08.2026 को श्री नवनीत सिंह द्वारा श्रीमती प्रिया कुमारी के पक्ष में दान विलेख (Gift Deed) निष्पादित किया गया। उक्त दान विलेख के आधार पर श्रीमती प्रिया कुमारी ने उपर्युक्त संपत्ति पर वैध एवं हस्तांतरणीय स्वत्व (Valid Title) प्राप्त किया है तथा वर्तमान में उक्त संपत्ति पर उनका शांतिपूर्ण एवं भौतिक कब्जा है। मेरे समक्ष परीक्षण हेतु प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों तथा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, बंधक, ग्रहणाधिकार, प्रभार, कुर्की, अधिग्रहण, वाद-विवाद/मुकदमेबाजी तथा किसी भी तृतीय पक्ष के दावे से मुक्त प्रतीत होती है। अत: उपलब्ध दस्तावेजों एवं अभिलेखों के परीक्षण के आधार पर, श्रीमती प्रिया कुमारी का उक्त संपत्ति पर वैध एवं स्पष्ट स्वत्व प्रतीत होता है तथा संपत्ति पर किसी प्रकार का ज्ञात भार अथवा तृतीय पक्ष का दावा प्रतीत नहीं होता है। उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद/वित्तपोषण RBL Bank Limited, जिसका पता,स्र 19, 20, 21, FF, Aditya Mall, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh – 201012 है, द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, ह्यस्रह्यनिर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल=
kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **इमरान पुत्रः खलील पताः अमन गार्डन अमन की कोठी वाली गली अशोक विहार लोनी गाजियाबाद यूपी** ने **FIR No. 26423/2024 थानाः नंद नगरी, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **इमरान** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 26423/2024 थानाः नंद नगरी, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **इमरान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अभय चौधरी
जेएमएफसी–09, कमरा नंबर 20
कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली

DP/12437/NE/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सिरतार संस्थान को राज्य का रोल मॉडल बनाया जाए- कृष्ण बेदी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सिरतार संस्थान को राज्य का रोल मॉडल बनाएं ताकि उन बच्चों को पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी बनाकर उनके अभिभावकों को भी चिंतामुक्त किया जा सके। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी वीरवार को राज्य पुनर्वास प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान रोहतक की गर्वनिंग बोडी की 8वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. जी अनुपमा, आयुक्त रोहतक मण्डल मोनिका मलिक, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव एवं निदेशक अजय कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुसार संस्थान के लिए पांच नए कोर्स की भी स्वीकृति प्रदान की। इनमें बुनियादी ब्रेल साक्षरता और भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम, माता पिता और देखभालकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम, शीघ्र पहचान एवं हस्तक्षेप व सहायता प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्यवहार संषोधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम, बेसिक इंडियन साइन लैंग्वेज प्रोग्राम में ओरिएंटेशन कार्यक्रम शामिल है।

स्क्रेपिंग नीति को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव ने की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर हरियाणा में वाहन स्क्रेपिंग नीति यानी परिवर्तन योजना को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ बैठक कर योजना की प्रगति की जानकारी ली। इस बैठक में महेंद्रगढ़ जिले की ओर से उपायुक्त अनुपमा अंजली मौजूद रहीं। इस समीक्षा बैठक के बाद उपायुक्त ने बताया कि जिला में वाहन मालिकों, स्कूल संचालकों और ट्रक यूनियन के साथ बैठक कर इस योजना की जानकारी दी गई है। इस पर अब तेजी से कार्य होगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने यह स्क्रेपिंग नीति पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को बदलने के लिए शुरू की है। इसके तहत बीएस-वन से बीएस-फोर श्रेणी के पुराने ट्रकों-बसों की जगह बीएस-सिक्स या इलेक्ट्रिक वाहन लगवाने पर वाहन मालिकों को कई सुविधाएं दी जा रही हैं।

सरकारी कामकाज को और सरल बनाने के मकसद से मनाया जाएगा रिफॉर्म उत्सव

नारनौल। आम नागरिकों को शासन-प्रशासन से जुड़ी प्रक्रियाओं में कोई भी परेशानी ना हो और उनकी सुविधा के अनुसार सरकारी कामकाज को सरल बनाने के मकसद से सरकार रिफॉर्म उत्सव मनाएगी। इसी कड़ी में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने प्रदेश के सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। जिला महेंद्रगढ़ की ओर से उपायुक्त अनुपमा अंजली मौजूद रहीं। बैठक के बाद इस रिफॉर्म उत्सव के बारे में जानकारी देते हुए उपायुक्त ने बताया कि इससे आम आदमी की आवाज सीधे नीति-निर्धारकों तक पहुंचेगी और उसका फायदा हर नागरिक तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार इस पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में जिला प्रशासन योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई रिफॉर्म उत्सव पहल का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों से मिलने वाले सुझावों के आधार पर सरकारी कामकाज में जरूरी बदलाव लाना है। इस पहल के तहत आम जनता से सुझाव लिए जाएंगे, उन्हें छांटा जाएगा और उपयोगी सुझावों को व्यवस्था में लागू किया जाएगा।

निराश्रित बच्चों को 23 सौ की वित्तीय सहायताः उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा

करनाल। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से अनेक जन-कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में निराश्रित बच्चों के लिए 23 सौ रुपये महीना की सहायता प्रदान की जा रही है। पात्र बच्चे योजना का लाभ उठा सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का जो बच्चा माता-पिता की मृत्यु या पिता के घर से पिछ्ले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता की लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण सहायता अथवा देखभाल से वंचित है, वे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा दी जा रही 23 सौ रुपये महीना की वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने में जुटी सरकार : आरती सिंह राव

गीता ज्ञान से ही साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली से निकला गीता का संदेश आज भी देश को दिशा देने का काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए श्रीकृष्ण द्वारा दी गई गीता की शिक्षाओं को आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार हर वर्ष बड़े स्तर पर गीता महोत्सव का आयोजन कर रही है, ताकि प्रदेश की युवा पीढ़ी को गीता के अमर संदेश से जोड़ा जा सके। स्वास्थ्य मंत्री यादव कल्याण सभा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रही थीं। स्वास्थ्य मंत्री ने 21 लाख रुपए यादव धर्मशाला को देने की घोषणा की। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य मंत्री का पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ भव्य स्वागत किया। जन्माष्टमी की बधाई देते हुए अपने संबोधन

में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य के ढांचे को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभाग में खाली पड़े पदों को चरणबद्ध तरीके से भरने का कार्य निरंतर जारी है, ताकि आमजन को बेहतर और सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन और गीता का उपदेश केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भाव की प्रेरणा है, जो हर नागरिक को अपने दायित्वों के प्रति सजग बनाता है। नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, धर्म, कर्म और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के माध्यम से मानवता को कर्म करते रहने और फल की चिंता न करने का संदेश दिया। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए समाज में प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और शांति को बढ़ावा देना चाहिए।

इस अवसर पर पूर्व विधायक बहादुर सिंह, मोहित चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, यादव सभा के महासचिव सूबेदार कंवर सिंह, कोषाध्यक्ष मास्टर जय सिंह, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश एडवोकेट सहित यादव सभा के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

विकास कार्यों का सिलसिला निरंतर रहेगा जारी- कृषि मंत्री

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा कुंजल, अकबरपुर, टोपरा कलां, सागड़ी, अंटावा, रामगढ हिरण छप्पर, गांवों में पहुंचकर गांव वासियों से की शिष्टाचार मुलाकात।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा कुंजल, अकबरपुर, टोपरा कलां, सागड़ी, अंटावा, रामगढ हिरण छप्पर, गांवों में पहुंचकर गांव वासियों से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की और सभी की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना और साथ ही, हरियाणा सरकार द्वारा क्षेत्र में करवाए जा रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर भी ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और विकास कार्यों को गति देने तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करना ही मेरी प्राथमिकता है। कृषि मंत्री ने कहा कि धान की फसल का सीजन शुरू हो चुका है। इसलिए किसान अपनी धान की फसल को अच्छी तरह से सुखाकर ही मंडी में लाएं ताकि उन्हें अपनी धान की फसल को बेचने में किसी प्रकार

की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि जिस राजनैतिक दल की सोच अच्छी होगी, वहां विकास कार्य भी अच्छे होगें। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की सोच थी कि जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। इसी सोच के साथ केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने अपने शासनकाल में देश व प्रदेश में असंख्य विकास कार्य किए गए हैं, इसके साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होने के साथ ही अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं एवं नीतियां बनाई गई है। जिनका लाभ प्रत्येक समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार की सभी नीतियों एवं योजनाओं का लाभ हर वर्ग के अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचे, ऐसी सोच रखने वाले भाजपा के निर्माता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितम्बर 2026 को अनाज मंडी रादौर में सुबह की सैर के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म गरीब ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह पढ़ने लिखने में बहुत ही होशियार थे, उनके अंदर देश सेवा का जज्बा भरा हुआ था, उनका मकसद अंत्योदय की भावना से हर योजना का लाभ गरीब व्यक्ति तक पहुंचाना था। इस प्रकार केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार अंत्योदय की नीति पर चलते हुए प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं।

जन शिकायतों का पारदर्शी व शीघ्र निस्तारण के लिए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर- डीसी

एजेंसी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जन शिकायतों को और अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार व गुरूवार को समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है, जिसमें आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत का शीघ्र निस्तारण किया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में जन शिकायतें सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जन शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में गांव पाड़ला में घरों के सामने लोगों द्वारा कूड़ा व गंदगी फैलाने की शिकायत पर डीसी ने बीडीपीओ खोल को कूड़ा व गन्दगी हटवाने के निर्देश दिए। साथ ही कूड़ा डालने वालों की निगरानी करवाते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। रेवाड़ी शहर के भक्ति नगर डालियावास में घरों और बरसात के पानी की निकासी न होने की शिकायत पर डीसी ने बीडीपीओ रेवाड़ी को पानी की निकासी का उचित समाधान करने के

निर्देश दिए। गांव माजरा मुश्तिल भाकली में खेतों के रास्ते पर अवैध कब्जे की शिकायत पर डीसी ने बीडीपीओ खोल को जांच करके कब्जा हटवाने के निर्देश दिए । इस अवसर पर एसपी हमेंद्र मीणा, एसडीएम दलबीर सिंह, डीएसपी पवन कुमार व विभिन्न विभागों अधिकारी मौजूद रहे।

पात्र लाभार्थियों के ऋण आवेदनों का समयबद्ध निपटारा किया जाए सुनिश्चित- एडीसी

एजेंसी

रेवाड़ी। एडीसी राहुल मोदी की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला परामर्शदात्री समिति की वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में विभिन्न बैंकों द्वारा संचालित ऋण योजनाओं, सरकारी प्रायोजित योजनाओं तथा प्राथमिकता क्षेत्र से संबंधित बैंकिंग गतिविधियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

पात्र लाभार्थियों के ऋण आवेदनों का समयबद्ध निपटारा किया जाए सुनिश्चित- एडीसी

एडीसी राहुल मोदी ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों के ऋण आवेदनों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जाए तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि बैंकिंग संस्थान विभिन्न विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए स्वरोजगार, कृषि, लघु एवं सूक्ष्म उद्योग तथा अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को ऋण उपलब्ध करवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने लंबित ऋण आवेदनों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत ऋण वितरण, ऋण-जमा अनुपात, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण तथा अन्य बैंकिंग योजनाओं की तिमाही प्रगति पर चर्चा की गई। संबंधित विभागों एवं बैंकों के अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति से समिति को अवगत कराया। एडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए बैंक एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

शनिवार-रविवार को भी दावे व आपत्तियां प्राप्त करेंगे बीएलओ : जिला निर्वाचन अधिकारी

12 व 13 तथा 26 व 27 सितंबर को सभी मतदान केंद्रों पर सुबह 9 से शाम 5 बजे तक बैठेंगे बीएलओ

एजेंसी

पलवल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत पात्र नागरिकों से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए शनिवार 12 सितंबर व रविवार 13 सितंबर तथा शनिवार 26 सितंबर व रविवार 27 सितंबर को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। इन तिथियों को शनिवार एवं रविवार होने के बावजूद सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहेंगे और पात्र नागरिकों से मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने तथा मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रकार के दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। विशेष अभियान दिवसों पर बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने के लिए निर्धारित प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे तथा मतदाता सूची में नाम, विवरण अथवा अन्य प्रविष्टियों से संबंधित दावे एवं आपत्तियां दर्ज करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिला के नागरिकों एवं मतदाताओं से अपील की कि वे निर्धारित तिथियों शनिवार 12 सितंबर व रविवार 13 सितंबर तथा शनिवार 26 सितंबर व रविवार 27 सितंबर को अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची का अवलोकन करें और यदि नाम दर्ज कराने, नाम अथवा विवरण में संशोधन या किसी अन्य प्रविष्टि से संबंधित कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो उसे बीएलओ के समक्ष प्रस्तुत करें।

जनभागीदारी के साथ जिला में चलेगा 'रिफॉर्म उत्सव' : डीसी

डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों की बैठक में रिफॉर्म उत्सव' को लेकर दिए जरूरी निर्देश

एजेंसी

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि भारत सरकार की 'रिफॉर्म उत्सव' पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिलाभर में शैड्यूल के अनुरूप गतिविधियों को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'रिफॉर्म उत्सव' का उद्देश्य नागरिकों से प्राप्त सुझावों के माध्यम से शासन-व्यवस्था में ऐसे सुधार करना है, जिनका व्यापक जनहित में सकारात्मक प्रभाव पड़े। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के निर्देश दिए।डीसी वर्षा खांगवाल मुख्य सचिव हरियाणा श्री अनुराग रस्तोगी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपरांत अधिकारियों की बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने विभागवार जिम्मेदारियों, जनजागरूकता गतिविधियों, नागरिकों से सुझाव प्राप्त करने की प्रक्रिया तथा

निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीसी ने कहा कि 'रिफॉर्म उत्सव' केवल सुझाव एकत्रित करने का अभियान नहीं है, बल्कि नागरिकों की समस्याओं और सुझावों के आधार पर सरकारी सेवाओं एवं प्रक्रियाओं में व्यावहारिक सुधार करने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जमीनी स्तर से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से लेते हुए उनका उचित वर्गीकरण किया जाए तथा त्वरित लाभ वाले सुधारों और मध्यम अवधि के सुधारों के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की जाए। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि अभियान के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए 11 सितंबर से व्यापक जागरूकता गतिविधियां शुरू की जाएं। इसके बाद 2 से 31 अक्टूबर तक गहन जनसंपर्क अभियान चलाते हुए नागरिकों को 'रिफार्म उत्सव' पोर्टल के माध्यम से अपने सुझाव देने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को पोर्टल पर सुझाव दर्ज करने में सहायता देने के लिए आवश्यक सहायता डेस्क भी प्रभावी रूप से संचालित किए जाएं। डीसी ने विकास एवं पंचायत विभाग को निर्देश दिए कि 2 अक्टूबर 2026 को प्रत्येक पंचायत में जनमंथन सभा आयोजित की जाए, जिसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित हो। ग्राम सभाओं तथा पंचायत बैठकों में भी 'सुधार उत्सव' को विशेष एजेंडा के रूप में शामिल किया जाए। शहरी क्षेत्रों में वार्ड सभाओं एवं नागरिक परामर्श के माध्यम से लोगों से सुधार संबंधी सुझाव प्राप्त करने के निर्देश दिए। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 10 अक्टूबर से 30 नवंबर तक विभागीय स्तर पर सुझावों पर विचार-विमर्श किया जाए।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनकल्याणकारी शासन को मिल रही सर्वोच्च प्राथमिकता : डा. राज नेहरु

ओएसडी टू सीएम डा. राज नेहरू ने सीएम विंडो प्रबुद्धजनों व शिकायत समिति सदस्यों के साथ की अहम बैठक

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार की पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनकल्याणकारी शासन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सीएम विंडो जनसंवाद शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से आमजन की समस्याओं का और अधिक त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बृहस्पतिवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी डा. राज नेहरू ने की। इस अवसर पर उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर, अतिरिक्त उपायुक्त उत्सव आनंद, सीईओ जिला परिषद जितेंद्र कुमार तथा नगराधीश प्रीति रावत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीएम विंडो एवं जनसंवाद शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान सीएम विंडो जनसंवाद से जुड़े प्रबुद्धजनों एवं जिला शिकायत

समिति के सदस्यों ने जनसमस्याओं के प्रभावी निस्तारण को लेकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। ओएसडी डा. राज नेहरू ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों, शिकायत समिति के सदस्यों और जिला प्रशासन के बीच निरंतर संवाद एवं बेहतर समन्वय से आमजन की समस्याओं का समाधान और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में केवल समयबद्धता ही नहीं, बल्कि समाधान की गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार सुशासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। ओएसडी डा. राज नेहरू ने कहा कि सीएम विंडो केवल शिकायत दर्ज कराने का माध्यम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच सीधे संवाद का एक प्रभावी सेतु है। उन्होंने प्रबुद्धजनों एवं जिला शिकायत समिति के सदस्यों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं को जिला प्रशासन के संज्ञान में लाने के साथ-साथ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी और प्रशासनिक संवेदनशीलता के बेहतर तालमेल से सुशासन की अवधारणा को और मजबूत किया जा सकता है। सरकार का स्पष्ट उद्देश्य है कि प्रशासनिक व्यवस्था आमजन के प्रति संवेदनशील बने और प्रदेश में संचालित विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे।

ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन का कार्यक्रम निर्धारित : एसडीएम हरिराम

एजेंसी

हथीन। जिला प्रशासन की ओर से सरकार के निर्देशानुसार उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन में जिला पलवल के खंड हथीन की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन के लिए कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। एसडीएम हथीन हरिराम ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि हथीन खंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 7 सितंबर से 1 अक्टूबर तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इन विशेष ग्राम सभाओं के माध्यम से परिवार पहचान पत्र से संबंधित विभिन्न प्रकार की वेरिफिकेशन का कार्य पंचायत स्तर पर किया जाएगा, ताकि पात्र परिवारों का सही डाटा अपडेट हो सके और कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे। एसडीएम हथीन हरिराम ने ने बताया कि विशेष ग्राम सभाओं में परिवार पहचान पत्र वेरिफिकेशन के तहत अंत्योदय अन्न योजना परिवारों की वेरिफिकेशन, 1.80 लाख रुपए से कम सालाना कमाई वाले परिवारों की वेरिफिकेशन तथा फैमिली आईडी में परिवार के सदस्यों के व्यवसाय की वेरिफिकेशन अलग-अलग रूप से की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कार्य अति आवश्यक है और सभी वेरिफिकेशन एवं डाटा अपडेट करने का काम निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे ग्रामीणों को घर बैठे सुविधा का लाभ मिलेगा और उन्हें सरकारी दफ्तरों तक भागदौड़ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिला प्रशासन द्वारा विशेष ग्राम सभाओं के आयोजन का ग्राम पंचायतवार कार्यक्रम जारी किया गया है।

केन्या में टाटा केमिकल्स को परिचालन बंद करने का आदेश

नैरोबी ।

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो द्वारा टाटा केमिकल्स को देश में अपना परिचालन बंद करने का आदेश दिए जाने के बाद शुक्रवार को कंपनी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। टाटा केमिकल्स ने कहा कि उसने पूर्वी अफ्रीकी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वह लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी की अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड अफ्रीका की सबसे बड़ी सोडा ऐश विनिर्माता है। राष्ट्रपति रूटो ने हाल ही में कथित तौर पर कहा था कि कंपनी से केन्याई नागरिकों को कोई लाभ नहीं हुआ है। इसके जवाब में टाटा केमिकल्स ने जोर देकर कहा कि 2005 में मगाडी संयंत्र के अधिग्रहण के बाद से उसने केन्या की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दिया है और यह उसके कारोबार का अभिन्न अंग बना हुआ है। कंपनी ने बताया कि उसकी अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड (टीसीएमएल) ने खनन परिचालन से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी और दस्तावेज खनन मंत्रालय को सौंप दिए हैं। टीसीएमएल ने मंत्रालय द्वारा उठाए गए सवालों के विस्तृत जवाब दिए हैं और अब सरकार के अगले निर्देशों का इंतजार कर रही है। टाटा केमिकल्स ने स्पष्ट किया कि वह केन्या सरकार के अधिकार का सम्मान करती है और लंबित मुद्दों को उचित कानूनी एवं नियामकीय माध्यमों से सुलझाने के लिए रचनात्मक बातचीत जारी रखने को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों, मगाडी समुदाय और केन्या में अन्य हितधारकों के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।

जन्माष्टमी पर सोने की चमक फिर लौटी, वैश्विक कारकों से कीमतें बढ़ीं

तीन दिन की गिरावट के बाद 24 कैरेट सोना 3,340 तक महंगा, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली ।

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को सोने की कीमतों में बड़ी हलचल देखने को मिली। लगातार तीन दिनों की गिरावट का सिलसिला थम गया है और कीमती धातुओं ने फिर से चमक पकड़ ली है। पिछले दो दिनों में 24 कैरेट सोने के दाम 3,340 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ गए हैं, जिससे निवेशकों और खरीदारों दोनों को प्रभावित किया है। देश के ज्यादातर शहरों में 24 कैरेट और 22 कैरेट सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना अब 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि मुंबई में यह 1,55,360 रुपये पर बिक रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,443.93 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले सोने की कीमतों में तीन दिनों तक लगातार गिरावट देखी गई थी, जिसमें 24 कैरेट सोना कुल 6,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ था। हालांकि, अब कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक परिस्थितियों के चलते कीमती धातुओं में फिर से तेजी लौटती दिख रही है। सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी उछाल आया है। शुक्रवार को चांदी 100 रुपये बढ़कर 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। घरेलू बाजार में सोने-चांदी की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार, कच्चे तेल, डॉलर और वैश्विक घटनाक्रम जैसे कई कारकों से प्रभावित होती हैं।

जी20 में आदतें बदलें, कार्बन घटाएं

नई दिल्ली । एक नए अध्ययन से पता चला है कि जी20 देशों में व्यवहारिक बदलाव यात्री परिवहन से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को नाटकीय रूप से कम कर सकते हैं। कारपूलिंग, बसों का अधिक इस्तेमाल और घर से काम करने जैसी आदतें अपनाकर, ये देश सालाना 53.8 लाख टन तक सीओ2 कम कर सकते हैं और 2050 तक तेल के खर्च में 90 अरब डॉलर बचा सकते हैं।यह बदलाव प्रति वर्ष 40.8 से 53.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटा सकता है। भारत के मिशन लाइफ पर आधारित यह अध्ययन सीओपी26 में स्थायी आदतों को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च किया गया था।

आरबीआई स्वैप सुविधा ने तोड़े रिकॉर्ड, आया 136 अरब डॉलर का बंपर निवेश!

एफसीएनआर(बी) ने उम्मीद से ज्यादा जुटाए 127 अरब डॉलर, समयसीमा से एक महीने पहले हुई बंद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती स्वैप सुविधा ने अपनी (एफसीएनआर(बी)जमा विंडो के बंद होने तक ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। 31 अगस्त की समयसीमा तक कुल 136.4 अरब डॉलर का भारी-भरकम निवेश आकर्षित किया गया, जिसमें से विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा (एफसीएनआर(बी) ने अकेले अनुमान से कहीं अधिक 127.2 अरब डॉलर जुटाए। यह उपलब्धि वैश्विक वित्तीय तंत्र के भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है, लेकिन अब केंद्रीय बैंक के सामने बैंकिंग प्रणाली में जमा हुई भारी तरलता (लिक्विडिटी) के कुशल प्रबंधन की नई चुनौती खड़ी हो गई है। एफसीएनआर(बी) का अप्रत्याशित उछाल और वैश्विक भरोसा 8 जून को शुरू हुई इस रियायती स्वैप सुविधा में एफसीएनआर(बी) जमा ने सबसे अधिक चौंकाने वाली वृद्धि दर्ज की। 21 अगस्त तक 65.4 अरब के निवेश के मुकाबले, 31 अगस्त को विंडो बंद होने तक यह आंकड़ा बढ़कर 127.2 अरब डॉलर हो गया। योजना को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते, जो मूल रूप से 30 सितंबर तक निर्धारित थी, उसे एक महीने पहले ही बंद कर दिया गया। एक बड़े बैंक के सीईओ ने कहा कि एफसीएनआर(बी) जमा उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा, जो वैश्विक वित्तीय तंत्र का भारत पर भरोसा दिखाता है। ज्यादातर जमाएं 5 साल की अधिकतम परिपक्वता अवधि के लिए आई हैं। अन्य सुविधाओं का योगदान और फंड का उपयोग कुल निवेश में बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 3.9 अरब डॉलर और ओवरसीज विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) के जरिये 5.3 अरब डॉलर जुटाए गए, जिनकी सुविधा 31 दिसंबर, 2026 तक जारी रहेगी। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने स्वैप योजना के जरिये 17.9 अरब डॉलर की एफसीएनआर(बी) जमा जुटाई, जबकि भारतीय स्टेट बैंक ने 10 अरब डॉलर का अपना लक्ष्य पार कर लिया। इन जमाओं का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा गिफ्ट सिटी में आईएफएससी बैंकिंग यूनिट (आईबीयू) के जरिये ऋण आवंटित करने में किया गया, जहां 54.02 अरब डॉलर मंजूर किए गए थे, जिसके मुकाबले 52.8 अरब डॉलर आवंटित किए गए। अप्रैल से अगस्त के दौरान आईबीयू ने 11.62 अरब डॉलर का ईसीबी आवंटित किया और भारतीय बैंकों ने आईएफएससी एक्सचेंजों में बॉन्ड जारी करके 11.12 अरब डॉलर जुटाए। आरबीआई के लिए तरलता प्रबंधन की चुनौती हालांकि एफसीएनआर(बी) जमा योजना की यह शानदार सफलता भारत के लिए अच्छी खबर है, लेकिन इसके जरिये जमा हुई भारी रकम ने केंद्रीय बैंक के सामने तरलता प्रबंधन की गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। बैंकिंग तंत्र में 15 अगस्त तक कोर लिक्विडिटी 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा थी और सितंबर में यह आंकड़ा 10 लाख करोड़ रुपये से भी पार जाने का अनुमान है।

वोक्सवेगन दशक के अंत तक 1 लाख कर्मचारियों की छंटनी करेगा

वैश्विक चुनौतियों और बढ़ती लागत के दबाव में कंपनी, जर्मन प्लांट्स के भविष्य पर भी चिंता

मुंबई ।

दुनिया की प्रमुख ऑटो कंपनियों में से एक वोक्सवेगन ने एक बड़े और ऐतिहासिक पुनर्गठन की घोषणा की है, जिसके तहत कंपनी दशक के अंत तक वैश्विक स्तर पर करीब 1 लाख नौकरियों में कटौती करने की योजना बना रही है। यह फैसला बदलती बाजार परिस्थितियों, अमेरिका के टैरिफ, इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उतार-चढ़ाव और चीन में बढ़ती प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए लिया गया है। यह कदम वोक्सवेगन के इतिहास के सबसे बड़े संगठनात्मक बदलावों में से एक माना जा रहा है। कंपनी के वैश्विक वर्कफोर्स के लगभग 15 फीसदी के बराबर इन छंटनियों में से करीब 50,000 नौकरियों की कटौती पहले ही तय की जा चुकी है, जबकि शेष 50,000 और पदों को कम करने की योजना है। वोक्सवेगन खर्चों में कमी और अपने परिचालन को अधिक कुशल बनाने पर केंद्रित है। चीन, जो दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो बाजार है, वहां स्थानीय इलेक्ट्रिक कार निर्माताओं से वोक्सवेगन को कड़ी चुनौती मिल रही है, जिससे कंपनी के मुनाफे पर दबाव बढ़ा है। इस व्यापक पुनर्गठन के बीच जर्मनी स्थित वोक्सवेगन के चार महत्वपूर्ण प्लांट - हैनोवर, एम्डेन, ज्विकाउ और नेकार्सुल्म - के भविष्य को लेकर भी चिंताएं उभरी हैं। हालांकि, कंपनी और प्रमुख यूनियन ने साफ किया है कि फिलहाल किसी भी प्लांट को बंद करने की कोई मंजूरी नहीं दी गई है। यह स्थिति वैश्विक ऑटो उद्योग में चल रहे बड़े बदलावों और परंपरागत वाहन निर्माताओं पर बढ़ते दबाव को दर्शाती है।

मणिपाल पेमेंट का आईपीओ नौ सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने शुक्रवार को अपने 805 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 322-339 रुपये का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी का आईपीओ नौ सितंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 11 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक आठ सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ में 320 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रवर्तक मणिपाल टेक्नोलॉजीज 1.43 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेगी, जिसका मूल्य 485 करोड़ रुपये तक है। नए शेयर जारी करने से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी मणिपाल, चेन्नई, नवी मुंबई और छत्तीसगढ़ आरटीओ स्थित अपनी इकाइयों में नए और पुराने उपकरण खरीदने तथा उन्हें स्थापित करने में करेगी। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने का प्रस्ताव है।

वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार में लौटी रौनक

सेंसेक्स 490 अंक उछला; निफ्टी 23,900 के पार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को गिरावट का सिलसिला खत्म करते हुए तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स करीब 490 अंक चढ़ा, वहीं निफ्टी भी 23,900 के ऊपर बना रहा। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और आईटी शेयरों की जोरदार खरीदारी ने बाजार को बल दिया। शुक्रवार सुबह के शुरुआती सौदों में, बेंचमार्क सेंसेक्स लगभग 490 अंक चढ़कर 76,643.58 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स ने 76,657.02 पर अपनी यात्रा शुरू की, जो इसके पिछले बंद स्तर 76,152.86 से काफी ऊपर था। कारोबार के दौरान इसने 76,746.80 का ऊपरी स्तर भी छुआ। इसी तरह, निफ्टी 50 ने भी हरे निशान में कारोबार किया, जो 23,910.90 पर खुला और जल्द ही 23,949.85 तक पहुंच गया। सुबह 9ः16 बजे तक, निफ्टी 23,900 से ऊपर बना हुआ था, लगभग 0.2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज कर रहा था। बाजार में आई इस तेजी में आईटी शेयरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निफ्टी आईटी इंडेक्स लगभग 1.34 प्रतिशत चढ़ा, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में भी 0.43 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। दूसरी ओर, ऑटो, एफएमसीजी और निफ्टी मिडकैप 100 में हल्की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों में बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक और अल्ट्राटेक सीमेंट सर्वाधिक लाभ में रहे। मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाइटन जैसे शेयरों ने भी एक प्रतिशत से अधिक की तेजी दिखाई। कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, अडाणी पोर्ट्स, एसबीआई और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सहित कई अन्य शेयर भी हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बाजार की इस मजबूत शुरुआत के पीछे वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत प्रमुख कारण रहे। गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली थी, जिसमें डाउ जोंस 1.18 फीसदी, एसएंडपी 500 लगभग 1.06 फीसदी और नैस्डैक 1.4 फीसदी चढ़कर बंद हुए थे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वॉलर द्वारा ब्याज दरों में कटौती के नरम संकेतों ने भी निवेशकों की धारणा को मजबूती दी। एशियाई बाजारों में भी सुबह तेजी का रुख दिखा। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अभी भी बाजार के लिए जोखिम बनी हुई हैं, जिस पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

रिफर्बिश्ड मेडिकल डिवाइस आयात, दिशानिर्देशों का इंतजार

एक साल बाद भी अंतर-मंत्रालयी समिति की चर्चा जारी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा रिफर्बिश्ड मेडिकल डिवाइस के आयात को नियंत्रित करने के लिए गठित अंतर-मंत्रालयी समिति एक साल बाद भी विस्तृत दिशानिर्देश जारी नहीं कर पाई है। इससे लगभग 150 करोड़ रुपये के बढ़ते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है और मरीजों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। भारत में, विशेषकर छोटे शहरों के अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर, कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) और मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैनर जैसी महंगी मशीनों की लागत कम करने के लिए इन उपकरणों पर निर्भर करते हैं। 1500 करोड़ रुपये के कुल चिकित्सा उपकरण बाजार में रिफर्बिश्ड डिवाइस की हिस्सेदारी 10 फीसदी (लगभग 150 करोड़ रुपये) है। घरेलू विनिर्माताओं को आशंका है कि बिना पर्याप्त सुरक्षा उपायों के आसान आयात से मरीज असुरक्षित उपकरणों के संपर्क में आ सकते हैं और भारत पुरानी मशीनों का कबाड़घर बन सकता है। समिति को यह तय करना है कि कौन से उपकरण आयात किए जा सकते हैं, उनकी अधिकतम उम्र क्या होगी, कौन सुरक्षा व कार्यक्षमता प्रमाणित करेगा और

खराबी की स्थिति में किसकी जिम्मेदारी होगी। हालांकि, समिति ने अभी तक केवल कुछ बैठकें की हैं और बाजार डेटा की जांच शुरू की है। स्वास्थ्य मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय और उद्योग प्रतिनिधियों सहित इस समिति की धीमी प्रगति पर एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री के राजीव नाथ ने चिंता जताई है, जो विस्तृत दिशानिर्देशों के जल्द जारी होने की उम्मीद कर रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया।

रुपया पांच पैसे मजबूत होकर 94.46 प्रति डॉलर पर

रुपया 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

विदेशी पूंजी के बढ़ते प्रवाह और जोखिम लेने की धारणा में सुधार के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे मजबूत होकर 94.46 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, मजबूत विदेशी पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक के आक्रामक हस्तक्षेप से रुपये को मजबूती मिल रही है। हालांकि, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका-ईरान तनाव रुपये की आगे की बढ़त को सीमित कर सकते हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 94.46 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ था और 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। भारत ने विदेशी मुद्रा तरलता मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्रीय बैंक की विशेष योजना के तहत विदेशी मुद्रा जमा के जरिये रिकॉर्ड 127.23 अरब डॉलर जुटाए हैं।

विदेशी जमाओं की बंपर आवक से बैंकिंग शेयरों में उछाल

निजी बैंकों ने एफसीएनआर (बी) जमाओं के जरिए 127 अरब डॉलर से अधिक जुटाए

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार में बैंकिंग शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई। यह उछाल भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के बाद आया, जिसमें बताया गया कि बैंकों ने फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (बैंक) या एफसीएनआर (बी) जमाओं के माध्यम से रिकॉर्ड 127.2 अरब डॉलर जुटाए हैं। इस सकारात्मक खबर के दम पर निफ्टी बैंक इंडेक्स 0.36 फीसदी की बढ़त के साथ 57,380.6 अंक पर बंद हुआ, जबकि व्यापक बाजार सूचकांक गिरावट के साथ समाप्त हुए। एफसीएनआर (बी) सुविधा के तहत निजी क्षेत्र के कई बैंकों ने शानदार प्रदर्शन किया। आरबीएल बैंक ने इस अवधि में 3.4 अरब डॉलर जुटाए और बाद में अपनी इंटरनेशनल बैंकिंग यूनिट के जरिए इन जमाओं के आधार पर 1.08 अरब डॉलर का कर्ज भी दिया। वहीं, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने एनआरआई ग्राहकों से कुल 3.57 अरब डॉलर की राशि आकर्षित की। आईसीआईसीआई बैंक इस विशेष विंडो के तहत सबसे अधिक रकम जुटाने वाले बैंकों में से एक था, जिसने 31 अगस्त, 2026 तक लगभग 17.88 अरब डॉलर इकट्ठा किए। इस उत्साहजनक प्रदर्शन के चलते गुरुवार को आरबीएल बैंक का शेयर 4.80 फीसदी बढ़कर 408.10 रुपये पर और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शेयर 2.83 फीसदी की बढ़त के साथ 87.50 रुपये पर बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक] आईसीआईसीआई बैंक और ऐक्सिस बैंक जैसे बड़े बैंकों के शेयरों में भी मामूली बढ़त दर्ज की गई। विदेशी जमाकर्ताओं से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के कारण केंद्रीय बैंक को यह सुविधा एक महीने पहले ही बंद करनी पड़ी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एफसीएनआर (बी) में रिकॉर्ड जमाओं ने वित्त वर्ष 27 के लिए सिस्टम क्रेडिट ग्रोथ में 150 आधार अंकों की बढ़ोतरी के साथ इसे 15.5-16 फीसदी तक पहुंचने के उसके अनुमान की पुष्टि की है।

बिड़ला समूह की अक्षय ऊर्जा अधिग्रहण योजना को मिला बंपर ऋण प्रस्ताव

शेल के नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए 24,000 करोड़ के प्रस्ताव मिले

मुंबई ।

भारतीय उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला के समूह को शेल पीएलसी की भारत स्थित अक्षय ऊर्जा संपत्तियों के महत्वाकांक्षी अधिग्रहण के लिए बैंकों से उम्मीद से कहीं अधिक ऋण प्रस्ताव मिले हैं। कंपनी ने 14,000 करोड़ का ऋण जुटाने की योजना बनाई थी, लेकिन उसे लगभग 70 प्रतिशत अधिक, यानी लगभग 24,000 करोड़ रुपए (2.5 बिलियन डॉलर) की ऋण प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई हैं। यह आरबीआई के हालिया नियमों के बाद बड़े कॉर्पोरेट सौदों के वित्तपोषण में भारतीय बैंकों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा को उजागर करता है। देश के कम से कम चार बड़े बैंकों ने इस बड़े कॉर्पोरेट ऋण के लिए विशेष प्रतिबद्धता जताई है। इनमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एक्सिस बैंक प्रत्येक ने 7,000 करोड़ रुपए तक की ऋण सीमा की पेशकश की है, जबकि पंजाब नेशनल बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 5,000-5,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट लाइन दी है। यह ऋण आदित्य बिड़ला रिन्यूएबल्स लिमिटेड को सोलेनेर्जी पावर प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण कर शेल की अक्षय ऊर्जा सहायक स्प्रिंग एनर्जी पर नियंत्रण हासिल करने में मदद करेगा, जो भारत में 5-गीगावाट का नवीकरणीय पोर्टफोलियो संचालित करती है। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 1 जुलाई से स्थानीय बैंकों को कॉर्पोरेट अधिग्रहणों के वित्तपोषण की अनुमति देने के बाद से इस क्षेत्र में भारी प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से 15 अगस्त के बीच भारतीय बैंकों द्वारा दिए गए ऋण में 18.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है, जो जमा वृद्धि (14.7 फीसदी) से अधिक है। बिड़ला समूह एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे अन्य निजी बैंकों से भी बातचीत कर रहा है।

चीनी के दाम में 20फीसद गिरावट, त्याहारों पर लोगों को मिल सकती है राहत

एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगेगा

नई दिल्ली।

आने वाले त्योहारों पर चीनी के दाम और गिरने की उम्मीद बढ़ गई है। डिपार्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन ने एक्स पर पोस्ट करके चीनी के सस्ता होने की जानकारी दी है। पोस्ट के मुताबिक देश के खुदरा बाजार में चीनी के दाम करीब 5फीसदी तक कम हो गए हैं। इससे पहले चीनी की एक्स-मिल कीमतों में करीब 20फीसदी की बड़ी गिरावट आई है। अगर चीनीमंडी के आंकड़ों की बात करें तो गुरुवार शाम को अपडेट किए गए रेट के मुताबिक चीनी के दाम 61 रुपए किलो तक आ गए हैं। दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, रांची में 3 सितंबर को चीनी 61 रुपए में बिकी। गुवाहाटी, कानपुर और रायपुर में 62 रुपए किलो थी और चेन्नई में 63 रुपए।सरकार का कहना है कि एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर अब धीरे-धीरे खुदरा बाजार में दिखाई देने लगा है और आने वाले दिनों में चीनी के दाम और गिर सकते हैं। सरकार के मुताबिक एक्स-मिल कीमतों में गिरावट का असर खुदरा बाजार तक पहुंचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए आने वाले दिनों में इसका प्रभाव और ज्यादा दिखाई दे सकता है यानी चीनी की कीमतों में अभी जो राहत मिली है, उसे शुरुआत माना जा सकता है। अगर मिल स्तर पर कीमतों में गिरावट जारी रहती है तो थोक बाजार के बाद खुदरा बाजार में भी चीनी और सस्ती होने हो सकती है।दरअसल, अगस्त में चीनी की कीमतों में अचानक तेज बढ़ोतरी देखने को मिली थी। इसके बाद सरकार ने चीनी बाजार की निगरानी बढ़ा दी। चीनी के स्टॉक, बिक्री और बाजार भाव पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि जमाखोरी और सट्टेबाजी जैसी गतिविधियों को रोका जा सके। सरकार का जोर इस बात पर है कि बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे और सप्लाई में किसी तरह की परेशानी न हो। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि वास्तविक व्यापार और वितरण से जुड़ी गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रहेंगी यानी निगरानी और कार्रवाई का मकसद सामान्य कारोबार को रोकना नहीं, बल्कि बाजार में कृत्रिम कमी और अनावश्यक कीमत बढ़ोतरी को नियंत्रित करना है। सरकार के ताजा आंकड़े उपभोक्ताओं के लिए राहत का संकेत हैं। अगस्त में तेजी के बाद अब चीनी की कीमतों का रुख नीचे की ओर है, जिसका फायदा आम लोगों को मिलना शुरू हो गया है।

एफएसएसएआई की सख्ती से रेस्टोरेंट अलर्ट, नियमों से जुड़े सवाल 40 फीसदी बढ़े

साफ-सफाई, भंडारण से लेकर दस्तावेजीकरण तक के नियमों पर मांग रहे जानकारी

नई दिल्ली।

भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा रेस्टोरेंट पर की गई हालिया सख्त कार्रवाई ने खाद्य व्यवसायियों को नियमों के पालन के प्रति अधिक गंभीर कर दिया है। नतीजतन, जुलाई से लेकर अब तक खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़े सवालों में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे परामर्शदाताओं के पास काम बढ़ गया है। परामर्शदाताओं के अनुसार, ये सवाल मुख्य रूप से साफ-सफाई, भोजन भंडारण, खाना पकाने के तरीके, खाद्य रंगों व तेल के उपयोग, शाकाहारी-मांसाहारी भोजन के पृथक्करण और अनिवार्य दस्तावेजीकरण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से संबंधित हैं। इन जिज्ञासाओं का सीधा संबंध एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित कठोर शर्तों से है। मुंबई स्थित आकांक्षा मैनेजमेंट कंसल्टेंसी के एक मुख्य परामर्शदाता ने बताया कि उनकी कंपनी को खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण व प्रमाणन से जुड़ी पूछताछ में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। एफएसएसएआई की बढ़ती सख्ती ने कारोबारियों को प्रशिक्षण और दस्तावेजीकरण पर विशेष ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने जानकारी दी कि जहां पहले महीने में मुश्किल से एक प्रशिक्षण सत्र होता था, वहीं जुलाई से अब तक उन्होंने 10-15 ऐसे सत्र आयोजित किए हैं, जिनमें प्रत्येक में लगभग 40 लोग शामिल थे। ये प्रशिक्षण एफएसएसएआई के स्वच्छता व साफ-सफाई मानकों की जानकारी देते हैं। हालांकि एफएसएसएआई की ज्यादातर कार्रवाई महाराष्ट्र में केंद्रित है, लेकिन इसका असर दिल्ली-एनसीआर जैसे अन्य शहरों में भी साफ तौर पर दिख रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भी एक परामर्श कंपनी के विशेषज्ञ ने नियमों के पालन संबंधी 40 फीसदी अधिक सवाल आने की पुष्टि की। इस बढ़ी हुई सख्ती के कारण रेस्टोरेंट संचालकों पर खर्च का बोझ भी बढ़ गया है, जो सही प्रशिक्षण, वेंडर प्रमाणन और साफ-सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने पर होने वाले खर्च के कारण बढ़ा है।

हीरे से लेकर हथियारों तक, बेल्जियम के साथ मिलकर मोदी ने यूरोप के लिए बनाया बड़ा गेम प्लान

नीरज कुमार दुबे

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है।

भारत और बेल्जियम के रिश्तों की सबसे चमकदार पहचान हीरे रहे हैं। एंटवर्प से मुंबई और सूरत तक फैला कारोबार दोनों देशों को जोड़ता रहा है। लेकिन अब यह रिश्ता सिर्फ चमकते हीरों तक सीमित नहीं रहने वाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की नई दिल्ली में हुई मुलाकात ने भारत-बेल्जियम संबंधों को रक्षा, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और निवेश जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार देने का स्पष्ट रोडमैप तैयार कर दिया है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर की 2 से 4 सितंबर की भारत यात्रा और दोनों देशों के बीच हुए समझौते इस बात का संकेत हैं कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत यूरोप के साथ अपने संबंधों को नई सामरिक गहराई दे रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि भारत अब द्विपक्षीय संबंधों को अलग-अलग घटनाओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापार, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और वैश्विक राजनीति को जोड़कर एक व्यापक रणनीतिक ढांचे में आगे बढ़ा रहा है।

इतिहास की साझी विरासत, भविष्य की रणनीतिक साझेदारी

हम आपको बता दें कि भारत-बेल्जियम संबंधों की जड़ें गहरी हैं। प्रथम विश्व युद्ध में फ्लैंडर्स के युद्धक्षेत्रों में 9,000 से अधिक भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। बेल्जियम स्वतंत्र भारत के साथ 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले शुरूआती यूरोपीय देशों में शामिल था। अब 2027 में दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ मनाएंगे। प्रधानमंत्री डी वेवर ने भारत यात्रा की शुरूआत राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर की। यह प्रतीकात्मक घटना उस रिश्ते की ओर इशारा करती है जिसकी बुनियाद लोकतंत्र, कानून के शासन, बहुलवाद और आपसी विश्वास पर टिकी है।

लेकिन इस बार इतिहास से अधिक महत्वपूर्ण भविष्य है। 15 जुलाई 2026 को ब्रुसेल्स में शुरू हुआ पहला भारत-बेल्जियम रणनीतिक संवाद अब दोनों देशों के संबंधों को नियमित और व्यापक संस्थागत आधार देगा। इसके तहत व्यापार और निवेश से लेकर हरित परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, संपर्क, रक्षा और सुरक्षा तक सहयोग के लिए एक स्थायी मंच तैयार किया गया है।

भारत-ईयू समीकरण में बेल्जियम की बढ़ती अहमियत

इस यात्रा का सबसे बड़ा वैश्विक महत्व भारत-यूरोपीय संघ संबंधों से जुड़ा है। जनवरी 2026 में भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता का सफल निष्कर्ष एक ऐतिहासिक घटनाक्रम माना जा रहा है। मोदी और डी वेवर ने इसके शीघ्र क्रियान्वयन पर जोर दिया है। भारत और यूरोपीय संघ दुनिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक और आर्थिक शक्तियां हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध और आर्थिक प्रतिस्पर्धा से प्रभावित हैं, भारत-ईयू आर्थिक साझेदारी का विस्तार केवल व्यापारिक मामला नहीं है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन-केंद्रित निर्भरता से बाहर निकालने और अधिक विविध तथा सुरक्षित व्यवस्था बनाने की रणनीति भी है।

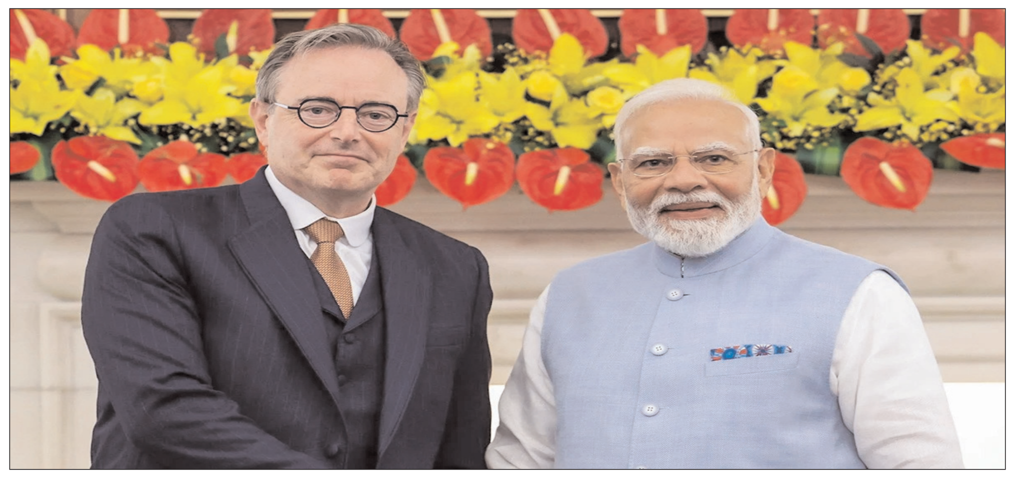

बेल्जियम इस समीकरण में विशेष भूमिका निभा सकता है। एंटवर्प यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक और बंदरगाह केंद्रों में है। दूसरी ओर भारत हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशाल बाजार और तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति है। दोनों देशों का सहयोग यूरोप और भारत के बीच एक नए आर्थिक एवं लॉजिस्टिक गलियारे की नींव बन सकता है।

पांच साल में व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

दोनों प्रधानमंत्रियों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए इंडिया-बेल्जियम इन्वेस्टमेंट फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म शुरू किया गया है, जो निवेश संबंधी बाधाओं को दूर करने और कंपनियों को सहायता देने का काम करेगा। बेल्जियम की संप्रभु निवेश संस्था एसएफपीआईएम और भारत के नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड यानि एनआईआईएफ के बीच सहयोग से एक संभावित भारत-बेल्जियम आर्थिक और निवेश गलियारे की दिशा में भी काम होगा। सहयोग के नए क्षेत्रों की सूची बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें सेमीकंडक्टर, फार्मास्यूटिकल्स, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, रक्षा विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनिंग और रिसाइक्लिंग, परमाणु ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कहा कि बेल्जियम की सेमीकंडक्टर विशेषज्ञता और भारत का विशाल औद्योगिक पैमाना एक-दूसरे के पूरक हैं। बेल्जियम के विश्वस्तरीय आईमेक संस्थान को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जोड़ने की पहल भविष्य में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

रक्षा सहयोग: रिश्तों का सबसे बड़ा रणनीतिक बदलाव

इसके अलावा, भारत-बेल्जियम संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दिखाई देता है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच हस्ताक्षरित लेटर ऑफ इंटेंट नियमित सैन्य संवाद, स्टाफ वार्ता, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रक्षा औद्योगिक साझेदारी का ढांचा तैयार करेगा। दोनों देश रक्षा सह-विकास और सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत रक्षा उपकरणों, विशेष रूप से जोरावर टैंक जैसे क्षेत्रों में सहयोग का उल्लेख किया।

साथ ही बेल्जियम का नई दिल्ली में रक्षा अताशे नियुक्त करना और भारत का ब्रुसेल्स में स्थायी रक्षा अताशे नियुक्त करने का फैसला रिश्तों की बदलती प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत है। बेल्जियम का युद्धपोत एलईओपोल्ड 1 नवंबर 2026 को भारत आएगा। यह मात्र नौसैनिक दौरा नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का संकेत है।

इसके अलावा, भारत और बेल्जियम ने आतंकवाद के खिलाफ भी मजबूत साझा रुख अपनाया है। बेल्जियम ने पहलगाम में 2025 के आतंकी हमले की निंदा दोहराई और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई। दोनों देशों ने आतंकवाद, उसके सुरक्षित ठिकानों और वित्तपोषण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

वहीं, सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस के बीच समझौता संगठित अपराध और साइबर अपराध के खिलाफ सहयोग को नई ताकत देगा। सूचना साझा करने, भगोड़ों का पता लगाने और क्षमता निर्माण में यह समझौता महत्वपूर्ण होगा।

ग्रीन हाइड्रोजन से समुद्री शक्ति तक

साथ ही हरित ऊर्जा सहयोग भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि है। नवीकरणीय ऊर्जा पर नए एमओयू के तहत ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, अपतटीय पवन ऊर्जा, बायो-एनर्जी और पंप्ड स्टोरेज में सहयोग बढ़ेगा। ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर परिवहन, भंडारण और अंतिम उपयोग तक पूरी वैल्यू चेन में साझेदारी की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में विकसित हो रहे विशाल ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट का भी उल्लेख किया।

समुद्री और बंदरगाह सहयोग भी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। एंटवर्प और फ्लैंडर्स की बंदरगाह विशेषज्ञता, भारत के तेजी से विकसित होते बंदरगाह नेटवर्क और हिंद महासागर में भारत की भूमिका मिलकर नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं। लॉजिस्टिक्स, ड्रेजिंग, बंदरगाह विकास और अपतटीय पवन ऊर्जा में बेल्जियम की विशेषज्ञता भारत के लिए उपयोगी हो सकती है।

वैश्विक राजनीति में साझा संदेश

इसके अलावा, दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। बेल्जियम ने एक बार फिर विस्तारित और सुधारित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। दोनों देशों ने एक-दूसरे की अस्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का भी समर्थन किया। यूक्रेन और पश्चिम एशिया पर दोनों देशों ने संवाद और कूटनीति के जरिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की आवश्यकता पर जोर दिया। यह भारत की उस विदेश नीति के अनुरूप है जो किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनने के बजाय संवाद, बहुपक्षवाद और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देती है।

मोदी की कूटनीति का बड़ा संदेश

देखा जाये तो भारत-बेल्जियम संबंधों का नया अध्याय प्रधानमंत्री मोदी की व्यापक कूटनीतिक सोच को दशार्ता है। मोदी ने पुराने हीरा व्यापार को आधुनिक रणनीतिक साझेदारी में बदलने का प्रयास किया है। अब एंटवर्प-मुंबई-सूरत का संबंध सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, रक्षा उत्पादन, समुद्री संपर्क और निवेश से जुड़ रहा है। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि भारत ने यूरोप के साथ अपने संबंधों को केवल बाजार तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें सुरक्षा, तकनीक और भू-राजनीति से जोड़ दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति की सफलता इस बात में है कि भारत आज एक साथ अमेरिका, यूरोप, रूस और ग्लोबल साउथ के साथ अपने हितों के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ा रहा है। बेल्जियम के साथ यह नई साझेदारी भी उसी संतुलित और बहुआयामी कूटनीति का उदाहरण है।

बहरहाल, हीरों की चमक से शुरू हुआ भारत-बेल्जियम संबंध अब हाई-टेक, हरित ऊर्जा और रक्षा सहयोग की नई रोशनी में प्रवेश कर रहा है। यदि तय समझौते जमीन पर उतरे, तो यह साझेदारी केवल दो देशों के रिश्तों को नहीं, बल्कि भारत-यूरोप के पूरे रणनीतिक समीकरण को नई दिशा दे सकती है।

संपादकीय

तुरत-फुरत का कारोबार

हाल के वर्षों में देश में खरीदारी का परिदृश्य, ई-कॉमर्स के चलते पूरी तरह बदल गया है। कह सकते हैं कि इसकी अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच रही है। जिसकी पुष्टि हाल ही में सामने आई शोध परामर्शदात्री ह्यइन्फिसमह्ल की नवीनतम रिपोर्ट में उजागर होती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दशार्ता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दशार्ता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-जी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-जी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि ई-कॉमर्स की अगली लहर किसी सीमा तक छोटे शहरों, स्थानीय पसंद, स्थानीय भाषाओं में कंटेंट और सस्ते लॉजिस्टिक पर भी निर्भर करेगी। हालांकि, परंपरागत बाजार इसे अपने अस्तित्व के लिये बड़ी चुनौती मान रहा है। नई पीढ़ी के ग्राहक मोबाइल पर उत्पाद की कीमतें छानकर परंपरागत दुकानदारों से भाव-तौल करने में आगे हैं।

चिंतन-मनन

अहिंसा का आलोकध

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है।

किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोर्पात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

राष्ट्रपति विलियम का टाटा केमिकल्स को केन्या प्लांट बंद करने का आदेश

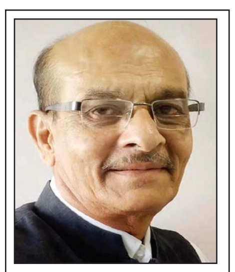

सनत जैन

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूतो ने टाटा केमिकल्स कंपनी को केन्या के प्लांट को तुरंत बंद करने का आदेश दिया है। केन्या के राष्ट्रपति रूतो ने बड़े सख्त लेहजे में कहा है, उनका देश केन्या किसी का गुलाम नहीं है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर आरोप लगाया है कि वह इतने साल से केन्या में अपना प्लांट चला रही है, यहां से भारी पैसा कमा रही है लेकिन इस कंपनी ने केन्या के लिए कोई भी ऐसा काम नहीं किया जिससे ऐसा लगे, टाटा केमिकल्स केन्या के विकास और जरूरतों की दिशा में अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या पर खर्च कर रही हो। उन्होंने टाटा केमिकल्स के कामकाज पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा, क्या हम दूसरे देशों के या टाटा केमिकल्स के गुलाम हैं जो इस तरह का व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने टाटा केमिकल्स पर कार्यवाही के बाद अन्य कंपनियों को एक तरह से चेतावनी दे दी है। उनका संदेश साफ है, केन्या केवल मुनाफा कमाने का देश नहीं है। जो भी कंपनियां केन्या में काम कर रही हैं उन्हें अपने मुनाफे का एक हिस्सा केन्या की बेहतरी के लिए खर्च करना होगा। रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। औद्योगिक विकास में अपनी भूमिका स्पष्ट करनी होगी। टाटा केमिकल्स का केन्या सरकार के साथ 100 साल का अनुबंध था। उस अनुबंध को तोड़ते हुए केन्या सरकार ने टाटा केमिकल्स को अपना कारोबार समेटने का अल्टीमेटम दे दिया है। राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में कहा टाटा केमिकल्स ने स्थानीय औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने की दिशा में ना तो स्वयं कोई काम किया है ना ही सरकार को इसमें सहयोग दिया है। टाटा केमिकल्स को टाटा बाय-बाय करने के साथ ही उन्होंने दो अन्य कंपनियों को लाने का फैसला किया है। यह नई कंपनियां टाटा केमिकल्स के कारोबार के साथ-साथ औद्योगिक विकास में केन्या सरकार के साथ मिलकर काम करेंगी। जिस तरह से दुनिया के सारे देशों में वैश्विक व्यापार संधि के बाद बड़ी तेजी के साथ कारोबार बढ़ा है, आर्थिक मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में सभी देश अपनी रणनीति बदल रहे हैं। जो विदेशी कंपनियां हैं यदि उनके देश से मुनाफा कमा रही हैं ऐसी स्थिति में उन्हें मुनाफे का एक हिस्सा जिस देश से वह मुनाफा कमा रही हैं उस पर खर्च करने की शर्त लगाना शुरू कर दी है। ताकि किसी भी देश का आर्थिक और सामाजिक शोषण कंपनियां ना कर सकें। केन्या जैसे देश ने इस मामले में पहल की है। सैकड़ो वर्षों का इतिहास है, अफ्रीका के देशों में जाकर यूरोप और अन्य देशों ने भारी कमाई की है। जिन देशों से वह कमाई कर रहे हैं वहां के लिए वह कुछ भी नहीं कर रहे हैं। केवल अफ्रीकी देशों का शोषण कर रहे हैं। इस स्थिति में अब अफ्रीकी देश काफी सजग हो गए हैं। वह अफ्रीका की संपदा और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जो भी कंपनियां वहां काम कर रही हैं उनके ऊपर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। यदि वह उसे देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए उनके साथ सहयोग करेंगे ऐसी स्थिति में वह कारोबार कर सकेंगे अन्यथा उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों को टाटा-टाटा बाय-बाय करने का तरीका ईजाद कर लिया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, आफ्रीकी देश कर्ज के जंजाल में फंसे बिना जिन देसी एवं विदेशी कंपनियों को कारोबार सौंप रहे हैं उसमें अफ्रीकी देश का नेतृत्व युवा पीढ़ी के पास है। वह इस मामले में ज्यादा सजग और आक्रामक है। भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा है। यहां बेरोजगारी भी सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में जब केन्या जैसे छोटे देश इस तरह की सोच रखते हैं ऐसी स्थिति में भारत जैसे देश यदि संपन्न देशों के पीछे और बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की शर्तों पर उन्हें आने की अनुमति देते हैं। औद्योगिक निवेश के लिए भारत सरकार द्वारा उन्हें तरह-तरह की छूट दी जाती है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार के लिए यह एक आईना है। हमारी आबादी है। भारत में कारोबार की अन्य देशों की तुलना में ज्यादा संभावनाएं हैं, ऐसी स्थिति में भारत को भी आत्मविश्वास बनाना होगा।

निर्भया कांड के चौदह साल बाद भी महफूज नहीं है बेटियाँ

मनोज कुमार अग्रवाल

निर्भया रेप केस के करीब चौदह साल बाद भी दिल्ली में चलती बस में बलात्कार की हालिया घटना सामने आई है, जिसमें एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ नोएडा से दिल्ली के बीच एक चलती निजी स्लीपर बस में सामूहिक बलात्कार किया गया है । यह शर्मनाक वारदात बता रही है कि निर्भया कांड के बाद कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा के लिए किए गए बड़े-बड़े दावे सख्त कानून और सुरक्षा के बढते बंदोबस्त सब हवा हवाई दावे मात्र है कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा के लिहाज से आज भी हाशिये पर खाड़ी है।

दिल्ली में चलती बसों में होने वाले अपराधों का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें 2012 का निर्भया रेप मर्डर केस सबसे चर्चित वीभत्स मामला रहा। लेकिन निर्भया कांड के 14 साल बीत जाने के बाद भी इस तरह की वारदात की पुनरावृत्ति बता रही है कि अपराधी कल भी बेखौफ थे और आज भी बेखौफ है उन्हें कानून पुलिस अदालत किसी का तनिक भी भय नही है। मौजूदा वारदात में उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली 11वीं कक्षा की एक 16 वर्षीय छात्रा रात के समय भारी बारिश के कारण ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर फंस गई थी। उसने एक निजी स्लीपर बस को हाथ देकर रोका, जिसने उसे नोएडा सेक्टर 63 छोड़ने की बात कही।बस में चढ़ने के बाद बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने किशोरी के साथ चलती बस में बलात्कार किया। यह बस करीब 47 किलोमीटर तक दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर दौड़ती रही और वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पीड़िता को दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास रिंग रोड पर उतार दिया। बस के शीशों पर गहरे पर्दे लगे हुए थे, जो दिल्ली-एनसीआर में नियमों के खिलाफ हैं और इसी वजह से बाहर से किसी को अंदर की घटना दिखाई नहीं दी।कश्मीरी गेट पुलिस स्टेशन में पीड़िता द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद, दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दोनों आरोपियों कुलदीप और संदीप को गिरफ्तार कर लिया और बस को फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

यहां आपको यह भी याद दिला देना जरूरी है कि अभी मई 2026 में भी दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में एक निजी स्लीपर बस के भीतर एक महिला के साथ बलात्कार की घटना हुई थी। पीड़िता एक फैक्ट्री में काम करके घर लौट रही थी। बस स्टैंड के पास खड़े बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को जबरन बस के अंदर खींच लिया और वारदात को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में भी दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बस को तिमारपुर पार्किंग क्षेत्र से बरामद किया था।

सवाल फिर वही ज्यो का त्यों है कि देश की राजधानी ही लड़कियों के लिए महफूज क्यों नहीं है? वह भी तब जबकि निर्भया के रेपिस्ट हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई गई थी। आपको बता दें दिल्ली में चलती बस में बलात्कार की घटनाओं का जिक्र होने पर 16 दिसंबर 2012 की घटना सबसे भयावह मानी जाती है। दक्षिण दिल्ली के मुनिरका इलाके में एक 23 वर्षीय फिजियोथेरेपी छात्रा जिसका नाम बाद में निर्भया रखा गया अपने दोस्त के साथ एक निजी बस में चढ़ी थी। बस के चालक सहित 6 लोगों ने चलती बस में उसके साथ बेहद बर्बर तरीके से सामूहिक बलात्कार और जानलेवा हमला किया।पीड़िता की बाद में सिंगापुर के अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और कानून में कड़े बदलाव किए गए। मार्च 2020 में इस मामले के चार मुख्य दोषियों को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी।यानि सख्त कानून और सजा भी अपराधियों को ऐसे घृणित अपराध से रोकने के लिए प्रभावी नहीं साबित हुआ है।

बेटी बचाओ अभियान के बावजूद बेटियों के विरुद्ध यौन अपराध चिंताजनक हद तक बढ़ गए हैं। हर आयु वर्ग की महिलाएं और बच्चियां इस अन्याय की शिकार बन रही हैं चंद वारदातों पर नजर डालिए

24 अगस्त को मुम्बई में खेल कोच एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता गणेश प्रभाकर देवरुखकर के विरुद्ध एक 16 वर्षीय छात्रा ने जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग देने के दौरान उसके शारीरिक शोषण के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई। छात्रा का आरोप है कि घटना के दिन कोच ने उसे खींच कर अपनी गोद में बिठा लिया। उसने उसकी पकड़ से छूटने की कोशिश की तो कोच ने पीछे से उसकी कमर पकड़ कर उससे छेड़छाड़ की।

24 अगस्त को पटियाला (पंजाब) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक छात्रा को धोखे से होटल में बुलाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।24 अगस्त को ही पचमढ़ी (मध्य प्रदेश) में घूमने आई एक नाबालिगा के साथी को जीप से बांध कर उससे सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया।27 अगस्त को होशियारपुर (पंजाब) के गांव अरनियावाला शाहपुर के सरकारी मिडल स्कूल के हैडमास्टर अनुज वासुदेव को एक 12 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न और तंग करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। छात्रा के अनुसार उक्त अध्यापक उसके साथ अनुचित छेड़छाड़ करता और उसके शरीर को छूता था तथा किसी को बताने पर स्कूल से नाम काटने की धमकी देता था।

घटना के दिन आरोपी हैडमास्टर उसे जबरन अपनी गाड़ी में बिठाकर ले गया। रास्ते में गाड़ी रोक कर उसके मुंह में जबरन नशीली गोली डाल कर उससे बलात्कार करके उसे उसके घर के पीछे उतार कर चला गया।

31 अगस्त को ही बवाना (बाहरी उत्तरी दिल्ली) में एक निजी स्कूल की वैन के ड्राइवर विकास को स्कूल की एक 3 वर्षीय बच्ची का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार यह घटना 29 अगस्त को तब सामने आई जब बच्ची की मां ने उसके गुप्त अंगों पर चोट के निशान देखे। पूछने पर बच्ची ने अपनी मां को बुरे अंकल के बारे में बताया। स्कूल के सी.सी.टी.वी. की जांच करने पर पता चला कि आरोपी ने बाथरूम जाने के दौरान बच्ची का पीछा किया और बच्ची को चाकलेट देने के बहाने वहां उसका यौन शोषण किया।

31 अगस्त को ही रंगारैड्डी (तेलंगाना) के एक निजी अस्पताल की 21 वर्षीय नर्स से बलात्कार के बाद उसकी हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

31 अगस्त को ही बरेली (उत्तर प्रदेश) में एक महिला से उसके पति के दोस्त ने नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार कर डाला। पुलिस को दी रिपोर्ट में महिला ने कहा है कि आरोपी ने घटना की अश्लील वीडियो भी बना ली और उसे वायरल करने की धमकी देकर उसके जेवरात भी लूट लिए।और अब 31 अगस्त को ही उमरिया (मध्य प्रदेश) के एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के अध्यापक को 3 छात्राओं से छेड़छाड़ करने और उन्हें चाकलेट देने के बहाने अश्लील वीडियो दिखाने के आरोप में निलम्बित किया गया। अध्यापक ने लड़कियों को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने इस बारे किसी को बताया तो वह उन्हें डंडे से पीटेगा।

प्रतिदिन हो रहीं महिलाओं और बच्चियों के बलात्कार, यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ आदि की घटनाओं ने देश में नारी जाति की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं, अतः इस तरह के सभी मामलों का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द इनका फैसला करके दोषियों को कठोरतम दंड देने की जरूरत है, तभी इस बुराई पर रोक लग सकेगी। दिल्ली-एनसीआर में सार्वजनिक और निजी परिवहन की सुरक्षा पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। पर्दों और काली फिल्मों पर प्रतिबंध दिल्ली में चलती कमर्शियल बसों में खिड़कियों पर पर्दे या काली फिल्म लगाना पूरी तरह अवैध है, फिर भी स्लीपर बसों में इनका धड़ल्ले से इस्तेमाल होता है। रात के समय अंतर-राज्यीय और निजी स्लीपर बसों की पर्याप्त चेकिंग न होना इन अपराधियों को बढ़ावा देता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

संक्षिप्त समाचार

अमीर और ताकतवर देशों में डर: 40% मानते हैं, 250 साल में खत्म होगा अमेरिका; निराशा की वजह क्या

लंदन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नौकरियों पर खतरा, जलवायु परिवर्तन, युद्ध की आहट और गहराता आर्थिक ध्रुवीकरण...। पश्चिमी दुनिया (अमेरिका और यूरोप) के संपन्न देशों में हर हफ्ते सामने आने वाले ओपिनियन पोल्स एक ही बात दोहरा रहे हैं, लोग भविष्य को लेकर पहले कभी इतने ज्यादा आशंकित और डरे हुए नहीं थे। 2026 में सामने आए एक सर्वे में 5 में से 2 अमेरिकी नागरिकों (40%) ने आशंका जताई कि 2276 में अपनी स्थापना के 500 साल पूरे होने तक अमेरिका शायद एक देश के तौर पर बचेगा ही नहीं। अधिकांश लोगों का मानना है कि 2050 तक उनका देश कमजोर, आर्थिक रूप से पिछड़ा और राजनीतिक तौर पर और बंटा हुआ होगा। ब्रिटेन और फ्रांस जैसे अमीर देश संकटग्रस्त मुल्कों के साथ कतार में खड़े हैं। लेकिन इसके उलट, 55 देशों में किए गए यूनिसेफ और ग्लोबल सर्वे के आंकड़े बिल्कुल विपरीत तस्वीर पेश करते हैं। इंडोनेशिया, कीनिया, सऊदी अरब और कोलंबिया जैसे मध्यम आय वाले देशों के नागरिक अपने कल को लेकर पश्चिमी रईसों के मुकाबले कई गुना ज्यादा आशावादी हैं। साइंस जर्नल 'नेचर' में प्रकाशित शोध के अनुसार, भविष्य को लेकर उम्मीद इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आज आपके पास कितनी दौलत हैं, बल्कि यह इस बात पर टिकी है कि आप किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जी-20 बैठक में घमासान: अमेरिका पर बिफरे यूरोपीय देश, कनाडा से तीखी नोकझोंक; जर्मनी-फ्रांस ने भी उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी-20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक में उस वक्त असहज स्थिति पैदा हो गई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक मॉडल को दुनिया के सामने 'रोल मॉडल' की तरह पेश करने की कोशिशें उल्टी पड़ गईं। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सम्मेलन के लगभग हर सत्र की शुरुआत यह कहते हुए की कि दुनिया को ट्रंप प्रशासन की नीतियों की नकल करनी चाहिए। लेकिन मेज के दूसरी तरफ बैठे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी-जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने इस आत्ममुग्धता को स्वीकार करने के बजाय अमेरिकी नीतियों पर दुनिया की आर्थिक तरक्की को पटरी से उतारने का खुला आरोप मढ़ दिया। ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध के चलते ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और शिपिंग रूट्स का ठप होना, सहयोगियों को भरोसे में लिए बिना यूरोपीय मुद्रा (यूरो) बेचकर जापानी येन को सहारा देना, और कनाडा समेत यूरोपीय देशों पर थोपे गए दंडात्मक टैरिफ जैसे मुद्दों पर पश्चिमी ब्लॉक के भीतर ही खुला असंतोष फूट पड़ा।

मिसाइलों के साए में पढ़ाई: यूक्रेन में जमीन के नीचे बने 74 स्कूल, बंकर में कैसे हो रही भविष्य की तैयारी

रियाबेंको, जापोरिजिया, एजेंसी। चार साल से लगातार बरसती मिसाइलों और लड़ाकू विमानों की गर्जना के बीच यूक्रेन के 74 स्कूल भविष्य की पीढी तैयारी करने में जुटे हैं। जमीन के ऊपर नजर डालें तो सिर्फ एक खुला खेल का मैदान या फुटबॉल का टर्फ नजर आता है। लेकिन कई मीटर गहरी मिट्टी और कंक्रीट की मजबूत दीवारों के नीचे उतरें, तो वहां नीले रंग की सुरंगों में सजी क्लासरूम्स, बेंचों पर झूलते छोटे-छोटे बच्चों के पैर और ब्लैकबोर्ड पर लिखे नए सत्र के सबक दिखाई देते हैं। दक्षिणी यूक्रेन के औद्योगिक शहर जापोरिजिया में स्कूल के पहले दिन का नजारा किसी साइंस-फिक्शन फिल्म या दुनिया खत्म होने के बाद के दृश्य जैसा लग सकता है। लेकिन चार साल से ज्यादा समय से रूस के लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना कर रहे यूक्रेन के माता-पिता के लिए ये अंडरग्राउंड बंकर-स्कूल किसी अभिशाप नहीं, बल्कि सबसे बड़े सुकून का जरिया हैं। यूक्रेन में अब ऐसे 74 पूरी तरह से भूमिगत स्कूल संचालित हो रहे हैं। किराने की दुकान चलाने वाले 39 वर्षीय ऑलेक्सांद्र लागिन, जिनके दो बेटे जमीन के नीचे पढ़ते हैं, साफ कहते हैं-ड्रोन और मिसाइलों के इस दौर में पाताल में गए बिना बच्चों को पढ़ाना नामुमकिन हो चुका है। हैरानी की बात यह है कि युद्ध के मोर्चे से महज 15 किमी दूर स्थित जापोरिजिया शहर राजधानी कीव की तुलना में बच्चों को निर्बाध शिक्षा देने के लिए बेहतर तैयार है। कीव में स्कूल के एक दिन में औसतन 158 मिनट तक हवाई सायरन बजते रहते हैं। सायरन बजते ही सभी क्लास के बच्चों को ठूंस-ठूंसकर सामान्य बेसमेंट में भर दिया जाता है, जहां पढ़ाई पूरी तरह ठप हो जाती है। जापोरिजिया में यूरोपीय फंडिंग से यहां 10 अत्याधुनिक भूमिगत स्कूल बनाए गए हैं।

ठाणे के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब भी लापता; मृतकों का आंकड़ा 1225 पहुंचा

काठमांडू, एजेंसी। तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिकों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। इस आपदा में नेपाल के कई इलाकों में भारी तबाही हुई है। नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,200 से अधिक हो चुकी है, जबकि 4,875 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। फ्लैश फ्लड के एक सप्ताह बाद भी कई प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान जारी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता छेत्री के मुताबिक, रसुवा जिले की भोटेकोशी नदी में बह गए कम से कम 19 लोगों के शव भारत में बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि शव भोटेकोशी नदी से त्रिशूली और नारायणी नदी के रास्ते बहते हुए भारत पहुंचे। इन शवों को नेपाल की सीमा से लगे भारत के रुपन्देही और नवलपरासी पश्चिम जिलों के आसपास बरामद किया गया। नेपाल के अधिकारियों को शव सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।

छेत्री ने बताया कि बाढ़ के दौरान तिब्बत में करीब 100 नेपाली नागरिक लापता हो गए। वहीं, तीर्थयात्रा और कारोबार के सिलसिले में तिब्बत गए करीब 3,000 नेपाली नागरिक वहां फंस गए थे। इनमें से 2,500 से अधिक नेपाली सुरक्षित रूप से नेपाल लौट चुके हैं। अधिकांश लोगों ने हिल्सा और तातोपानी सीमा चौकियों के जरिए वापसी की, जबकि कुछ नागरिकों को हवाई मार्ग से भी नेपाल लाया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, तिब्बत के केरुंग सीमा क्षेत्र में अभी भी करीब 1,500 नेपाली नागरिक फंसे हुए हैं। उन्हें सुरक्षित तरीके से नेपाल वापस लाने के लिए दोनों देशों के अधिकारी लगातार बातचीत कर रहे हैं।

ठाणे के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब भी लापता, परिवारों की उम्मीदें धुंधली : नेपाल-चीन सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद महाराष्ट्र के ठाणे जिले के 10 कैलाश मानसरोवर यात्री अब तक लापता हैं। परिवार लगातार उनके सुरक्षित लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं, लेकिन प्रभावित इलाके में संचार व्यवस्था ठप होने से उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। बाढ़ के दौरान तिमुरे स्थित चीनी इमिग्रेशन चेकपॉइंट के पास भारी तबाही हुई थी। इस घटना में स्थानीय संचार ढांचा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद लापता यात्रियों से संपर्क नहीं हो सका। ठाणे से यात्रा पर गए दो पर्यटकों के सुरक्षित घर लौटने की जानकारी है। अब तक जिले के डोंबिवली निवासी प्रकाश शांताराम माने और उनकी पत्नी प्रतिभा ही सुरक्षित वापस लौटे हैं। बाकी 10 यात्रियों के परिजन लगातार प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर उन्हें तलाशने की अपील कर रहे हैं। लापता यात्रियों में सतीश विनायक पाटणकर और उनकी पत्नी रेखा पाटणकर भी शामिल हैं। सतीश के भाई संजय पाटणकर ने बताया कि बाढ़ आने के बाद से परिवार का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अनुसार लापता यात्रियों में समीर मुकुंद जोशी, अपर्णा समीर जोशी, सुनील सुदर्शन सुभेदार, संजय राजमल पाटिल, नलिनी संजय पाटिल, रजनीश रघुनाथ नातू, यशस भंड और अभिषेक घोने शामिल हैं। इनके अलावा सतीश और रेखा पाटणकर भी लापता हैं। ठाणे जिला प्रशासन ने बताया कि लापता यात्रियों का पता लगाने के लिए नेपाल में आपदा राहत दलों और टूर ऑपरेटरों के साथ समन्वय किया जा रहा है। अब तक 166 भारतीयों का रेस्क्यू, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 410 भारतीय चीन से लौटे नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत का राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब तक 166 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जिनमें बुधवार को बचाए गए तीन लोग भी शामिल हैं। वहीं, कैलाश मानसरोवर यात्रा और अन्य गतिविधियों के लिए तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र गए 410 भारतीय नागरिक बुधवार को चीन से रवाना हो गए। भारत ने बुधवार को राहत सामग्री की पांचवीं खेप नेपाल भेजी। भारतीय वायुसेना का एक विमान काठमांडू पहुंचा, जिसमें करीब 5.5 टन चिकित्सा सामग्री भेजी गई। इसमें एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक दवाएं, सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक दवाएं शामिल हैं। इसके साथ ही विमान में 11 सदस्यीय विशेष बचाव दल और छह टन से अधिक आधुनिक रेस्क्यू उपकरण भी भेजे गए। भारत अब तक नेपाल को लगभग 74 टन राहत सामग्री उपलब्ध करा चुका है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने राहत सामग्री नेपाल सरकार को सौंपी।

मुस्लिम नाटो में शामिल होने के करीब ढाका: ऑपरेशन सिंदूर से बेचैन पाकिस्तान की नई चाल; भारत की बढ़ेगी चिंता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की अगुवाई वाले मक्का रक्षा गठबंधन में बांग्लादेश भी शामिल होने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका में तमाम मंत्रियों ने ऐसे बयान दिए हैं, जिनसे इसके पुख्ता संकेत मिलते हैं कि बांग्लादेश मक्का रक्षा गठबंधन में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। यह साफतौर पर देखा जा सकता है कि ऑपरेशन सिंदूर में पिटने के बाद पाकिस्तान ने अपने रणनीतिक विकल्पों का विस्तार करने की नीति अपनाई है। इधर सोमवार को इस्तांबुल में मुस्लिम नाटो देशों की पहली अहम बैठक में गठबंधन को संस्थागत ढांचा देने पर सहमति बनी। इस बैठक में अन्य मित्र देशों को गठबंधन से जोड़ने का रोडमैप बनाने का फैसला भी हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद आई तेजी : ऑपरेशन सिंदूर के बाद ढाका और इस्लामाबाद के बीच सैन्य और सुरक्षा संपर्कों में उल्लेखनीय तेजी आई है। दोनों देशों की सेनाओं और खुफिया तंत्र के बीच बनी नजदीकी एक बड़े बहुपक्षीय सुरक्षा ढांचे की ओर बढ़ती दिख रही है। मई 2025 के बाद दोनों देशों के बीच कम से कम 7 प्रमुख सैन्य और सैन्य-खुफिया स्तर के संपर्क सामने आए हैं। अगस्त 2025 में बांग्लादेश के लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान ने रावलपिंडी में पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल साहिर शमशाद मिर्जा से मुलाकात की, अक्तूबर में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने ढाका में तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठकें कीं, नवंबर में दोनों देशों की सेनाओं के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता की शुरुआत हुई। जनवरी 2026 में बांग्लादेशी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान पाकिस्तान गए, जेएफ-17 विमान, साइबर कमांड और एयरोस्पेस पार्क का दौरा किया।

20 अगस्त : तत्कालीन विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि ढाका का विकल्प खुला है। **24 अगस्त :** विदेश राज्य मंत्री बने कबीर ने कहा कि वह मक्का रक्षा समझौते को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं। **27 अगस्त :** विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने संसद में कहा कि बांग्लादेश इस पर सकारात्मक विचार करेगा। **29 अगस्त :** कानून मंत्री एम असदुज्जमान ने कहा कि- भारत अपने हिसाब से चलेगा और बांग्लादेश अपने हिसाब से।

अमेरिका: मिनियापोलिस में अपार्टमेंट के अंदर गोलीबारी से हड़कंप, संदिग्ध समेत दो की मौत; तीन पुलिस कर्मी घायल

लंदन, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस शहर के मध्य इलाके में बुधवार दोपहर एक अपार्टमेंट इमारत में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी के संदिग्ध की भी मौत हो गई। मिनियापोलिस पुलिस के सार्जेंट गैरेट पार्टेन ने बुधवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तीन पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। इनमें से दो को गोली लगी है। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर के अनुसार, तीनों अधिकारियों की हालत स्थिर है।

गोलीबारी में दो लोगों की मौत : पार्टेन ने बताया कि इमारत में गोली चलने की सूचना 911 पर शाम 4:30 बजे के ठीक बाद मिली। इसके तीन मिनट बाद पुलिस अधिकारी इमारत में दाखिल हुए और उन्हें ऊंची इमारत के अंदर घायल लोग मिले। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने और गोलियां चलने की आवाज सुनी और आवाज का पीछा करते हुए ऊपरी मंजिल पर पहुंचे। वहां धुंध जैसी स्थिति थी, जिससे उनकी देखने की क्षमता काफी सीमित हो गई थी। पार्टेन ने कहा, ''यह बेहद दुखद घटना है और हमारी संवेदनाएं तथा प्रार्थनाएं उन परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है। हम घायलों, घायल अधिकारियों और उनके परिवारों के साथ भी हैं।'' उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही गोली लगने से मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। पार्टेन ने कहा कि यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि गोलीबारी करने वाले व्यक्ति की मौत कैसे हुई।

जूलियस बेली अपने अपार्टमेंट की इमारत के बाहर बैठे थे, तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को पिस्तौल लिए देखा, जिसे वह इमारत के निवासी के रूप में पहचानते थे। बेली ने बताया कि उन्होंने एक महिला को चीखते हुए सुना और तुरंत वहां से भागने लगे। उनके मुताबिक, उन्होंने आठ गोलियों की आवाज गिनी। बेली ने कहा कि वह बंदूक लिए व्यक्ति को पहचानते थे, क्योंकि वह अक्सर अपना हथियार दिखाने के लिए जाना जाता था।

क्या वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ खारिज होगा मामला इस आधार पर मिल सकती है राहत

वॉशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी ने बुधवार को एक अमेरिकी न्यायाधीश से अपने खिलाफ लगाए गए ड्रग तस्करी के आरोपों को खारिज करने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि किसी देश के राष्ट्रपति और प्रथम महिला के रूप में उन्हें कानूनी प्रतिरक्षा हासिल है। मैनहट्टन की संघीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों में मादुरो के वकीलों ने कहा कि कानून के तहत न्यायाधीश को आरोपपत्र खारिज करना ही होगा, क्योंकि किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष के खिलाफ इस तरह का मामला नहीं चलाया जा सकता।

किस कानून के आधार पर आरोप खारिज करने की मांग कर रहे हैं मादुरो : वकीलों ने कहा, 'किसी भी अमेरिकी अदालत ने अब तक ऐसे विदेशी नेता के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की सुनवाई नहीं की है, जिसे आरोप लगाए जाने के समय उसके अपने देश ने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में मान्यता हालि हो।' उन्होंने कहा, 'यह महज संयोग नहीं है। यह एक ऐसे नियम को दर्शाता है जो सामान्य कानून से भी पुराना है। राष्ट्राध्यक्ष अपने देश की अदालतों को छोड़कर किसी भी अन्य देश की अदालत की आपराधिक कार्रवाई से मुक्त होते हैं।' मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ ड्रग तस्करी के आरोपों पर मुकदमे की सुनवाई अगले साल 1 जून से शुरू होने वाली है। न्यायाधीश एल्विन के. हेलरस्टीन ने आरोपपत्र खारिज करने की मांग वाली याचिकाओं पर मौखिक दलीलों के लिए 17 नवंबर की तारीख तय की है।

जनवरी की शुरुआत में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी बलों ने किया था गिरफ्तार : 63 वर्षीय मादुरो और उनकी 69 वर्षीय पत्नी सिलिया फ्लोरेस को जनवरी की शुरुआत में आधी रात के दौरान कराकास स्थित उनके घर पर अमेरिकी बलों की कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया था। तब से दोनों ब्रुकलिन की एक जेल में बंद हैं। बुधवार को दाखिल अलग दस्तावेजों में फ्लोरेस के वकीलों ने भी कहा कि उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा के आधार पर अमेरिका में अभियोजन से छूट हासिल है। उनके वकीलों ने कहा, 'यह वेनेजुएला को मिली हुई संप्रभुता है और इसे केवल वेनेजुएला ही त्याग सकता है।' मादुरो के वकीलों ने कहा कि अगर राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा का अधिकार न भी मिले, तब भी उनके खिलाफ मामला खारिज किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अपने आधिकारिक कृत्यों के आधार पर आचरण-आधारित संप्रभु प्रतिरक्षा भी हासिल है। मादुरो और फ्लोरेस के खिलाफ यह आपराधिक मामला पहली बार छह साल दर्ज किया गया था।

अगर जूरी इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि दोनों अमेरिका में कोकीन भेजने की साजिश का हिस्सा थे, तो उन्हें उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। संघीय अभियोजकों को इन कानूनी दलीलों पर अपना जवाब इस महीने के अंत में दाखिल करना है। अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि मादुरो ने वेनेजुएला के कानून-प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर ड्रग तस्करी के बड़े सरगनाओं की मदद की और अमेरिका में हजारों टन कोकीन भेजने की साजिश को अंजाम दिया।

पिघलेंगे ग्लेशियर, डूबेंगे शहर: यूएन ने चेताया- पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा पार; कैसे रुकेगी तबाही

वॉशिंगटन, एजेंसी। आने वाले समय में धरती का तापमान कम से कम 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ना तय है। अगर तापमान इस स्तर तक पहुंचता है, तो भारी मात्रा में ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और दुनिया भर के तटीय शहरों तथा इंसानी जीवन पर हाहाकार मच जाएगा। अब तापमान साल 2015 के पेरिस समझौते में तय किए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस के सुरक्षित दायरे से कहीं आगे निकल चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में होने वाली हर एक अतिरिक्त वृद्धि चरम मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने, पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान और तटीय शहरों के डूबने के खतरे को और खतरनाक रूप से बढ़ा देगी। यूएन की पहले जारी अन्य रिपोर्टों में भी चेताया जा रहा था कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अगर धरती का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के मुकाबले 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, तो साल 2100 तक एक चौथाई से ज्यादा ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इससे समुद्र का जलस्तर 13 सेंटीमीटर तक ऊपर आ जाएगा। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो 2050 तक वैश्विक खाद्य उत्पादन में 14 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

अभी भी तापमान के घटने की उम्मीद : रिपोर्ट के अनुसार, इस सदी में औसत वैश्विक तापमान को वापस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर तभी लाया जा सकता है जब तापमान लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे। साथ ही नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को छोड़ना संभव नहीं है और जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को रोकने के साथ-साथ वनों के विस्तार जैसे कार्बन अवशोषण के उपाय भी करने होंगे।

मानव स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान : बढ़ते तापमान से मानव स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बुनियादी ढांचा और अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होंगी और कई नुकसान पूरी तरह अपरिवर्तनीय होंगे। इस संकट से बचने का एकमात्र रास्ता यह है कि तापमान में पहले कुछ समय के लिए भले ही बढ़ोतरी हो जाए, लेकिन फिर हम मिलकर प्रदूषण को इस हद तक घटाएं कि तापमान अपने चरम (सबसे ऊपरी स्तर) पर पहुंचकर वापस नीचे आ जाए। इसके लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में तत्काल और भारी कटौती के साथ-साथ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने के कड़े उपायों की आवश्यकता है।

जीडीपी में वृद्धि से भारत ने दिखाया दम: अमेरिका में निवेशकों से बोलीं सीतारमण- वैश्विक संकट के बीच मजबूती कायम

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती का प्रदर्शन किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को अमेरिका में निवेशकों के साथ बैठक में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी की दर से बढ़ी है। उन्होंने इसे वैश्विक व्यवधानों के बीच उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। सीतारमण न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास और बैंक ऑफ अमेरिका की ओर से आयोजित उच्चस्तरीय बिजनेस राउंडटेबल में निवेशकों को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

सुधारों से निवेश का माहौल हुआ बेहतर : वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने आर्थिक सुधारों पर लगातार जोर दिया है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसे सुधारों के जरिए नियामकीय व्यवस्था में अधिक स्पष्टता लाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से अनुपालन आसान हुआ है और कागजी कार्रवाई का बोझ कम करने में मदद मिली है। सरकार ने करीब एक दशक से कारोबार को सुगम बनाने और अनुपालन प्रक्रिया को सरल करने को प्राथमिकता दी है।

किन क्षेत्रों पर सरकार का फोकस : सीतारमण ने निवेशकों के सामने उन क्षेत्रों का भी जिक्र किया, जिन पर सरकार लगातार ध्यान दे रही है। इनमें पूंजीगत परिसंपत्तियों का निर्माण, बुनियादी ढांचे का विकास और उद्योग को लगातार समर्थन देना शामिल है। उन्होंने विशेष रूप से विमानन क्षेत्र, निवेश के अनुकूल माहौल बनाने, एआई और डेटा सेंटर के विकास, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर को बढ़ावा देने तथा एमएसएमई के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया। इसके साथ ही बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों यानी एनपीए को कम करने की दिशा में उठाए गए कदमों का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, इन प्रयासों से बैंकिंग और उद्योग के लिए कारोबार, विस्तार और मजबूती का बेहतर माहौल तैयार हुआ है।

राजकोषीय अनुशासन पर भी जोर : वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड-19 के बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने लगातार चुनौतियां रही हैं, लेकिन भारत ने पिछले कई वर्षों में राजकोषीय विवेक और वित्तीय अनुशासन के रास्ते को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें निवेश आकर्षित करने और अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश को सुविधाजनक बनाने को लेकर पहले की तुलना में अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धी हुई हैं। इन प्रयासों को उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य से जोड़कर देखा।

विनय क्वात्रा ने भी भारत की आर्थिक ताकत को सराहा : अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने कार्यक्रम के स्वागत भाषण में भारत की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका दोनों देश भारत की तेज आर्थिक वृद्धि से लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत है। इससे पहले विनय क्वात्रा ने न्यूयॉर्क स्थित नैस्डैक में भारत की ओर से ओपनिंग बेल बजाई। उन्होंने कहा कि भारत इस समय महत्वपूर्ण आर्थिक और तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

जन्मसिद्ध नागरिकता पर ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने नया आदेश रोका; सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई कोशिश को बड़ा झटका लगा है। मैरीलैंड की संघीय जज डेबोरा एल. बोर्डमैन ने ट्रंप प्रशासन के नए कार्यकारी आदेश पर रोक लगाते हुए प्रारंभिक निषेधाज्ञा जारी की है। जज ने यह रोक उस समय लगाई जब अप्रवासी परिवारों और अधिकार समूहों की ओर से दायर क्लास-एक्शन मुकदमे पर सुनवाई चल रही है। बोर्डमैन ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित श्रेणी में आने वाले बच्चे जन्म के समय अमेरिकी नागरिक हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

क्या है जन्मसिद्ध नागरिकता का नियम : मौजूदा अमेरिकी कानून के तहत अमेरिका की जमीन पर जन्म लेने वाले अधिकांश बच्चों को जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता मिलती है। इसके कुछ अपवाद हैं। इस व्यवस्था की कानूनी नींव 1868 में 14वें संविधान संशोधन के लागू होने के बाद पड़ी थी। ट्रंप लंबे समय से जन्मसिद्ध नागरिकता खत्म करने की मांग करते रहे हैं। इससे पहले उन्होंने ऐसा कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें अमेरिका में अवैध रूप से या अस्थायी स्थिति में रह रहे लोगों के बच्चों को अमेरिकी नागरिकता देने पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। जून में सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रयास को खारिज कर दिया था।

नए आदेश में किन लोगों को निशाना बनाया गया : अगस्त में ट्रंप प्रशासन ने एक नया और सीमित दायरे वाला कार्यकारी आदेश जारी किया। इसमें कुछ खास परिस्थितियों में जन्मे बच्चों की स्वतः नागरिकता पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। इसमें ऐसे बच्चों का जिक्र था जिनके माता-पिता का संबंध विदेशी दूतावासों या संगठनों से हो अथवा जिन्हें अमेरिका का 'विदेशी दुश्मन' माना जाए। आदेश में 'बर्थ टूरिज्म' की भी बात की गई थी। इसका मतलब ऐसे व्यक्ति से है जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के उद्देश्य से गैर-आप्रवासी वीजा पर देश में प्रवेश करता है। अमेरिकी नियमों में पहले से ही ऐसी स्थिति को वीजा संबंधी कार्रवाई का आधार माना जा सकता है, यदि किसी व्यक्ति ने विशेष रूप से बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से वीजा हासिल किया हो।

परिवारों को किस बात का डर था : नए आदेश को चुनौती देने वाले परिवारों और संगठनों ने अदालत में कहा कि इसके कारण कई परिवारों में असमंजस और डर पैदा हुआ। कुछ परिवारों को आशंका थी कि उनके बच्चों को केवल इसलिए नागरिकता से वंचित किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अमेरिका आने के लिए हवाई टिकट खरीदा और वहां पहुंचने के बाद गर्भधारण हुआ। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यकारी शाखा किसी व्यक्ति को 'विदेशी दुश्मन' मानने के लिए व्यापक नजरिया अपना रही है और कुछ मामलों में अनुमान या गलत जानकारी पर भी निर्भर किया जा सकता है। कुछ परिवारों ने चिंता जताई कि उनके बच्चों की नागरिकता इसलिए प्रभावित हो सकती है क्योंकि उनके विस्तारित परिवार का कोई सदस्य अपने देश में किसी गिरोह से जुड़ा था, जबकि माता-पिता खुद किसी गिरोह के सदस्य नहीं थे।

जज ने प्रशासन की दलील क्यों खारिज की : ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने अदालत से कहा कि आदेश को रोकने की मांग अभी समय से पहले है। उनका तर्क था कि इसे लागू करने वाली संघीय एजेंसियां अभी जारी नहीं हुई आधिकारिक गाइडलाइन के आधार पर उचित तरीके से कार्रवाई करेंगी। जज बोर्डमैन ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन चाहे कुछ भी कहे, 2026 का कार्यकारी आदेश एजेंसियों को बच्चों की कई व्यापक श्रेणियों को नागरिकता संबंधी दस्तावेज देने से रोकने का निर्देश देता है।

जानकारी

बार-बार डकार आ रही है तो हो सकती ये गंभीर बीमारी

डकार लेना एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है की हमने जो भोजन किया वह हजम हो जाने का डाकार एक संकेत होता है, लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं है, दरअसल जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार लेने का मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। जब हम हवा निगल लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि, लेकिन अगर डकार ज्यादा आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा। ऐरोफेजिया होने पर अक्सर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

पुरानी कब्ज या बदहजमी की समस्या

कई अध्ययन इस बात को बता चुके हैं कि जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाजमा खराब होना, जिसे हम बदहजमी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कारण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित एवं बड़ा बदलाव या तनाव बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज

कई बार गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज (जीइआरडी) या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी में आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूड पाइप) में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खान-पान और जीवनशैली में कई सकारात्मक एवं स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम या पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ एवं दस्त आदि हो सकते हैं। इसके साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी होता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारें आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

बिना बीमार पड़े कैसे लें बारिश का मजा?

बारिश नहीं लाएगी बीमारी

बारिश में भीगना अच्छा लगता है, मगर कई बार बारिश का पानी आपको बीमार भी बना देता है। आमतौर पर बरसात के मौसम में बैक्टीरियल और वायरल बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। पानी में भीगने पर अगर आप छोटी-छोटी गलतियां करें, तो बुखार, जुकाम और शरीर दर्द जैसी सामान्य समस्याओं का खतरा ज्यादा होता है। इस बारिश में अगर आप खुलकर बारिश का मजा लेना चाहते हैं, तो ये 8 मानसून हेल्थ टिप्स ध्यान में रखें।

पहली बरसात से बचें

हम अकसर पहली बारिश का लुत्फ उठाना चाहते हैं, लेकिन चिकित्सकों की मानें तो पहली बरसात स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं होती। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होने का खतरा बढ़ सकता है, बल्कि त्वचा संबंधी बीमारियां भी हो सकती हैं। रैशेज, मुंहासे जैसी समस्याओं का अक्सर पहली बरसात में भीगने से सामना करना पड़ता है। इसके पीछे एक वजह यह है कि बरसता की पहली फुहार प्रदूषित होती है, जिसका सीधा सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है।

ज्यादा देर तक भीगे कपड़े न पहनें

अब चूंकि आप बरसात में भीगने का आनंद उठा ही चुके हैं तो सावधानी के तौर पर जितना जल्दी हो सके भीगे कपड़े निकाल दें। कहने का मतलब यह है कि ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें। हम जितना अधिक भीगने से बीमार पड़ते हैं, उससे कही ज्यादा भीगे कपड़े में रहने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। अतः ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें।

पैरों को अच्छी तरह धोएं

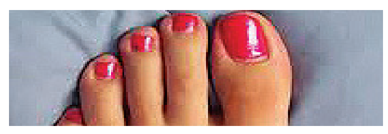

बरसात में सबसे ज्यादा हमारे पैरों की अंगुलियां प्रभावित होती हैं। यह बड़ी अटपटी बात है कि हम अक्सर नहाते हुए पूरे शरीर को साफ करते हैं; लेकिन पैरों की अनदेखी कर देते हैं। यह सही नहीं है। बेहतर यही है कि पैरों को अच्छी तरह धोएं। दरअसल बरसात में भीगने के कारण पैरों की अंगुलियां ठिठुर जाती हैं। यहां तक कि भीगने की वजह से सफेद तक पड़ जाती है। अगर सही से इनकी सफाई न की गई और सूखे कपड़े से इन्हें न पोछा गया तो इसमें फंगस जैसी बीमारी लगने की आशंका बढ़ सकती है।

भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाएं

निःसंदेह भीगते हुए मजा बहुत ज्यादा आता है, लेकिन भीगने के तुरंत बाद ठंड भी लगती है। इसलिए भीगने के बाद ठंडे पानी से नहाना समझदारी नहीं है। इससे आपके शरीर में ठंड बैठ सकती है, जिससे कि आपको बुखार, जुकाम, सिरदर्द, बदनदर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अतः बरसात की फुहार में भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाने का मजा उठाएं।

एंटीसेप्टिक साबुन का इस्तेमाल करें

शायद आपको ज्ञात हो कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। किटाणुओं से बचने के लिए यह जरूरी है कि आप एंटीसेप्टिक साबुन का उपयोग करें। अगर आप घर में एंटीसेप्टिक साबुन नहीं रखते तो नहाने के पानी में डेटोल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इससे आप किटाणुओं के संपर्क में आने से बच सकते हैं।

ड्रायर का उपयोग करें

यह बात खासकर महिलाओं पर लागू होती है। दरअसल उनके बाल लंबे होते हैं। बरसात में भीगने के बाद शरीर ठंड के कारण कंपकपाहट से भर जाता है। इसके बाद यदि जल्द से जल्द बाल न सुखाए गए तो शरीर में ठंड बैठ सकती है। छाती में दर्द या सिरदर्द भी हो सकता है। इसलिए बालों को जल्द से जल्द सुखाने का प्रबंध करें।

मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करें

त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए मोएस्चराइजर का इस्तेमाल लाभकारी सिद्ध होता है। जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। नहाने के बाद यदि मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न किया जाए तो हो सकता है कि त्वचा रूखी हो जाए। इसके अलावा कुछ त्वचा संबंधी बीमारियां भी दस्तक दे सकती हैं। इनसे बचने के लिए मोएस्चराइजर बेहतर विकल्प है।

मसाला चाय का सेवन करें

बरसात में भीगने के बाद चाय की ललक भला किसे नहीं लगती? सबको लगती है, लेकिन साधारण चाय बरसात के दिनों में फायदा नहीं पहुंचाती। भीगने के तुरंत बाद आपको चाहिए कि मसाला चाय पिएं। इससे सर्दी, जुकाम आने से पहले ही रफूचक्कर हो जाते हैं।

सुझाव

ज्यादा देर तक धूप में रहने से हो सकता है पिगमेंटेशन डिसऑर्डर

मैलेनिन एक पिगमेंट है जिसे त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न किया जाता है और जो किसी व्यक्ति की नेचुरल त्वचा टोन के लिए जिम्मेदार होता है। जब किसी बीमारी या चोट आदि के कारण त्वचा सेल्स डैमेज या अस्वस्थ हो जाती हैं तो मैलेनिन का उत्पादन प्रभावित होता है। पिगमेंटेशन डिसऑडर्स में या मैलेनिन के अति उत्पादन (हाइपर पिगमेंटेशन) से त्वचा का रंग नार्मल त्वचा टोन से ज्यादा गाढ़ा हो जाता है या मैलेनिन का उत्पादन कम हो जाने (हाइपो पिगमेंटेशन) के कारण त्वचा का रंग हल्का पड़ जाता है। जहां कुछ पिगमेंटेशन डिसऑडर्स त्वचा की सतह पर पैचेज के रूप में नजर आते हैं वहीं दूसरे पूरे शरीर पर असर दिखा सकते हैं।

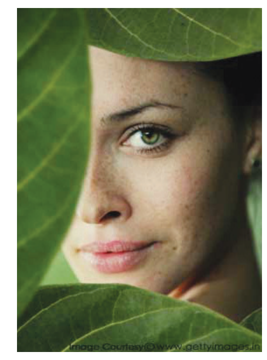

पिगमेंटेशन के लक्षण

त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑडर्स के विभिन्न प्रकारों के कारण लक्षण भिन्न हो सकते हैं। रंजकहीनता (अल्बिनिज्म) को किसी व्यक्ति की आंखों, त्वचा और बालों के रंग की जांच करके पता किया जा सकता है। अल्बिनिज्म मैलेनिन की नमौजूदगी से होता है और यह जेनेटिक समस्या है इसलिए त्वचा और बालों का एक समान हल्का रंग पूरे शरीर पर दिखता है। जब त्वचा के रंग में बदलाव पैचेज के रूप में हो तो वह महत्वपूर्ण लक्षण हो सकता है।

पिगमेंटेशन के कारण

- धूप में ज्यादा देर तक रहने से यानी सन एक्सपोजर के कारण।
- औषधि प्रतिक्रिया होने की वजह से भी पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है।
- यह एक जेनेटिक बीमारी है, जो पारिवारिक भी हो सकती है।
- यह व्यक्ति की प्रतिरोधी क्षमता के कारण भी हो सकती है।
- शरीर में जब हार्मोनल बदलाव होते हैं, तब यह समस्या हो सकती है।
- यदि कहीं चोट लगती है तो उसके कारण भी यह हो सकता है।

जोखिम के कारण

त्वचा पिगमेंटेशन की आनुवंशिक प्रवृत्ति (जेनेटिक टेंडेंसी) या ऐसा पारिवारिक इतिहास भी इसका जोखिम बढ़ाता है। अब तक इस मामले में ज्ञात प्रमुख जोखिम कारणों में जेनेटिक यानी आनवांशिक प्रवृत्ति को प्रमुख माना गया है। यदि आपके परिवार में पहले से किसी को यह समस्या है तो यह आपको भी हो सकती है।

इसका उपचार

- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑडर्स का निदान करने के लिए किसी व्यक्ति के विजुअल एग्जामिनेशन के अलावा कई बार वुड्स लैंप या ब्लैक लाइट टेस्ट (डर्मेटोलॉजिकल डायग्नोस्टिक टूल) का उपयोग किया जा सकता है ताकि पिगमेंटेशन से कुछ विशेष त्वचा कंडीशन्स का डायग्नोज किया जा सके।
- त्वचा कैंसर की जांच के लिए बायोप्सी की जाती है, जिसमें प्रभावित त्वचा के एक छोटे टुकड़े का अध्ययन माइक्रोस्कोप से किया जाता है।
- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑडर्स से प्रभावित सभी लोगों को यह सलाह है कि वे धूप में ओवर एक्सपोजर से खुद को बचाने के लिए अच्छी तरह ढंकने वाले कपड़े पहनें, सनस्क्रीन का उपयोग करें और धूप तीखी होने के दौरान बाहर जाने से बचें।
- त्वचा लाइटनिंग या त्वचा ब्लीचिंग एजेंट्स त्वचा का रंग हल्का करने में मदद कर सकते हैं (हाइपर पिगमेंटेशन डिसऑडर्स) हाइड्रोक्विनोन या ट्रेटिनायन युक्त लगाने की क्रीमें और लगाने की स्टेरॉयड क्रीमें कुछ प्रकार के हाइपर पिगमेंटेशन का असर घटाने में सहायक हो सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) — कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2577

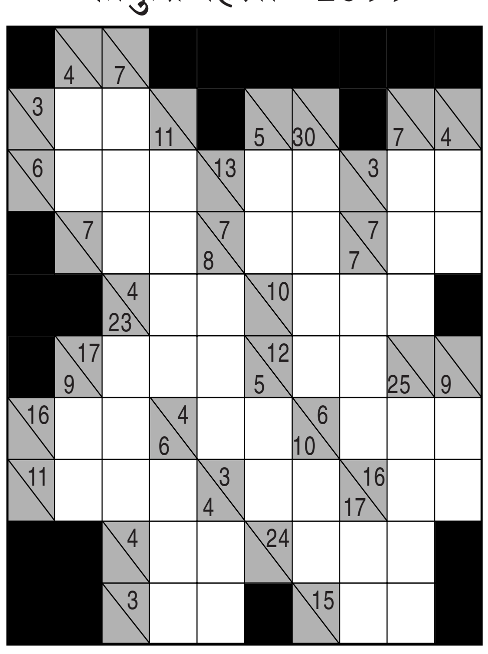

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2576 का हल

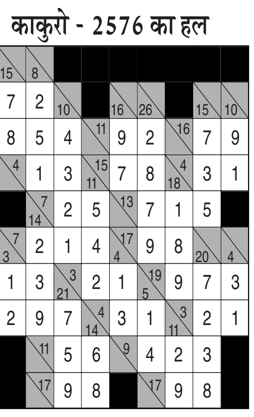

लॉफिंग ज़ोन

राकेश (सुनील से)- यार, तुम्हारी बीवी को जब गुस्सा आता था तो वह काटना शुरूकर देती थी. अब काटती है या नहीं?

सुनील (राकेश)- नहीं.

राकेश (सुनील)- क्यों क्या उसे अब गुस्सा नहीं आता?

सुनील (राकेश)- ऐसी बात नहीं है. गुस्सा तो आता है, पर अब दांत नहीं रहे.

☺ ☺ ☺

भाषणकर्ता - धीरज रखना बहुत बड़ा गुण है. इससे बडे-बडे काम हो सकते हैं.....

एक श्रोता - इससे छलनी में पानी नहीं भरा जा सकता.

भाषणकर्ता - क्यों नही भरा जा सकता? सिर्फ पानी के जम जाने तक हमें धीरज रखना होगा.

☺ ☺ ☺

एक नाई बहुत तेज धार वाले उस्तरे से शेव कर रहा था. उसने ग्राहक से पूछा- आप कितने भाई है?

ग्राहक - तुम्हारे उस्तरे से बच गये तो चार होंगे, वरना तीन ही समझो!

☺ ☺ ☺

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैनेजर ने काम समझा दिया है न?

चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होंने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर में आएं तब मैं उन्हें जगा दिया करुं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2577

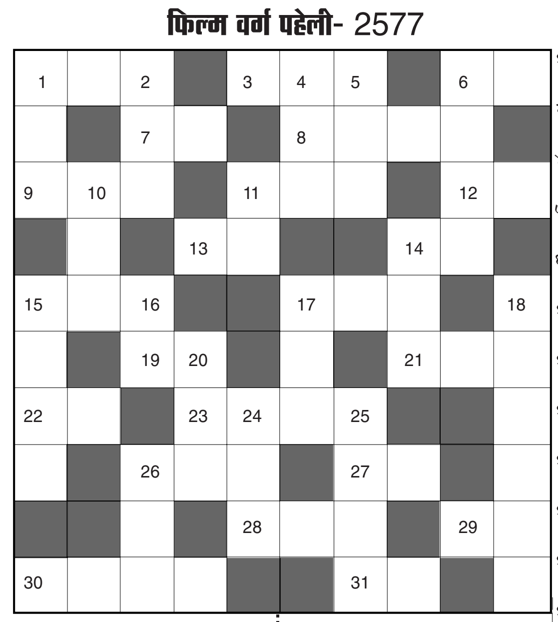

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 2576

सूडोकु -2577

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2576 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2577

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -2576 का हल

मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ पर यूपी एफएसडीए का प्रहार, उज्जैन में नकली दवा सिंडिकेट का भंडाफोड़

एजेंसी

लखनऊ/उज्जैन। नकली और अवैध दवाओं के कारोबार के खिलाफ उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) का अभियान अब प्रदेश की सीमाओं से बाहर सक्रिय सिंडिकेट तक पहुंच रहा है। लखनऊ में दर्ज नकली दवाओं के एक मामले की कड़ियां खंगालते हुए यूपी एफएसडीए और पुलिस की टीम मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंची, जहां स्थानीय औषधि प्रशासन, आयुष विभाग और पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में अंतर्राज्यीय नकली दवा सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया गया। जांच में सामने आया कि आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण के लाइसेंस की आड़ में एलोपैथिक दवा LEVERA-500 का अवैध निर्माण किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच और पूछताछ में करीब 4.80 लाख टैबलेट यानी लगभग 32 हजार स्ट्रिप्स तैयार कर हरिद्वार भेजे जाने की बात भी सामने आई है। इस अंतर्राज्यीय नेटवर्क की परतें लखनऊ के थाना अमीनाबाद में दर्ज एफआईआर की विवेचना के दौरान खुलीं।

ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट 2026 की प्रोविजनल आंसर की जारी, 5 सितंबर तक दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

नई दिल्ली। ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट 2026 में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए अहम अपडेट है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा की प्रोविजनल आंसर की जारी कर दी है। उम्मीदवार अब अपने उत्तरों का मिलान आंसर की से कर सकते हैं और किसी उत्तर पर आपत्ति होने की स्थिति में ऑनलाइन चुनौती दर्ज करा सकते हैं। एनटीए के शेड्यूल के अनुसार, आंसर की पर आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया 3 सितंबर से शुरू हो चुकी है और 5 सितंबर 2026 की रात 11:59 बजे तक चलेगी। उम्मीदवारों को निर्धारित समय सीमा के भीतर ही अपनी चुनौती दर्ज करानी होगी। प्रत्येक प्रश्न पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 200 रुपये का शुल्क देना होगा। चुनौती का शुल्क भी 5 सितंबर की रात 11:59 बजे तक जमा करना अनिवार्य है। निर्धारित समय के बाद किसी भी चुनौती को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उम्मीदवार ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट के आधिकारिक पोर्टल के जरिए प्रोविजनल आंसर की देख सकते हैं और ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

बाढ़ की समस्या का कराएंगे स्थायी समाधानः सीएम योगी

फर्रुखाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ का स्थायी समाधान कराने के लिए आश्वस्त करते हुए कहा कि मां गंगा के उफान से पानी का फैलाव हो रहा है। इससे फसल का काफी नुकसान हुआ। सरकार ने 9 वर्ष में सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। जनप्रतिनिधियों के मुताबिक बाढ़ की समस्या का समाधान करने के लिए गंगा नदी की ड्रेजिंग कर उसे चैनलाइज करना होगा। सिल्ट को बाहर तटबंध के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह परियोजना यहां की आवश्यकता है। नदी के चैनलाइज होने से फसल बचेगी और स्थानीय लोगों को भी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण कर फर्रुखाबाद की बाढ़ प्रभावित सदर, कायमगंज व अमृतपुर तहसीलों में बाढ़ के हालात देखे। इसके पश्चात पुलिस लाइन में 1000 परिवारों को बाढ़ राहत सामग्री का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से कई परिवारों को राहत सामग्री, आश्रयहीन परिवारों को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र तथा आपदा मोचक निधि से राहत राशि भी दी। उन्होंने पीड़ित परिवारों से संवाद कर उनका दुख साझा किया और विश्वास दिलाया कि सरकार हर दुख-दर्द में आपके साथ खड़ी है।

बाराबंकी में पांच मरीज मिलने के बाद स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में स्वाइन फ्लू के पांच मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। इनमें एक जेल अधिकारी भी शामिल हैं। सभी संक्रमित मरीजों का इलाज लखनऊ में चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। मामले सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। बाराबंकी के डिप्टी सीएमओ डॉ. लव गुप्ता ने बातचीत के दौरान कहा कि स्वास्थ्य विभाग स्वाइन फ्लू को लेकर पूरी तरह गंभीर है और हर स्तर पर तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह से तैयार हैं और सभी सीएचसी पर दवाइयां उपलब्ध हैं। जिला अस्पताल में बच्चों के टीकाकरण के लिए भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सभी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और सभी जरूरी एडवाइजरी जारी कर दी गई है। '

भाजपा शासित राज्यों के जल शक्ति मंत्रियों की दो दिवसीय 'जल मंथन' कार्यशाला का समापन

'इस प्रकार की कार्यशालाओं का उद्देश्य केवल विचार-विमर्श नहीं, बल्कि राज्यों के सफल अनुभवों का आदान-प्रदान कर बेहतर मॉडल तैयार करना है'

सुशासन और जल प्रबंधन पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित भाजपा शासित राज्यों के जल शक्ति मंत्रियों की दो दिवसीय 'जल मंथन' कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में भाजपा शासित 14 राज्यों के 25 जल शक्ति मंत्रियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि देश के विकास, किसानों की समृद्धि और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का आधार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण, जल सुरक्षा और हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं और अब इन प्रयासों को राज्यों में और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारों की पहचान सुशासन, पारदर्शिता और परिणामोन्मुखी कार्यशैली है। जल शक्ति से जुड़े विभागों के मंत्रियों

की जिम्मेदारी केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भी है। इसके लिए प्रशासनिक दक्षता, तकनीक का उपयोग और संगठन तथा सरकार के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। नितिन नवीन ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं का उद्देश्य केवल विचार-विमर्श नहीं, बल्कि राज्यों के सफल अनुभवों का आदान-प्रदान कर बेहतर मॉडल तैयार करना है, ताकि जल प्रबंधन, सिंचाई, पेयजल और स्वच्छता से जुड़े कार्यों में तेजी लाई जा सके और जनता को बेहतर परिणाम मिलें। दो दिवसीय कार्यशाला में तीन सत्र रहे। इसमें 'इफेक्टिव मिनिस्टीरियल एस्टैब्लिशमेंट', 'व्हाट इज़ द इंडिया वॉटर स्टोरी' तथा संगठन और सरकार के बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने मंत्रियों को प्रभावी प्रशासन, जल संसाधन प्रबंधन और नीति क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। इसके साथ 14 राज्यों के मंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिले। कार्यशाला के समापन के साथ भाजपा ने जल संरक्षण और सुशासन के क्षेत्र में राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा जल शक्ति से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संकल्प को दोहराया। इस मौके पर पार्टी महासचिव संगठन बी एल संतोष, केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल मौजूद रहे।

फ़िल्म हनुमान अंश के गायक सुनील लोधी को प्रोत्साहित करेगी मप्र सरकार : मोहन यादव

सागर के युवा बुंदेली गायक लोधी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से की सौजन्य भेंट

एजेंसी

भोपाल। उदीयमान युवा बुंदेली गायक सागर निवासी सुनील लोधी ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से समत्व भवन (मुख्यमंत्री में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गायक लोधी को राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग देने की बात कही। गायक सुनील लोधी जन्म से ही दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म हनुमान अंश के लिए बुंदेली में गीत गाया है, जो तेजी से लोकप्रिय हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुनील लोधी को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शाबासी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा श्रेष्ठ कलाकारों को आगे बढ़ने के लिए अधिक से अधिक अवसर देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए हर संभव

सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सुनील लोधी और उनके माता पिता का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि दृष्टिबाधित युवा गायक सुनील लोधी को एक लाख रुपये की सम्मान निधि भी प्रदान की जाएगी।

पेंगुइन इंडिया के इनकार के बाद सोनिया गांधी की आत्मकथा अब हार्परकॉलिन्स छापेगा

10 नवंबर से बाजार में होगी बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित आत्मकथा को लेकर लंबे समय से जारी इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। उनकी संस्मरणात्मक पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' को भारत में हार्परकॉलिन्स इंडिया प्रकाशित करेगा। प्रकाशक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी है। हार्परकॉलिन्स इंडिया ने अपनी घोषणा में बताया कि सोनिया गांधी की यह पुस्तक 10 नवंबर 2026 को भारत में प्रकाशित की जाएगी। पुस्तक को लंबे समय से प्रतीक्षित राजनीतिक संस्मरणों में से एक बताया जा रहा है। इसमें सोनिया गांधी के जीवन, निजी अनुभवों और भारत से उनके जुड़ाव को करीब से समझने का मौका मिलने की उम्मीद है। प्रकाशक के मुताबिक, 'बिलॉन्गिंग' प्रेम, पहचान, कर्तव्य और अपनत्व जैसे विषयों के इर्द-गिर्द बुनी गई एक निजी और भावनात्मक कहानी है। पुस्तक में भारत की यात्रा और उसके विकास को सोनिया

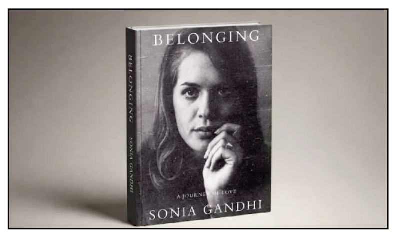

गांधी के अनुभवों और दृष्टिकोण से देखने की कोशिश की गई है। किताब को लेकर प्रकाशक का दावा है कि यह भारत के राजनीतिक और सामाजिक बदलावों को एक ऐसे नजरिए से प्रस्तुत करेगी, जो पाठकों को देश की यात्रा को अलग तरीके से समझने का अवसर देगा। सोनिया गांधी भारतीय राजनीति में लंबे समय से प्रभावशाली भूमिका में रही हैं, इसलिए उनके संस्मरण को लेकर राजनीतिक और साहित्यिक जगत में भी काफी रुचि बनी हुई है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा को लेकर पहले भी काफी चर्चा हो चुकी है। इसकी वजह किताब का प्रकाशन विवाद भी रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पेंगुइन इंडिया ने सोनिया गांधी की आत्मकथा प्रकाशित करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पुस्तक के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे थे। अब हार्परकॉलिन्स इंडिया द्वारा इसे प्रकाशित करने की घोषणा के बाद पुस्तक के बाजार में आने का रास्ता साफ हो गया है। 10 नवंबर 2026 को इसके प्रकाशित होने के साथ ही सोनिया गांधी के संस्मरण से जुड़े कई पहलुओं पर सार्वजनिक चर्चा और तेज होने की संभावना है।

महाराष्ट्र में त्योहारों के लिए एफडीए का 'फेस्टिव इम्प्लीमेंटेशन कैलेंडर' शुरू

मिठाई, खाद्य तेल, ऑनलाइन बिक्री और सामुदायिक भोज की होगी विशेष निगरानी

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में त्योहारों, मेलों और बड़े सार्वजनिक आयोजनों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने और लोगों को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के लिए महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सालभर लागू रहने वाला 'फेस्टिव इम्प्लीमेंटेशन कैलेंडर' शुरू किया है। इसके तहत त्योहारों और समारोहों को राज्य, क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर की तीन श्रेणियों में बांटकर जोखिम के आधार पर खाद्य सुरक्षा अभियान चलाया जाएगा। एफ डीए आयुक्त तुकाराम ने बताया कि नई व्यवस्था पहले त्योहारों से पहले जारी किए जाने वाले अलग-अलग अस्थायी आदेशों की जगह लेगी। अब अधिकारियों को पूरे वर्ष एक समान व्यवस्था के तहत निरीक्षण और नमूना जांच की योजना बनानी होगी। एफडीए का खाद्य सुरक्षा अभियान चार चरणों में संचालित होगा। पहले

चरण में त्योहार से 21 से 15 दिन पहलेः संभावित जोखिमों की मैपिंग, सूचना एकत्र करने, टीमों की तैनाती और प्रयोगशालाओं में जांच की तैयारी की जाएगी। दूसरे चरण में त्योहार से 14 दिन से एक दिन पहले तक उत्पादन केंद्रों, थोक बाजारों, कोल्ड स्टोरेज और खाद्य पदार्थों के परिवहन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों का निरीक्षण किया जाएगा। जरूरत के अनुसार रात में भी जांच की जाएगी। तीसरे चरण में त्योहार के दौरान बाजारों और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करने के साथ 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' मोबाइल टेस्टिंग वैन का इस्तेमाल किया जाएगा। उपभोक्ताओं से मिलने वाली शिकायतों पर भी तत्काल कार्रवाई की जाएगी। चौथे चरण में त्योहार के बाद 30 दिन तक प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई, कानूनी प्रक्रिया, जब्त खाद्य पदार्थों के सुरक्षित निपटान और अंतिम रिपोर्ट तैयार करने का काम किया जाएगा। तुकाराम मुंडे ने बताया कि एफडीए ने त्योहारों के दौरान 11 उच्च-जोखिम वाली खाद्य श्रेणियों की पहचान की है। इनमें व्रत का भोजन, दूध और दुग्ध उत्पाद, मिठाइयां, खाद्य रंग, चांदी का वर्क, खाना पकाने का तेल, ऑनलाइन बिकने वाले खाद्य पदार्थ और त्योहारों के गिफ्ट पैक शामिल हैं।

संघ की दृष्टि में नारी समाज को दिशा देने वाली शक्ति और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण धुरी : शोभा विजेंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। भुवनेश्वर में उत्कल बिपन्न सहायता समिति ने दिल्ली की लेखिका एवं समाजसेविका डॉ. शोभा विजेंद्र द्वारा रचित पुस्तक शतायु संघ और महिला सहभागिता पर आज विचारोत्तेजक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, ओडिशा की उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. स्मरप्रिया मिश्रा सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय स्त्री शक्ति की राष्ट्रीय सहसचिव चंदना दास ने की और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय सह संयोजक कुटुंब प्रबोधन गतिविधि सह प्रांत संघचालक मनसुख सेठिया इस अवसर पर उपस्थित रहे। इतिहास डॉ. शोभा विजेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि संघ को लेकर महिलाओं की भूमिका के संबंध में कई भ्रांतियां और नैरेटिव लंबे समय से प्रचारित किए जाते रहे हैं, जबकि इतिहास

और संघ के विचार इसके विपरीत एक अलग तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने 1936 में वंदनीय लक्ष्मीबाई केलकर जी और डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी के संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी आत्मीय सहयोग से राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि संघ की दृष्टि में नारी केवल परिवार की भूमिका तक सीमित नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली शक्ति और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण धुरी है। विभिन्न सरसंघचालकों के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं की सहभागिता को सदैव सम्मान, नेतृत्व और राष्ट्रहित से जोड़ा गया है। पुस्तक 'शतायु संघ और महिला सहभागिता' का उद्देश्य भी इन्हीं तथ्यों और अनुभवों के माध्यम से प्रचलित भ्रांतियों को दूर कर संघ में महिला सहभागिता के वास्तविक स्वरूप को सामने रखना है।

पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम गायब

चिदंबरम ने ली चुटकी

एजेंसी

नई दिल्ली/ चंडीगढ़: पंजाब में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी SIR अभियान के तहत जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम भी ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटाए गए नामों में शामिल है। सूची में उनके नाम के सामने 'Permanently Shifted' यानी 'स्थायी रूप से स्थानांतरित' दर्ज किया गया है। इसके बाद चड्ढा ने इस कार्रवाई की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए पंजाब सरकार पर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। मामले ने उस समय और राजनीतिक रंग ले लिया, जब पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर राघव चड्ढा को लेकर तंज कसा। उन्होंने स्ढ्ढक्रप्रक्रिया के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने का भी उल्लेख किया।

चिदंबरम ने X पर क्या लिखा?

पी. चिदंबरम ने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्होंने अपने दोस्त

राघव चड्ढा को 'भारत का गैर-मतदान नागरिक' बनने पर बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चड्ढा अकेले नहीं हैं और देश की वयस्क आबादी के करीब 10 प्रतिशत लोगों को चुनाव आयोग ने गैर-मतदान नागरिक घोषित कर दिया है। चिदंबरम की यह टिप्पणी पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में चड्ढा का नाम नहीं होने और SIR के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने के संदर्भ में आई है। इससे इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई है।

वोटर लिस्ट में चड्ढा के नाम के आगे क्या लिखा है?

चुनाव आयोग की ओर से 13 अगस्त 2026 को जारी पंजाब की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राघव चड्ढा के नाम के सामने 'Permanently Shifted' दर्ज किया गया है। इसके साथ उनका नाम ASDD यानी अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट मतदाताओं की सूची में शामिल किया गया है। SIR प्रक्रिया के तहत पंजाब में अब तक 20.66 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए जाने की जानकारी सामने आई है। यह संख्या पुनरीक्षण से पहले राज्य के कुल मतदाताओं की करीब 9.7 प्रतिशत बताई जा रही है।

चड्ढा ने प्रक्रिया पर उठाए सवाल

राघव चड्ढा ने मोहाली में दर्ज अपने मतदाता पहचान पत्र का हवाला देते हुए पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। उनका आरोप है कि उन्हें 'स्थायी रूप से स्थानांतरित' के तौर पर चिह्नित करने में राज्य के प्रशासनिक तंत्र और पुलिस का इस्तेमाल किया गया। चड्ढा ने कहा कि इसे महज लिपिकीय गलती मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें स्थानांतरित के रूप में किसने दर्ज किया, उस श्रेणी का सत्यापन किसने किया और पूरी प्रक्रिया को आगे किसने बढ़ाया। चड्ढा के मुताबिक, बूथ लेवल ऑफिसर यानी BLO से लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी यानी CEO के स्तर तक कई अधिकारी इस प्रक्रिया से जुड़े होते हैं।

मुझे कोई डरा नहीं सकता : सीएम रेवंत रेड्डी

मैं सिर्फ दोस्ती का गुलाम हूं, फ्लाईओवर उद्घाटन पर बोले सीएम

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि कोई भी उन्हें डरा-धमका नहीं सकता और वह किसी के गुलाम नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कोई डरा-धमका नहीं सकता और उनसे सिर्फ दोस्ती के जरिए ही काम करवाया जा सकता है। हैदराबाद के पुराने शहर में एक फ्लाईओवर का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे कोई डरा नहीं सकता। आप मुझे सिर्फ दोस्ती से जीत सकते हैं। दोस्ती के लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूं। मैं किसी का गुलाम नहीं हूं। मैं सिर्फ दोस्ती का गुलाम हूं। '

उनके ये बयान कोंडा सुरेखा द्वारा उन पर कांग्रेस आलाकमान को ब्लैकमेल करके उन्हें कैबिनेट से हटवाने का आरोप लगाने के कुछ घंटों बाद आए। आलाकमान की मंजूरी के बाद, मुख्यमंत्री ने उन्हें मंत्रिपरिषद से हटाने का फैसला किया और राज्यपाल को पत्र भेजा। रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा कि उनका राजनीतिक करियर अभी लंबा है। उन्होंने लोगों से कहा, 'मुझे अगले 25 सालों तक आपके बीच रहना है। मैं राजनीति में वापस जाने के लिए नहीं आया हूं। ' मुख्यमंत्री ने कहा कि असदुद्दीन ओवैसी के साथ उनकी व्यक्तिगत दोस्ती है। उन्होंने एआईएमआईएम प्रमुख की उस सलाह पर भी प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्हें अपने आक्रामक राजनीतिक अंदाज को दिखाने के लिए कहा गया था।उन्होंने कहा, 'विपक्ष में रहते हुए आप

आक्रामक हो सकते हैं, लेकिन सत्ता में रहने पर आपकी जिम्मेदारी होती है। आपको नरम रहना होगा और सबको साथ लेकर चलना होगा। 'उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के तौर पर वे सिर्फ 'घूरकर' ही कई काम करवा सकते हैं, लेकिन वे लोगों का दिल जीतकर और सबको साथ लेकर काम करवाना पसंद करेंगे। इस मौके पर अपने भाषण के दौरान ओवैसी ने एक अहम बात भी कही कि एआईएमआईएम सरकार का समर्थन सिर्फ रेवंत रेड्डी की वजह से कर रही है, न कि कांग्रेस पार्टी की वजह से। सांसद ने पुराने शहर में विकास कार्यों के लिए फंड जारी करने और मंजूरी देने के लिए रेवंत रेड्डी का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि चंचलगुडा-संतोषनगर स्टील फ्लाईओवर की आधारशिला पिछली बीआरएस सरकार ने रखी थी, लेकिन काम रेवंत रेड्डी द्वारा फंड जारी करने के बाद ही शुरू हुआ। मुख्यमंत्री ने 620 करोड़ रुपए की लागत से बने 3.32 किलोमीटर लंबे, चार-लेन वाले चंचलगुडा-संतोषनगर स्टील फ्लाईओवर का उद्घाटन किया।

योगी सरकार प्रदेशभर में चलाएगी 'सेवा संकल्प अभियान', गांव से महानगर तक होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा पूर्ण होने के अवसर को प्रदेशभर में जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ेगी। इसके लिए सरकार 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाने जा रही है। ग्राम और न्याय पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय तथा महानगरों तक एक महीने चलने वाले अभियान में जनसेवा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण से जुड़े व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार का जोर अभियान को सरकारी आयोजनों तक सीमित रखने के बजाय इसमें व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। योगी सरकार की मंशा 'सेवा संकल्प अभियान' के जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा से नागरिकों को परिचित कराने के साथ उन्हें 'विकसित भारत-2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने की है। इसके लिए कार्यक्रमों को जिला मुख्यालयों तक सीमित न रखकर न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत और नगरीय क्षेत्रों तक ले जाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर को योगी सरकार 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के साथ अभियान की शुरुआत करेगी। ग्राम पंचायतों से लेकर शहरों तक जनभागीदारी के साथ कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। अभियान के दौरान 'करोड़ों बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'घर-घर से राष्ट्र तक रंगोली', 'इनोवेशन चैलेंज' और 'जनसेवा महाकुंभ' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

एशियन गेम्स 2026

वीवीएस लक्ष्मण होंगे भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी आइची–नागोया एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच की भूमिका निभाएंगे । इसकी पुष्टि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय दल की घोषणा के साथ की । मंत्रालय की तरफ से घोषित 768 सदस्यीय भारतीय दल में 503 एथलीट, 246 टीम अधिकारी और सहयोगी स्टाफ तथा 19 स्टाफ दल के सदस्य शामिल हैं ।

नियमित हेड कोच गौतम गंभीर को वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट–बॉल सीरीज से पहले आराम दिया गया है । ऐसे में वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में पुरुष टीम की देखरेख करेंगे । मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, सुनील जोशी, ऋषिकेश कानितकर और सुभादीप घोष लक्ष्मण के साथ जुड़ेंगे, जबकि अमोल मजूमदार एशियन गेम्स में महिला टीम की कमान संभालेंगे । लक्ष्मण ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 सीरीज के दौरान भारतीय टीम की देखरेख की थी । ऐसा तब हुआ था जब इंग्लैंड के विरुद्ध व्हाइट–बॉल सीरीज के बाद गंभीर को आराम दिया गया था । भारतीय पुरुष और महिला टीमें एशियन गेम्स में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेंगी, क्योंकि उन्होंने 2022 हांग्जो खेलों में खिताब जीता था । ऋतुराज गायकवाड़ ने एशियन गेम्स में मुख्य रूप से दूसरी पंक्ति की भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाया था, जबकि हरमनप्रीत कौर ने महिला प्रतियोगिता में 'विमन इन ब्लू' को गोल्ड मेडल दिलाया था ।

इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट लिखकर जेको ने फुटबॉल को कहा अलविदा

नई दिल्ली । बोस्निया और हर्जेगोविना के दिग्गज खिलाड़ी और मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्टार एडिन जेको ने इंटरनेशनल फुटबॉल से रिटायरमेंट का ऐलान किया है । बोस्निया का यह स्टार खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए अपना आखिरी मैच 2 अक्टूबर को खेलेगा, जब उनकी टीम नेशंस लीग में स्वीडन का सामना करेगी । एडिन जेको ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक भावुक पोस्ट करते हुए कहा कि नेशनल टीम के लिए खेलना फुटबॉल से मिला सबसे कीमती तोहफा रहा है । 40 साल के इस खिलाड़ी ने अपने 20 साल के सफर के यादगार पलों को भी याद किया । जेको ने पोस्ट में लिखा, 'कभी–कभी मैं सोचता था कि यह पल कब आएगा, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये शब्द लिखते समय मैं इतना भावुक हो जाऊंगा । 2 अक्टूबर को मैं स्वीडन के खिलाफ अपनी नेशनल टीम के लिए अपना अगला और आखिरी मैच खेलूंगा । मेरे करियर में किसी भी चीज की तुलना उस गर्व से नहीं की जा सकती, जो मुझे हर बार उस जर्सी को पहनकर महसूस हुआ । कुछ भी नहीं । यह मेरा बचपन का सपना था । फुटबॉल के मैदान पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने वाले उन सभी 151 मैचों में मैं उस सपने को अपने साथ लेकर चला ।' जेको ने 20 साल पहले तुर्की के खिलाफ बोस्निया की जर्सी में खेले गए अपने पहले मैच को भी याद किया और कहा, 'तुर्की के खिलाफ खेले गए उस मैच को लगभग 20 साल बीत चुके हैं । उस दिन के बाद से बहुत कुछ बदल गया है, और मैं भी बदल गया हूं, लेकिन इस जर्सी के लिए मेरा प्यार कभी नहीं बदला ।' 40 साल के इस खिलाड़ी ने 151 मुकाबलों में कुल 73 गोल किए, जो बोस्निया और हर्जेगोविना के लिए रिकॉर्ड हैं । अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने टीम को दो वर्ल्ड कप तक पहुंचने में मदद की । 2014 में उन्होंने पहली बार अपने देश को वर्ल्ड कप में पहुंचाया, तो 2026 में टीम ने अंतिम 32 तक का सफर तय किया था । टीम में अनगिनत योगदान देने के बाद, जेको का मानना ह्यह्यहै कि अब पीछे हटने का सही समय है ।उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अब पीछे हटने का समय आ गया है ।

चाइना मास्टर्स

भारत के किदांबी श्रीकांत को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

यियू की चुनौती से नहीं पा सके पार

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चीन मास्टर्स सुपर 750 में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के ली चेक यियू से सीधे गेम में मिली हार से समाप्त हो गया। इस 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी ली चेक से 16-21, 16-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहते हुए फॉर्म में वापसी की झलक दिखाई थी।अब सेमीफाइनल में ली चेक का सामना फ्रांस के दूसरे नंबर पर काबिज क्रिस्टो पोपोव से होगा। श्रीकांत ने पिछले दौर में शानदार प्रदर्शन किया था, उन्होंने राउंड 16 में कनाडा के दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराया था। लेकिन ली चेक के खिलाफ उन्हें लंबे समय तक मुकाबले में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ा, खासकर तब जब पहले गेम के बीच में उन्होंने अपनी बढ़त और लय गंवा दी।

शुरुआती बढ़त बनाने के बाद गंवाई लय

श्रीकांत ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन ली चेक ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली। हांगकांग के खिलाड़ी ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर छह अंकों की शानदार बढ़त बनाते हुए स्कोर 14-6 कर दिया। श्रीकांत ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतर काफी बड़ा हो चुका था। ली चेक ने धैर्य बनाए रखा और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में मुकाबला काफी कड़ा रहा। श्रीकांत ने एक बार फिर आक्रामक शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बनाई, लेकिन ली चेक ने लगातार अंक हासिल कर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद रैलियां लंबी होती गईं और दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतर बेहद कम रहा। बढ़त कई बार बदली और दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए 15-15 तक पहुंच गए।

जब ऐसा लगा कि श्रीकांत जीत के करीब पहुंच रहे हैं, तभी ली चेक ने अपनी गति बढ़ा दी। उन्होंने लगातार तीन अंक हासिल कर 18-15 की बढ़त बना ली और इसके बाद तीन और अंक लगातार जीतकर मुकाबला सीधे गेम में समाप्त कर दिया। 30 वर्षीय ली चेक ने मई में सिंगापुर ओपन में भी शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी को हराया था।

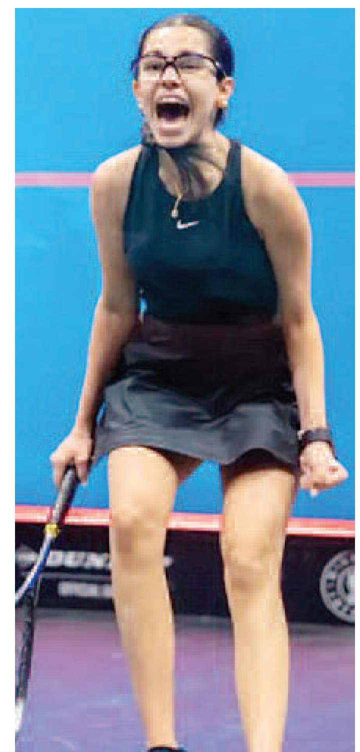

अनाहत सिंह पहुंची क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। महिला विश्व नंबर 20 अनाहत सिंह ने बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर 11 नेले गिलिस को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से शिकस्त दी। इसी के साथ अनाहत लंदन स्क्वाश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत ने 1,44,000 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड इवेंट के दूसरे दौर में आठवीं सीड गिलिस को 13-11, 4-11, 11-8 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला, जो टूर पर दोनों के बीच पहली भिड़ंत थी।18 वर्षीय अनाहत सिंह 2021 के बाद पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर 8 सीड गिलिस को हराया, जो पिछले साल लंदन क्लासिक के फाइनल में पहुंची थीं। 'एली पैली' में मौजूद दर्शकों को कई जबरदस्त रैलियां देखने को मिलीं। अनाहत ने पहला गेम जीता, लेकिन वापसी करती गिलिस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हालांकि, अनाहत अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट के पिछले हिस्से में रखने और 'टी' (कोर्ट का केंद्र) पर अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहीं। साथ ही, उन्होंने फ्रंट कॉर्नर पर सटीक शॉट खेलकर जीत हासिल की। अगले राउंड में अनाहत का मुकाबला 2024 की विनर शिवसंगरी सुब्रमण्यम से होगा, जिन्होंने नार्डिन गारस को हराया था।

मलयेशियाई खिलाड़ी ने दो साल पहले इसी वेन्यू पर अपना सबसे बड़ा खिताब जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 हानिया अल हम्मामी, आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर अल शेरबिनी और बेल्जियम की नेले गिलिस को हराया था और 11-5 से दो जीत के बाद, उनके एक बार फिर टूर्नामेंट में आगे तक जाने की अच्छी उम्मीद है। अनाहत सिंह और शिवसंगरी सुब्रमण्यम के बीच होने वाला मुकाबला यह संकेत दे सकता है कि एशियन गेम्स में क्या उम्मीद की जा सकती है, जहां स्क्वाश के पहले ओलंपियन तय किए जाएंगे।

भारत ने हांगकांग चीन पर दर्ज की एकतरफा जीत

नई दिल्ली। भारत ने महिला एशिया कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में हांगकांग चीन को 137 रनों से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत का अब अगला और ग्रुप स्टेज का तीसरा व आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 5 सितंबर को होगा। इस मैच में जीत के साथ भारत ग्रुप ए में आखिरी तक नंबर 1 रह सकता है।

इस मैच में भारत ने 194 रन का लक्ष्य रखा था और स्मृति मंधाना ने 64 गेंद पर 124 रन की पारी खेली थी। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके। वहीं नंदनी शर्मा, प्रेमा रावत और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले।

भारत ने बनाए 5 विकेट पर 193 रन

भारतीय टीम इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 193 रन बनाए। इसमें से अकेले 124 रन स्मृति मंधाना के थे। उनके अलावा 17 गेंद पर 28 रन शेफाली वर्मा ने बनाए। उनके और स्मृति के बीच पहले विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी हुई। हांगकांग चीन को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य मिला।

स्मृति ने ठोका शानदार शतक मिताली का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली । महिला एशिया कप 2026 के दूसरे मुकाबले में भारतीय उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने बेहतरीन शतक जड़ा । उनका टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा शतक था । इसी के साथ उन्होंने मिताली राज के एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है । उनके नाम अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन दर्ज हो गए हैं । उन्होंने मिताली के 10868 रन के रिकॉर्ड को अपने 302वें इंटरनेशनल मैच में तोड़ा ।मिताली राज ने अपने इंटरनेशनल करियर में 333 मैच खेलते हुए 10868 रन बनाए थे । वहीं स्मृति ने अपने करियर के 302वें मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली । अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं । इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं सूजी बेट्स । महिला एशिया कप में भी स्मृति सबसे ज्यादा 18 शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनीं । इस दौरान उन्होंने मिताली राज के महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर की भी बराबरी की ।

एशियाई खेल

निशानेबाज मनु भाकर ने मांगा था पिता का सहारा, पर नहीं मिली मंजूरी सिंधू को फिजियो का मिला साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेलों में पीवी सिंधू की फिजियो हीरा तो पहलवानों को तीन विदेशी प्रशिक्षकों को खेल मंत्रालय और साई के हस्तक्षेप पर अंतिम क्षणों में एशियाड के दल में जगह मिली है। कोच जसपाल राणा के निधन से टूटीं निशानेबाज मनु भाकर की पिता रामकिशन भाकर का सहारा देने की मांग को मंजूरी नहीं दी गई है।77 सदस्यीय एथलेटिक्स दल का सपोर्ट स्टाफ भी 23 से बढ़कर 31 हो गया। 244 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ, 33 फिजियोथेरेपिस्ट, 22 डॉक्टर, वीडियो एनालिस्ट, 10 मालिशिए व तीन साइकोलॉजिस्ट हैं। टेटे खिलाड़ी सुतीर्था मुखर्जी, लांग जंपर शाहनवाज खान, एंसी सोजन खिलाड़ियों की मांग पर उनके निजी प्रशिक्षकों को भी अंतिम क्षणों में जगह मिली है।

जापानी कोच होंगी पहलवानों के साथ

पीवी सिंधू ने एशियाई खेलों में अपनी फिजियो हीरा मुंदलुरु को ले जाने की गुहार लगाई थी । बैडमिंटन महासंघ ने नाम नहीं भेजा था, पर साई ने सिंधू की गुहार मान ली । कुश्ती महासंघ ने महिला विदेशी कोच जापान की कोसेई अकाइशी, ग्रीको रोमन कोच रूस के गोगी कोगुआशविली, फ्रीस्टाइल कोच शाको बेंटिनिडिस का नाम शामिल नहीं किया था, पर अब ये सूची में हैं । टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन, सिंड्रेला दास और सुतीर्था मुखर्जी ने निजी कोच सौम्यदीप रॉय का साथ मांगा था । इसे मंजूर कर लिया गया । शाहनवाज के कोच भूपिंदर सिंह और एंसी सोजन के कोच अनूप जोसेफ को भी दल में जगह मिली है ।जसपाल के निधन के बाद पहले बड़े टूर्नामेंट में उतर रहीं मनु भाकर मानसिक मजबूती के लिए पिता का साथ चाहती थीं । आईओए ने रामकिशन भाकर का नाम उनके निजी कोच के रूप में रखा, जिसे मंत्रालय व साई ने खारिज कर दिया ।

अभिषेक शर्मा का जन्मदिन

चार साल की उम्र में थामा बल्ला, सपना किया साकार

युवराज के मार्गदर्शन में निखरा खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अभिषेक की गिनती विश्व के सबसे तूफानी सलामी बल्लेबाजों में की जाती है। महज 25 साल की उम्र में ही अभिषेक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बड़े मुकाम हासिल कर चुके हैं। अभिषेक का जन्म चार सितंबर 2000 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। अभिषेक के पिता राजकुमार शर्मा खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे। यही वजह थी कि शुरुआत से ही घर में क्रिकेट से जुड़े उपकरण हमेशा मौजूद रहे।

पिता को देखकर अभिषेक को भी क्रिकेट से धीरे-धीरे लगाव होने लगा। महज चार साल की उम्र में अभिषेक अपने पिता का बल्ला उठाने का प्रयास किया करते थे, जिसके बाद उनके लिए पिता एक प्लास्टिक का बैट लेकर आए। बचपन में ही अभिषेक खूब अभ्यास किया करते थे। वह अपनी मां-बहनों से खुद को गेंदबाजी करने के लिए कहा करते थे। अभिषेक ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने का फैसला कर लिया। अभिषेक के पिता भारत के लिए नहीं खेल सके, लेकिन वह चाहते थे कि उनका बेटा टीम इंडिया की जर्सी में जरूर खेले। पिता के सपने को अभिषेक ने अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया।

2017 में प्रथम श्रेणी में किया डेब्यू

महज 16 साल की उम्र में पंजाब की ओर से खेलते हुए अंडर-16 स्तर पर अभिषेक ने एक सीजन में 1200 रन बनाए और 57 विकेट निकालने में भी सफल रहे, जिसके चलते उन्हें बीसीसीआई का नमन पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद अभिषेक ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2017 में उन्होंने पंजाब के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना डेब्यू किया। अभिषेक साल 2018 में अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे।अभिषेक का करियर और जिंदगी तब बदली, जब वह भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की शरण में पहुंचे। युवराज के मार्गदर्शन में अभिषेक का खेल दिन-प्रतिदिन निखरता गया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अभिषेक ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से खूब सुर्खियां बटोरी। उन्होंने इस सीजन 204 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 484 रन बनाए। इसी साल अभिषेक को टीम इंडिया की ओर से पहली बार बुलावा भी आया। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने करियर के दूसरे ही मैच में तूफानी शतक लगाया और हर किसी को अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया।

कौन हैं श्रिया रेड्डी

प्रभास और पवन कल्याण संग कर चुकी हैं काम

प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'महाकाली' का टीजर आ चुका है और इसने तहलका मचा दिया है। अक्षय खन्ना फिल्म में शुक्राचार्य का किरदार निभाते नजर आएंगे। अक्षय के अलावा फिल्म में श्रिया रेड्डी की भी दमदार झलक है। श्रिया का लुक देखने के बाद दर्शक यह जानने को उत्साहित हैं कि वे कौन हैं?

महाकाली में दिखा श्रिया का रौद्र अवतार

फिल्म 'महाकाली' के टीजर में श्रिया रेड्डी का महाकाली के रूप में रौद्र अवतार देखने को मिला है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है, जब श्रिया ने अपने किरदार से ध्यान खींच हो। इससे पहले भी वे 600 करोड़ी फिल्म का हिस्सा रही हैं और अपने किरदार से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। 48 वर्षीय श्रिया साउथ फिल्मों में काम कर चुकी हैं। चेन्नई में एक तेलुगु परिवार में जन्मीं श्रिया रेड्डी सिर्फ अदाकारा नहीं हैं, बल्कि वे रेडियो और वीडियो जॉकी भी रह चुकी हैं। इसके अलावा प्रोड्यूसर और टीवी प्रेजेंटर भी रही हैं। अपनी दमदार आवाज और व्यक्तित्व के बूते टीवी की दुनिया में उन्होंने अच्छी पहचान हासिल की। श्रिया तमिल और तेलुगु भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

प्रभास की फिल्म में जमा चुकी हैं रंग

'महाकाली' से पहले श्रिया प्रशांत नील की ही ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सलार पार्ट 1 - सीजफायर' में नजर आ चुकी हैं। 600 करोड़ से अधिक कलेक्शन जुटाने वाली 'सालार' में श्रिया को 'राधा राम मन्नार' के किरदार में देखा गया था। श्रिया ने साल 2002 में बालाजी शक्तिवेल की फिल्म 'समुराई' से एक्टिंग डेब्यू किया था। हालांकि, 'समुराई' में श्रिया ने बहुत छोटा सा किरदार निभाया। साल 2003 में वे 'अप्पुदापुडु' फिल्म में बतौर लीड हीरोइन नजर आईं। मगर, फिल्म चल नहीं पाई थी। फिर वे 'वेयिल' और 'कांचीवरम' जैसी फिल्मों में दिखीं।

इस पूर्व क्रिकेटर की बिटिया हैं श्रिया

एक्टिंग की दुनिया में आने का श्रिया का सफर काफी दिलचस्प है। वे एक प्रतिष्ठित खेल पृष्ठभूमि से आती हैं। पूर्व भारतीय टेस्ट क्रिकेटर भरत रेड्डी उनके पिता हैं। भरत रेड्डी ने 1978 से 1981 के बीच भारतीय क्रिकेट टीम के लिए कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्होंने दिनेश कार्तिक जैसे मशहूर भारतीय बल्लेबाज को भी शुरुआती दिनों में कोचिंग दी है।

श्रिया की निजी जिंदगी

श्रिया की निजी जिंदगी की बात करें तो उनकी शादी साउथ के एक बड़े फिल्मी परिवार में हुई है। साल 2008 में श्रिया ने तमिल सिनेमा के चर्चित निर्माता विक्रम कृष्णा से शादी की।

नए हॉरर प्रोजेक्ट से जुड़ सकती हैं अनीत

वरुण संग बनेगी जोड़ी

यशराज फिल्म्स को लेकर बीते दिन ही खबर आई कि वह अब उस जॉनर में कदम रखने जा रहा है, जिससे वह पिछले 5 दशकों में दूर रहा। स्पाई यूनिवर्स, रोमांस और एक्शन फिल्मों के बाद स्टूडियो अपनी पहली थिएट्रिकल हॉरर फिल्म की तैयारी में जुट चुका है। फिल्म में वरुण धवन तो पहले ही फाइनल हो चुके हैं। वहीं सूत्रों के मुताबिक, अब इसमें वरुण के अपोजिट 'सैयारा' फेम अनीत पड्डा की भी एंट्री होनी है। निर्देशन के लिए भी 'रकिट बॉयज' फेम अभय पन्नू का नाम पहले ही फाइनल है।

प्री-प्रोडक्शन और लोकेशन रेकी का काम आगे बढ़ रहा

वरुण के अपोजिट अनीत की कास्टिंग को बैनर की ओर से हालांकि अभी तक आधिकारिक नहीं किया गया है। कास्टिंग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अनीत का नाम लगभग है। फिल्म इस साल के आखिर तक फ्लोर पर जाने की तैयारी में है और 2027 में रिलीज का लक्ष्य रखा गया है। इसके प्री-प्रोडक्शन का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है और लोकेशन रेकी और लॉक करने की प्रक्रिया फाइनल स्टेज पर है।

YRF के लिए बड़ा जॉनर एक्सपेरिमेंट होगी फिल्म

आदित्य चोपड़ा लंबे समय से स्टूडियो के कंटेंट पोर्टफोलियो को विस्तार देने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसी रणनीति के तहत हॉरर जॉनर में एंट्री का फैसला लिया गया है। सूत्रों का ये भी कहना है कि फिल्म को पारंपरिक भूत-प्रेत वाली कहानी की बजाय साइकोलॉजिकल हॉरर और सुपरनैचुरल थ्रिलर के मिश्रण के रूप में डेवलप किया जा रहा है। हालांकि कहानी को लेकर टीम ने गोपनीयता बरत रखी है।

अनीत तेजी से बड़े बैनरों की पसंद बनकर उभरी हैं

मेकर्स फिल्म में वरुण और अनीत की बिल्कुल नई जोड़ी पेश करना चाहते हैं। अनीत हाल के दिनों में बड़े बैनरों की पसंद बनकर उभरी हैं और वरुण के साथ उनकी जोड़ी फ्रेश दिखेगी। स्टूडियो का मानना है कि हॉरर फिल्मों में नई जोड़ी दर्शकों पर अलग प्रभाव डालती है, इसलिए किसी इस नए कॉम्बिनेशन को चुना गया है। अभय भी अपनी रिसर्च और बारीकियों पर पकड़ के लिए फेमस हैं, इसी वजह से ङ्क्रश्च ने कमान उन्हें सौंपी है। शूटिंग स्टूडियो सेट और रियल लोकेशन, दोनों जगह होनी है। शुरुआती शूट मुंबई में हो सकता है, बाद में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान में भी शूटिंग हो सकती है।

वरुण-अनीत पहले से ही एक-एक हॉरर जोनर की फिल्मों से जुड़े हुए हैं

वरुण इससे पहले 'भेड़िया' में हॉरर-कॉमेडी स्पेस का हिस्सा बन चुके हैं। इसका दूसरा पार्ट भी आना है, जो मैडॉक फिल्म्स के तले बन रहा है। इसलिए YRF की यह फिल्म उनसे बिल्कुल अलग और गंभीर हॉरर परफॉर्मेंस की मांग करेगी। यह उनके करियर का पहला ऐसा प्रोजेक्ट होगा, जिसमें पूरी फिल्म हॉरर टोन पर आधारित होगी। वहीं अनीत की कास्टिंग को लेकर इसलिए भी खूब चर्चा है क्योंकि वह पहले से ही मैडॉक यूनिवर्स की ही 'शक्ति शालिनी' में लीड रोल में फाइनल हैं।

की एंड का के सीक्वल में नजर आ सकती हैं कियारा आडवाणी

इन दिनों कियारा आडवाणी अपनी फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। यश के साथ इस फिल्म में उनके किरदार और बोल्ड अंदाज ने खूब ध्यान खींचा है। इसी बीच उनकी अगली फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

बॉलीवुड में इन दिनों पुरानी फिल्मों के सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्मों का दौर चल रहा है। इसी कड़ी में अब साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'की एंड का' का नाम भी जुड़ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स करीब 10 साल बाद 'की एंड का 2' बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि फिल्म की कहानी पिछली फिल्म की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगी। इसके बजाय 'की' और 'का' नाम के किरदारों को रखते हुए एक बिल्कुल नई कहानी दिखाई जाएगी।

बताया जा रहा है कि फिल्म में 'की' के किरदार के लिए कियारा आडवाणी से संपर्क किया गया है। कियारा ने भी इस प्रोजेक्ट में दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि, अभी उन्होंने फिल्म साइन नहीं की है। वहीं, फिल्म में 'का' का किरदार निभाने वाले एक्टर की तलाश अभी जारी है। मेकर्स कियारा के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए एक सही अभिनेता की तलाश कर रहे हैं।

बता दें कि 'की एंड का' साल 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्म में करीना कपूर और अर्जुन कपूर लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म की कहानी काफी अलग थी, जिसमें एक शादीशुदा कपल के जरिए पुरुष और महिला की पारंपरिक भूमिकाओं को उलटकर दिखाया गया था। फिल्म का निर्देशन आर. बाल्की ने किया था।

गोलमाल 5 में इस बार कॉमेडी के साथ एक्शन भी, अजय की 'शैतान 2' फिलहाल होल्ड हुई

रोहित शेट्टी की 'गोलमाल' फ्रेंचाइज इस बार सिर्फ हंसी मजाक तक सीमित नहीं रहने वाली है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, 'गोलमाल 5' को कॉमिक एक्शन एंटरटेनर के तौर पर तैयार किया जा रहा है। मेकर्स का फोकस केवल नई कहानी पर नहीं, बल्कि हर सीन की तकनीकी प्रस्तुति को ज्यादा प्रभावशाली बनाने पर है। कोशिश है कि दर्शकों को डायलॉग्स के साथ-साथ एक्शन, एक्टर्स की बॉडी लैंग्वेज और स्क्रीन पर होने वाली गतिविधियों से भी कॉमेडी का बेहतरीन एक्सपीरियंस मिले। 'गोलमाल 5' की लगभग 80 से 85 फीसदी शूटिंग मुंबई में की गई है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें बड़े एक्शन और भीड़ वाले सीन्स के लिए स्टूडियो और कंट्रोल्ड सेट का इस्तेमाल किया गया ताकि कैमरा, लाइट और एक्टर्स की मूवमेंट पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सके। वहीं कहानी की जरूरत के मुताबिक महाबलेश्वर और ऊटी में भी शूटिंग हुई है।

इस बार फिल्म के एक्शन को कॉमेडी से अलग नहीं रखा गया है। सूत्र बताते हैं कि किसी कलाकार का गिरना, भागना, गाड़ी का अचानक मुड़ना या किसी चीज का टूटना भी हास्य पैदा करने वाले अंदाज में डिजाइन किया गया है। कई बड़े सीन्स को तीन से छह कैमरों के जरिए एक साथ शूट किया गया, ताकि एक्टर्स के रिएक्शन को भी सही समय पर कैप्चर किया जा सके। इससे एडिटिंग के दौरान कॉमिक टाइमिंग को बेहतर बनाने में मदद मिली है।

कहानी को लेकर सस्पेंस बरकरार, सरप्राइज बनाए रखने की है कोशिश

फिल्म की कहानी और किरदारों को लेकर रोहित सस्पेंस बनाए हुए हैं। उनकी कोशिश है कि दर्शकों को ट्रेलर रिलीज होने तक ज्यादा जानकारी न मिले और तकनीकी प्रस्तुति के स्तर पर भी फिल्म को आगे ले जा सकें।

'शैतान 2' की स्क्रिप्ट पर काम जारी, शूटिंग में अभी वक्त है

वहीं अजय की 'शैतान 2' को मेकर्स सिर्फ फ्रेंचाइज के नाम के सहारे आगे नहीं बढ़ाना चाहते। निर्माता अभिषेक पाठक की प्राथमिकता कहानी को पहली फिल्म के स्तर तक मजबूत बनाना है। फिलहाल स्क्रिप्ट डेवलपमेंट जारी है। फिल्म अभी होल्ड पर है क्योंकि अजय अभी अन्य फिल्मों में बिजी हैं।

सिंह वर्सेस कौर 2 के साथ शहनाज़ गिल का सपना हुआ सच

कुछ किरदार सिर्फ रोल नहीं होते, वो किसी पुराने सपने के सच होने जैसा एहसास होते हैं। शहनाज़ गिल के लिए 'सिंह वर्सेस कौर 2' बिल्कुल ऐसा ही एक खास पल है। सालों पहले जब उन्होंने 'सिंह वर्सेस कौर' देखी थी, तब उनके मन में यह ख्याल आया था कि काश किसी दिन वह भी इस फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनें। फिल्म खत्म होने के बाद भी यह इच्छा उनके दिल में कहीं बनी रही।

अब ओरिजिनल फिल्म के तेरह साल बाद, शहनाज़ की वही मैनिफेस्टेशन सच हो गई है। वह जसनीत कौर बनकर सीक्वल का हिस्सा बनी हैं और एक ऐसे किरदार में नजर आ रही हैं, जो उन्हें एक बिल्कुल नए सिनेमैटिक स्पेस में ले जाता है। हाल ही में रिलीज़ हुआ 'सिंह वर्सेस कौर 2' का ट्रेलर शहनाज़ को इस मौके को पूरे जोश के साथ अपनाते हुए दिखाता है। शहनाज़ लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं, जो एक परफॉर्मर के तौर पर उन्हें नए रंगों में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका दें।

और जसनीत शायद अब तक उनकी सबसे एक्लेक्टिक जर्नी साबित हो सकती है। रोमांस हो, कॉमेडी हो, एक्शन हो या थ्रिलर, शहनाज़ इस फिल्म के हर रंग के बीच अपनी खास मौजूदगी दर्ज कराती नजर आती हैं।

सीक्वल के साथ फ्रेंचाइज़ी भी एक बड़ा जंप ले रही है। जहां साल 2013 की ओरिजिनल फिल्म एक लोकली रूटेड रोमांटिक कॉमेडी थी, वहीं 'सिंह वर्सेस कौर 2' अपनी दुनिया को काफी बड़े पैमाने पर फैलाती है। पंजाब से कोलकाता और फिर कनाडा तक पहुंचती यह कहानी फ्रेंचाइज़ी को एक मल्टी-कॉन्टिनेंटल स्केल देती है। ट्रेलर में शहनाज़ गिल को जसनीत कौर, एक बंगाली लड़की के रूप में पेश किया गया है, जो गिप्पी ग्रेवाल के निहाल को सीधी टक्कर देती नजर आती है। शहनाज़ अपने खास चार्म और एनर्जी के साथ किरदार में जान डालती हैं, वहीं फिल्म में उन्हें रोमांस, कॉमेडी और एक्शन जैसे कई अलग-अलग रंग एक्सप्लोर करने का मौका भी मिला है।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए शहनाज़ गिल कहती हैं, ''सिंह वर्सेस कौर 2' मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि मुझे आज भी याद है कि सालों पहले मैंने 'सिंह वर्सेस कौर' देखी थी और सोचा था, 'काश किसी दिन मैं भी ऐसी फिल्म का हिस्सा बन पाऊं।' और अब मैं सच में यहां हूं, जसनीत का किरदार निभा रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो यह उन पलों में से एक है, जब आपको एहसास होता है कि कभी-कभी जो चीजें आप बस यूं ही चाह लेते हैं, वो सच में पूरी हो जाती हैं।

जसनीत का किरदार निभाना बहुत मजेदार था, क्योंकि मुझे रोमांस, कॉमेडी, एक्शन और बहुत कुछ करने का मौका मिला। इस किरदार को समझने और ऐसी चीजें करने में मुझे बहुत मजा आया, जो मैंने पहले कभी ट्राय नहीं की थीं। मैं सभी के फिल्म देखने को लेकर बेहद एक्साइटेड हूं और बस यही उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मजा आए, जितना हमें इसे बनाने में आया।' 'सिंह वर्सेस कौर 2' के साथ शहनाज़ गिल एक ऐसे किरदार को अपना रही हैं, जो उन्हें एक एक्टर के तौर पर खुद का बिल्कुल नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका देता है।

बाल कहानी

लंगड़ू लोमड़

■ मीनू गुप्ता

नंदनपुर जंगल में चार दोस्त रहा करते थे-हीरा तोता, चमकू गिलहरी, राजू बंदर और कुक्कू चिड़यिा। चारों में बहुत गहरी दोस्ती थी। हीरा कभी मीठे अमरूद या सेब कहीं पा जाता तो वह राजू बंदर और कुक्कू के साथ मिल-बांटकर खाता। गिलहरी भी कहीं से अखरोट लाती तो आते ही उसे राजू बंदर को देती। राजू बंदर उसे तोड़कर सब में बराबर बांट देता। ऐसा ही दूसरे दोस्त भी करते थे।

चारों दोस्त एक-दूसरे का पूरा ध्यान रखते थे। कभी कोई बीमार हो जाता, दूसरा उसके बच्चों का ध्यान रखता। उसकी दवा लाता और उसके खाने-पीने का सामान भी लाता। जंगल का राजा शेर भी उनका पूरा सम्मान करता था। वह अपने बच्चों को उनके पास भेजता, जिससे वह उनसे कुछ अच्छी बातें सीख सकें। यही हाल हाथी दादा का था। वह उन चारों की दोस्ती से खूब खुश होते। कभी-कभी तो उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर जंगल की सैर करा लाते। उनकी दोस्ती जंगल के लंगड़ू लोमड़ को अच्छी नहीं लगती थी। जब वह चारों को एक साथ खेलता देखता तो उसके मन में एक ही भावना आती कि कैसे भी इन्हें आपस में लड़ा दे।

एक दिन चारों दोस्त जंगल में घूम रहे थे। तभी उन्हें तालाब के पास अमरूद के कई पेड़ दिखाई दिए। इन पर खूब अमरूद लदे थे। कई गिलहरियां इस डाल से उस डाल पर फुदक रही थीं। हीरा तोते ने जब अमरूद देखे तो उसके मुंह में पानी आ गया। उसने अपने साथियों से कहा कि चलो हम भी चलकर इन अमरूदों का आनंद लें। हीरा के तीनों दोस्तों ने कहा कि किसी के बाग में बिना पूछे जाना अच्छी बात नहीं है।

हीरा ने कहा कि हम रोज थोड़े ही जाते हैं? और जो गिलहरियां यहां हैं, उनसे पूछकर ही तो जाएंगे। हीरा तोते की बात सभी दोस्तों को जम गई। चारों साथी वहां जा पहुंचे। बाहर खेल रही गिलहरियों ने वहां तोता, चिड़यिा, बंदर को देखकर पूछा, आप लोग यहां क्यों आए हैं?

हीरा तोते ने कहा, हम जंगल में घूम रहे थे। यहां आए तो देखा कि आपके बाग में अमरूद लगे हैं। आप अगर नाराज न हों तो हम भी थोड़े-से अमरूद ले लें? मीठे अमरूद देखकर उसका मन ललचाने लगा। गिलहरियों ने हीरा तोते की बात पर आपस में चर्चा की। फिर उन्हें अमरूद लेने की अनुमति दे दी। चारों दोस्तों ने पहले तो पेट भरकर अमरूद खाए। बाद में थोड़े-से घर के लिए भी ले लिए।

चलते वक्त सभी ने गिलहरियों को धन्यवाद दिया। घर आकर सभी ने अमरूदों को नीम के पेड़ के कोटर में रख दिया। फिर अपने काम में लग गए। जब वे अमरूद रख रहे थे तो उन्हें चोरी से लंगड़ लोमड़ देख रहा था। उसने उनके जाने के बाद आधे अमरूद निकाल लिए। दूसरे दिन चारों दोस्तों ने अमरूद खाने के लिए निकाले तो देखकर दंग रह गए। यहां पर तो आधे अमरूद थे ही नहीं। सभी एक-दूसरे को देखने लगे। सभी ने एक-दूसरे से पूछा। पर जब किसी ने लिए हों तब तो हां करता। सभी ने अमरूद लेने से मना कर दिया, फिर एक-दूसरे से जोर-जोर से बोलने लगे।

लंगड़ू लोमड़ पहले से ही इस इंतजार में था कि उन चारों में झगड़ा हो तो वह उसका मजा ले। उसने उनसे पूछा, अरे कुक्कू क्या हो गया? क्यों झगड़ रहे हो? कुछ नहीं लंगड़ू लोमड़। कुक्कू ने बात टालनी चाही। नहीं कोई बात तो है, जो तुम चारों लड़ रहे हो? पहले तो मैंने तुम्हें कभी लड़ते नहीं देखा?

अब चमकू गिलहरी ने कहा, लंगड़ू लोमड़ बात यह है कि हमने कल इस पेड़ के कोटर में अमरूद रखे थे। पर आज आधे हैं ही नहीं। लंगड़ू लोमड़ ने बनावटी गंभीरता से पूछा, पक्का यहीं रखे थे? हां, हां यहीं रखे थे। दोस्तों को भिड़ाने की चाल से लंगड़ू लोमड़ ने राजू बंदर की ओर देखकर कहा, राजू, तुमने तो अमरूद नहीं निकाल लिए?

नहीं, मैं क्यों निकालता। हम सभी तो लाए थे एक साथ। फिर वह नाराज होने लगा। नहीं-नहीं, मैं तो ऐसे ही पूछ रहा था। कह कर वह मौका देखकर वहां से खिसक लिया। उसके मन की बात हो गई थी। लंगड़ू लोमड़ की बात सुनकर सभी एक-दूसरे पर शक करके झगड़ने लगे। थोड़ी देर में वहां से जंगल के राजा शेर का बेटा निकला तो उसने उन चारों को लड़ते देखकर गुर्राकर पूछा, आप सब क्यों लड़ रहे हो?

सभी ने उसे अमरूदों की बात बता दी। साथ ही यह भी बताया कि लंगड़ू लोमड़ ने उन्हें क्या कहा। शेर के बेटे ने आश्चर्य से उन्हें देखा और फिर एक-एक को अलग-अलग बुलाकर कान में कुछ कहा। उसके बाद सभी उसके पीछे चलने लगे। शेर का बेटा उन्हें लंगड़ू लोमड़ की खोह के पास ले गया। वहां उन्होंने देखा, लंगड़ू लोमड़ मजे से अमरूदों का आनंद ले रहा है। शेर के बेटे और चारों दोस्तों को देखकर उसके पसीने छूट गए। सभी उसे देखकर हैरान थे। तभी शेर के बेटे ने लंगड़ू लोमड़ के गाल पर एक थप्पड़ मारा और कहा, तू चोरी करके लाया था अमरूद?

लंगड़ू लोमड़ का दिमाग भन्ना गया। उसकी समझ में ही नहीं आया कि वह क्या उत्तर दे? उसके मुंह से निकला, हां। शेर के बेटे ने उसके गाल पर फिर एक झापड़ रसीद किया। जा, भाग जा यहां से। अब कभी जंगल में नजर मत आना। लंगड़ू लोमड़ वहां से भाग छूटा। फिर चारों दोस्त माजरा समझ गए और एक-दूसरे से माफी मांगी। सभी ने शेर के बेटे को धन्यवाद दिया, उनकी दोस्ती बचाने के लिए।

दूध पीने में करता है बच्चा आनाकानी तो क्या करें?

दूध को एक संपूर्ण आहार माना जाता है, जो हड्डियों व दांतों के लिए बहुत जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। दूध बच्चों की हड्डियों में मजबूत ही नहीं बल्कि शरीर विकास में भी मदद करता है लेकिन कुछ बच्चे दूध पीने में आनाकानी करते हैं और मुंह चढ़ाने लगते हैं। ऐसे में मांओं को कुछ अलग सोचना होगा। यहां हम आपको कुछ ट्रिक्स बताएंगे, जिससे बच्चे को दूध पिलाने के लिए डांटने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी और वो दूध भी पी लेगा।

ऐसे पूरी करें कैल्शियम की कमी

अगर बच्चा फिर भी दूध पीने में नखरे दिखाता है तो उनकी डाइट में बादाम बच्चा दूध पीना पसंद नहीं करता तो आप उसे बादाम या आलमंड मिल्क, दही, पनीर, ब्रोकोली, नारियल पानी, सोया प्रोडक्ट्स शामिल करें। इससे शरीर में कैल्शियम की कमी भी पूरी होगी और बच्चे स्वस्थ भी रहेंगे।

फेवरेट गिलास में दें बच्चे को दूध

बच्चें दूध न पीने का बहाना ढूंढते रहते हैं। ऐसे में उन्हें कार्टून करेक्टर गिलास में दूध देकर देखें। हो सकता है कि वो गिलास देखकर दूध पीने लगे।

पसंदीदा फ्लेवर्ड मिल्क पिलाएं

दूध का फ्लेवर चेंज करने के लिए उसमें चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ड्राईफ्रूट्स, कॉर्नफ्लेक्स, चोकोस आदि डाल सकते हैं। इसके अलावा आप दूध में केसर, खजूर आदि भी डाल सकते हैं। इससे दूध का स्वाद और पौष्टिक तत्व बढ़ जाएंगे।

हैल्दी ऑप्शन चुनें

बच्चा सिंपल दूध नहीं पीता तो उसे मिल्कशेक, कस्टर्ड, स्मूदी, बॉर्नविटा बनाकर खिलाएं। इससे

उन्हें दूध के साथ दूसरे पौष्टिक तत्व भी मिलेंगे।

बच्चे को दूध न हो हजम तो क्या करें?

कुछ बच्चों को दूध हजम नहीं होता और उन्हें पेट में दर्द, गैस, पेट खराब जैसी समस्या होती है। ऐसे में उन्हें हल्दी वाला दूध पिलाएं।

गर्म दूध के बजाए दें कोल्ड मिल्क

बच्चों को गर्म की बजाए ठंडा दूध दें। इसे वो चाव से पी लेंगे और उनकी हड्डियों व दांतों को कैल्शियम भी मिलेगा।

दूध हजम नहीं होता तो क्या करें?

बच्चे को दूध हजम नहीं होता तो उसमें बादाम, अंजीर, हल्दी, चिया सीड्स, पीपल के पत्ते मिलाकर पीएं। इससे दूध हजम हो जाएगा और उल्टी, पेट में गड़बड़ भी नहीं होगी।

आइस क्यूब्स डालें

गर्मियों के बच्चों को दूध की तरफ आकर्षित करने के लिए, उसमें कुछ कलरफुल आइस क्यूब्स डालें। इसके लिए आप फूड कलर, रूआबजा आदि का इस्तेमाल कर सकती हैं।

खेल-खेल में पिलाएं दूध

माता-पिता या कोई भी घर का बड़ा बच्चों के साथ बैठकर खेल-खेल दूध पिलाएं। इससे वो मस्ती में दूध भी पी लें और उनकी एक्टिविटी भी हो जाएगी। साथ ही इससे उन्हें दूध के पौष्टिक तत्व भी मिल जाएंगे।

बच्चों में हेमाट्यूरिया

प्रकार, कारण, लक्षण व उपचार

बच्चे को अपनी बढ़ती उम्र में कभी छोटी, तो कभी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हीं में से एक है बच्चों में हेमाट्यूरिया। मॉमजंक्शन के इस लेख में हम आपको बच्चों में हेमाट्यूरिया के बारे में विस्तार से बताएंगे। साथ ही यहां हेमाट्यूरिया के प्रकार, कारण और लक्षण के साथ ही उपचार की जानकारी भी मिलेगी। बच्चों में हेमाट्यूरिया को समझने के लिए इस लेख को अंत तक पढ़ें।

सबसे पहले समझिए कि हेमाट्यूरिया क्या होता है।

बच्चों के पेशाब में खून नजर आने की स्थिति को हेमाट्यूरिया कहते हैं। इसकी मात्रा पेशाब में इतनी कम हो सकती है कि बिना माइक्रोस्कोप के नजर ही न आए या फिर खून की वजह से पेशाब का रंग लाल या गुलाबी दिख सकता है। साथ ही पेशाब करने के बाद खून के धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं। हेमाट्यूरिया थोड़े समय के अंतराल में या लगातार हो सकता है। ऐसे में बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाकर इसका कारण जानना और उपचार शुरू करना जरूरी है।

क्या बच्चों के मूत्र में रक्त एक गंभीर समस्या है?

हां, बच्चों के पेशाब में खून आने की समस्या कुछ मामलों में गंभीर हो सकती है। इसे वक्त रहते बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए हेमाट्यूरिया के कारण जैसे इंफेक्शन और अन्य समस्या का उपचार करने के साथ ही बच्चे को हाइड्रेट रखना जरूरी है।

हेमाट्यूरिया के प्रकार

हेमाट्यूरिया के बाद हम हेमाट्यूरिया के प्रकार बता रहे हैं। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध में हेमाट्यूरिया दो प्रकार के माने गए हैं।

माइक्रोस्कोपिक हेमाट्यूरिया: इस प्रकार का हेमाट्यूरिया होने पर पेशाब में रक्त कोशिकाएं केवल माइक्रोस्कोप से देखने पर ही नजर आती हैं। इसी वजह से इस प्रकार के हेमाट्यूरिया के बारे में तबतक पता नहीं चलता है, जबतक कि बच्चों का मूत्र परीक्षण नहीं करवाया जाता। यह हेमाट्यूरिया अपर यूरीनरी ट्रेक के घाव जैसे ग्लोमेरुलस या ट्यूबलोइंटरस्टिटियम के कारण हो सकता है।

ग्रॉस हेमाट्यूरिया: जब बिना माइक्रोस्कोप की सहायता के भी पेशाब में लाल रक्त कोशिकाएं नजर आती हैं, तो उसे ग्रॉस हेमाट्यूरिया कहते हैं। इस हेमाट्यूरिया के प्रकार में खून की मात्रा पेशाब में इतनी होती है कि उसका रंग लाल, भूरा या गुलाबी दिखने लगता है। आम तौर पर यह हेमाट्यूरिया लोअर यूरीनरी ट्रेक जैसे मूत्राशय और मूत्रमार्ग में होने वाले घाव के कारण हो सकता है।

बच्चा हमेशा रहता है चिड़चिड़ा तो फॉलो करें ये टिप्स

कोरोना का असर अभी तक बच्चों की जिंदगियों में देखने को मिल रहा है। अभी तक स्कूल पूरी तरह से ना खुलने के कारण उन्हें ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है। वहीं बच्चे लंबे समय तक घर पर बंद है। इसके कारण कई बच्चों को स्ट्रेस होने से उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। असल में, उन्हें अपनी पर्सनल और स्कूल लाइफ में बैलेंस बनाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे इस मुश्किल दौर में बच्चे का खास ध्यान रखकर उनकी लाइफ में बदलाव लाएं। चलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चे की पर्सनल जिंदगी और स्कूल लाइफ के बीच बैलेंस बना सकती है...

एक्टिव रखें : बच्चे घर पर रहकर या ऑनलाइन क्लासिस लगाकर थका-थका महसूस करते हैं। मगर इसमें पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे बच्चे को एक्टिव रखने की पूरी कोशिश करें। इसके लिए आप घर पर ही उसे कोई छोटे-मोटे गेम्स

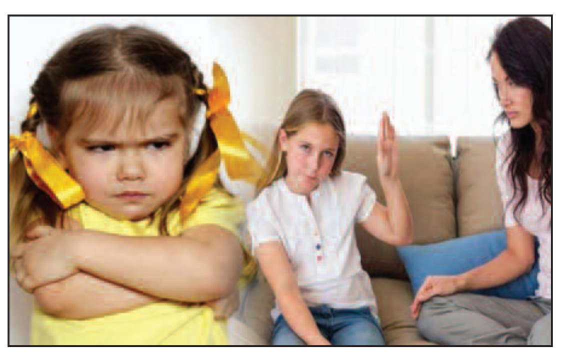

खिला सकते हैं। ताकि आपका बच्चा एक्टिव रहे। एक्टिव रहने से स्ट्रेस हार्मोन कम होने में मदद मिलती है। ऐसे में आपका बच्चा खुश रहेगा। आप कोरोना गाइलाइन्स का पालन करते हुए कभी-कभाव उसे घर से बाहर भी लेकर जा सकते हैं।

बच्चे से बातचीत करें : अगर आपका बच्चा स्ट्रेस महसूस कर रहा हो तो उसके साथ समय गुजारें। उनके साथ बातें करें। उसे समझाएं कि इस तरह गुस्सा करने से उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आप उसे खुश रखने के लिए उसका मनपसंद काम कर सकते हैं। इसके अलावा उसकी ऑनलाइन क्लास में उसकी मदद करें।

फैमिली गेम नाइट करें प्लान : बच्चे को एक्टिव व हैप्पी रखने के लिए आप कभी-कभार फैमिली गेम नाइट आयोजित कर सकते हैं। इसमें आप कुछ आसान सी फिजिकल एक्टिविटीज शामिल कर सकती है। इसके अलावा कुछ बच्चे की पसंद की डिशेज भी रख सकती है। इससे आपका बच्चा उस पल को अच्छे से एन्जॉय करेगा। साथ ही अपनी चिंता व एंजाइटी को भूल जाएगा।

बच्चे की डाइट का रखें ध्यान : शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने से भी बच्चे चिड़चिड़ा स्वभाव करने लगते हैं। इसलिए बच्चे की डेली डाइट में पोषक तत्वों व एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें शामिल करें। इससे आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ेगी। वे दिनभर एनर्जेटिक रहेगा। अगर आपके बच्चे को बाहर का खाना ज्यादा पसंद है तो आप उसे घर पर ही पिज्जा, सैंडविच, फ्रूट कस्टर्ड, शैक, स्मूदी आदि हेल्दी चीजें बनाकर खिला सकती है। ये सब चीजें आपका बच्चा खुशी-खुशी खाएगा। साथ ही इससे उसकी सेहत को कोई नुकसान भी नहीं झेलना पड़ेगा।

बच्चे का एक रूटीन सेट करें : आप अपने बच्चे का एक रूटीन सेट कर सकती है। इसमें आपको उसके जागने से लेकर सोने तक का सारा टाइम टेबल सेट करना होगा। इससे बच्चे को इस बात की समझ आएगी कि उसे कब जागना है, कब खाना है, कब खेलना व पढ़ना है। एक रूटीन सेट होने पर वह अपने सारे काम उसी मुताबिक करेगा। ऐसे में उसे एक खुशहाली और ट्रेंशन फ्री जिंदगी जीने में मदद मिलेगी।

बच्चों को शुरुआत से ही सिखाएं ये आदतें पढ़ाई में हमेशा रहेंगे अव्वल

हर माता-पिता अपने बच्चे को एक अच्छा व कामयाब इंसान बनना देखना चाहते हैं। इसकी शुरुआत स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से ही होती है। इसके लिए कई पेरेंट्स बच्चों को ट्यूशन क्लास भी ज्वाइंन करवाते हैं जिससे उनका दिमाग तेज हो पाए। मगर आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में कुछ खास बदलाव करके उन्हें एक बेहतर विद्यार्थी बना सकते हैं। चलिए आज हम आपको इससे जुड़े कुछ खास टिप्स बताते हैं...

नियमित रुप से पढ़ना

बच्चा सही से पढ़ रहा है या नहीं इसके लिए पेरेंट्स जिम्मेदार होते हैं। इसलिए माता-पिता का फर्ज बनता है कि वे अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बच्चे के पढ़ाई दौरान उनके साथ बैठें। इससे उन्हें पढ़ाई में मदद मिलेगी और रोजाना पढ़ने की आदत बनेगी।

पढ़ने का समय तय करें

बच्चों को कोई आदत डालने के लिए जरूरी है कि समय तय करें। इसके लिए आप बच्चे के पढ़ने का भी एक समय सेट करें। इससे उनकी एक रूटीन बन जाएगी। साथ ही आपको बार-बार उसे पढ़ने के लिए नहीं कहना पढ़ेगा।

किताबें व्यवस्थित रखना

कई पेरेंट्स बच्चे की किताबें व जरूरी सामान को खुद संभालते हैं। मगर ऐसा करने की जगह पर बच्चे को इस बात की आदत लगानी चाहिए। बच्चों को उसका स्कूल बैग खुद सेट करना सिखाएं। इससे वे अपनी चीजें

संभालना सिखेंगे साथ ही वे पढ़ने व स्कूल जाने के लिए प्रेरित होंगे।

खुद का टेस्ट लेना सिखाएं

खुद को तैयार करने के लिए स्वयं की परीक्षा लेना बेस्ट माना जाता है। ऐसे में अगर आपका बच्चा 7-8 साल है तो उसे खुद से पढ़ना व परीक्षा लेना सिखाएं। इससे उसे पता चलेगा कि उसे किस विषय में कितनी मेहनत करने की जरूरत है। इसके अलावा आप पढ़ने में उसकी मदद जरूर करें।

नॉलेज का इस्तेमाल करें

बच्चे को सिखाएं कि चीजों को समझ व उन्हें याद करना ही काफी नहीं होता है। उन्हें जरूरत पढ़ने पर अपनी नॉलेज का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। बच्चे को दूसरों के आगे बात करना व बोलना सिखाएं। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ेगा साथ ही उसे अपनी कमियों के बारे में पता चलेगा।

भरपूर मात्रा में पानी पीना

ज्ञान के साथ सेहत का होना भी बेहद जरूरी है। इसलिए बच्चों को भरपूर पानी पीने की आदत डालें। इससे शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलने में मदद मिलती है। ऐसे में बीमारियों से बचाव रहता है। वहीं सेहत दुरुस्त होने से बच्चे का पढ़ाई में पूरा ध्यान लगेगा। एक्सपर्ट्स के अनुसार, बच्चों को रोजाना 8-9 गिलास पानी का सेवन करना चाहिए। आप बच्चे की डेली डाइट में पानी वाले फल व सब्जियां, सूप, जूस आदि भी शामिल कर सकती है।

अच्छे दोस्तों की संगत में रहना

एक अच्छा इंसान बनने के लिए अच्छी आदतों का होना बेहद जरूरी है। इसलिए अपने बच्चों को हमेशा अच्छी संगत में रहने के लिए प्रेरित करें। बुरी संगत में आने से बच्चे पढ़ाई में पीछे होने के साथ जीवन में भी गलत आदतें सिख सकते हैं। वहीं अच्छे दोस्त पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के साथ पढ़ने में साथ भी देते हैं। इसलिए आपका फर्ज बनता है कि आप बच्चे को सही दोस्त चुनने में मदद करें।

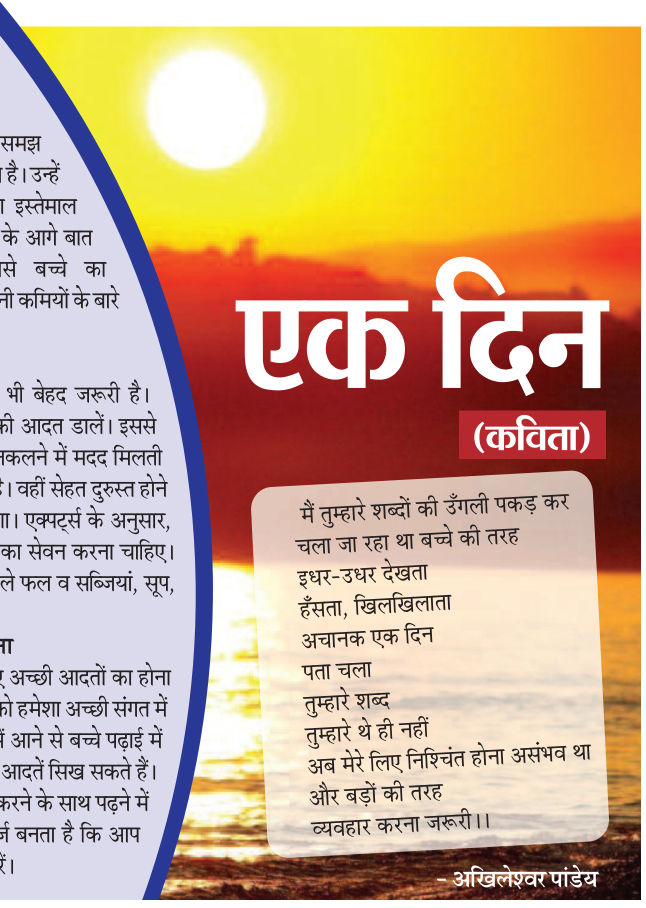

एक दिन

(कविता)

मैं तुम्हारे शब्दों की उँगली पकड़ कर
चला जा रहा था बच्चे की तरह
इधर-उधर देखता
हँसता, खिलखिलाता
अचानक एक दिन
पता चला
तुम्हारे शब्द
तुम्हारे थे ही नहीं
अब मेरे लिए निश्चिंत होना असंभव था
और बड़ों की तरह
व्यवहार करना जरूरी।।

- अखिलेश्वर पांडेय